



रुक्मिणी

लेखक—

पं० पद्मदास ।

मूल्य १॥७



संगन बहा

प्रकाशक—

लालू अय्यामलाल द्वाराज

अय्यामलाल प्रिन्स

मथुरा ।

461 E





भीष्म

रुक्मणी

नारद

वेदव्यास

श्रीकृष्ण

रुक्मणी

JAIPUR

सद







सिंहपालकीजान चली

लेवा सुगुन हुये



सिसपाल की जान आवे.



रक्म. माता

रक्मणी विलाप को.



रजा भीम.

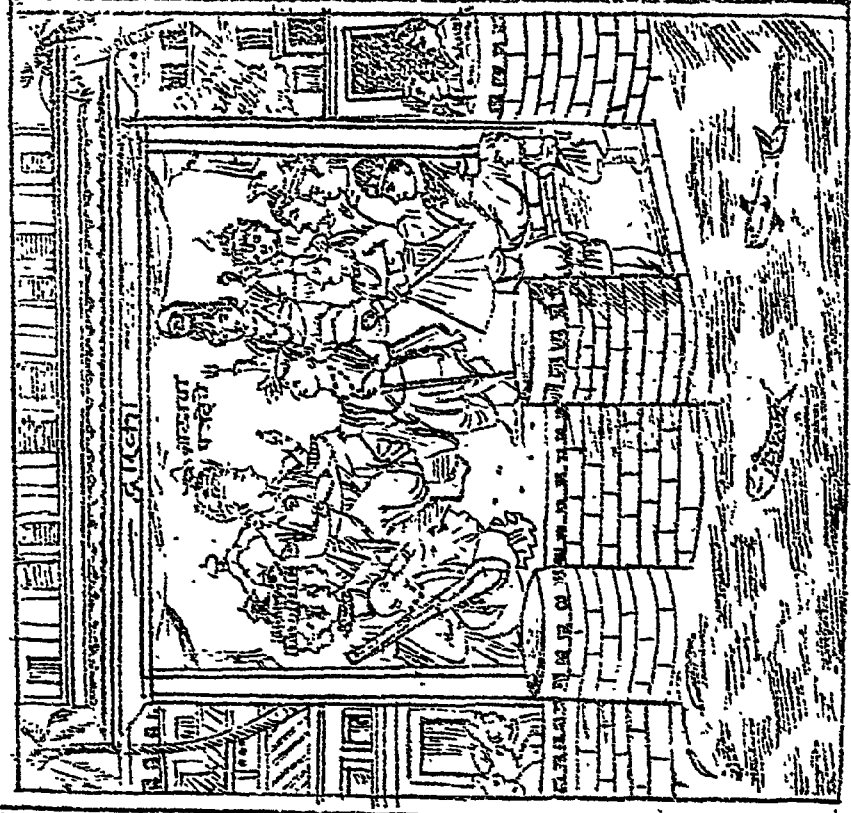
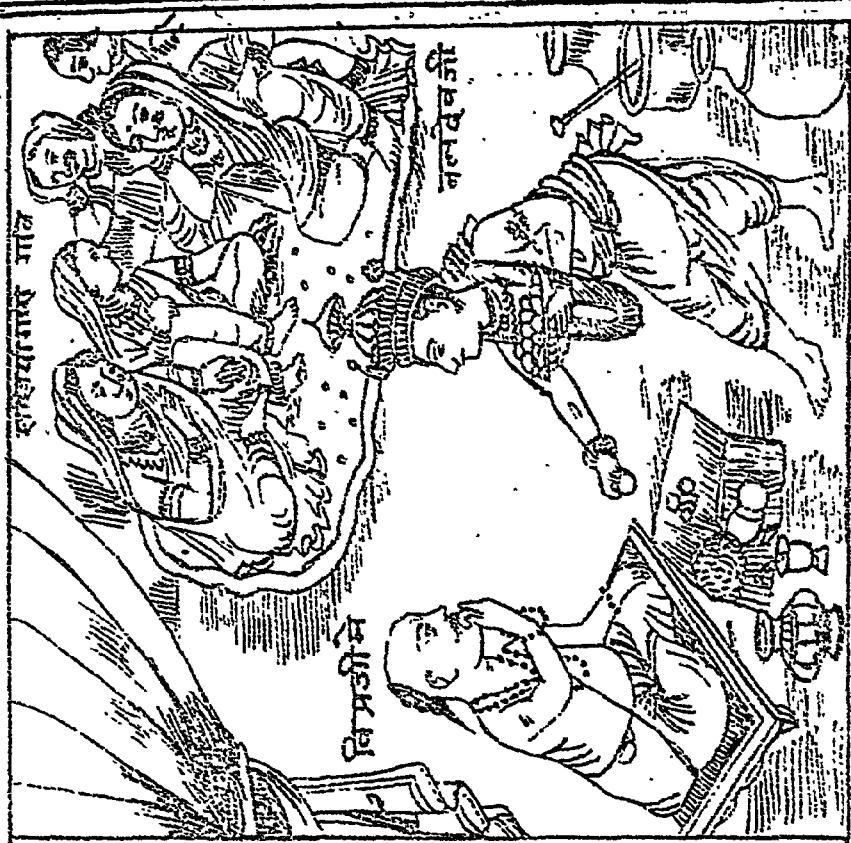


ब्राह्मणों पति दुष्ट.

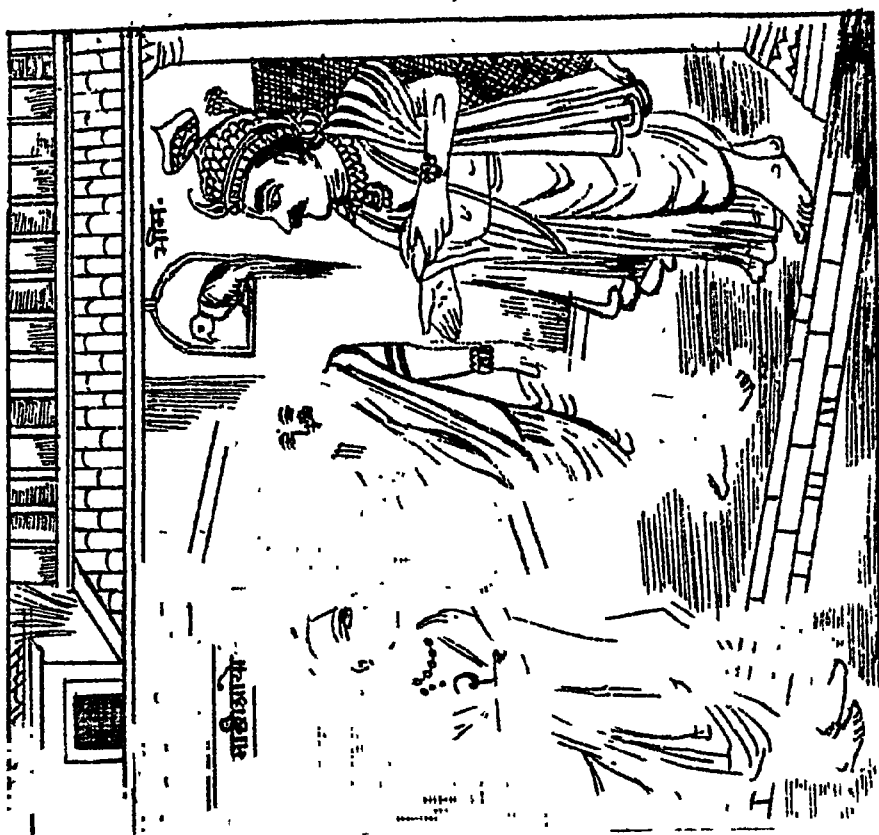


रजा.

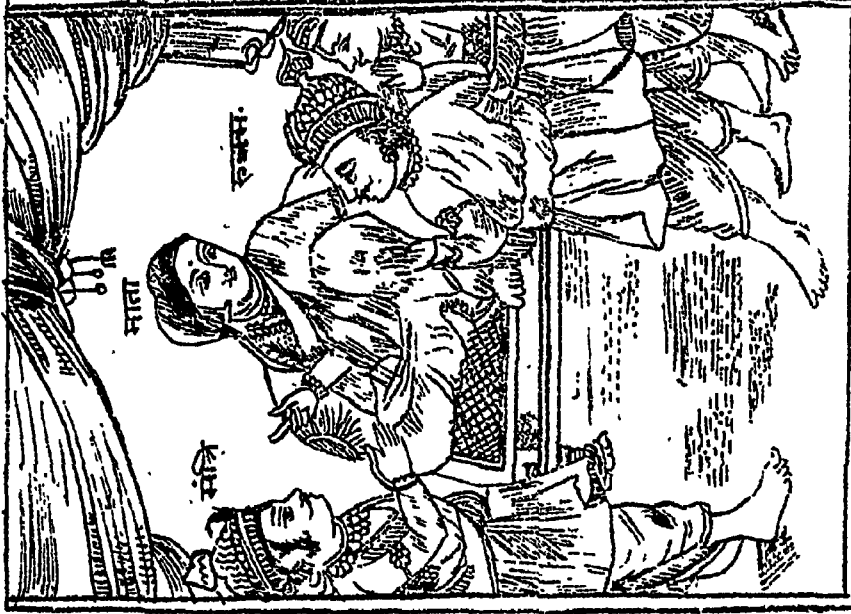












रक्षकणी हरण.

अनिता

341 P.R.



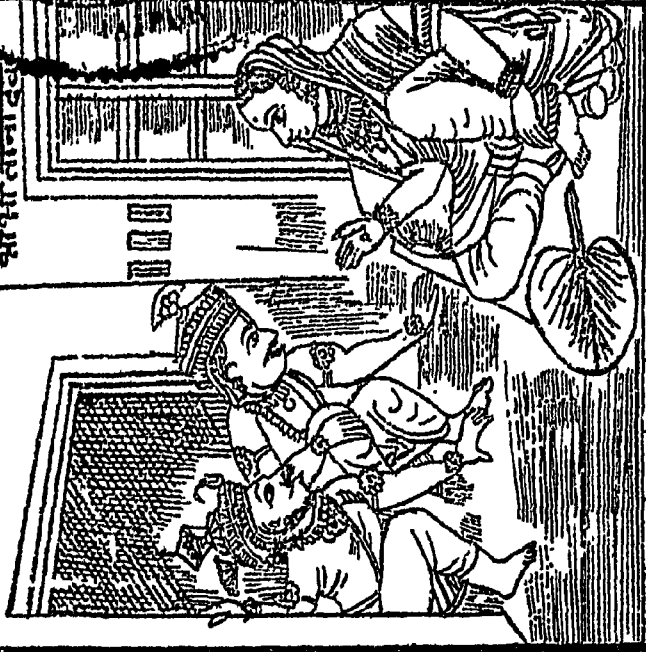


एकसैया कृष्णयुद्धः

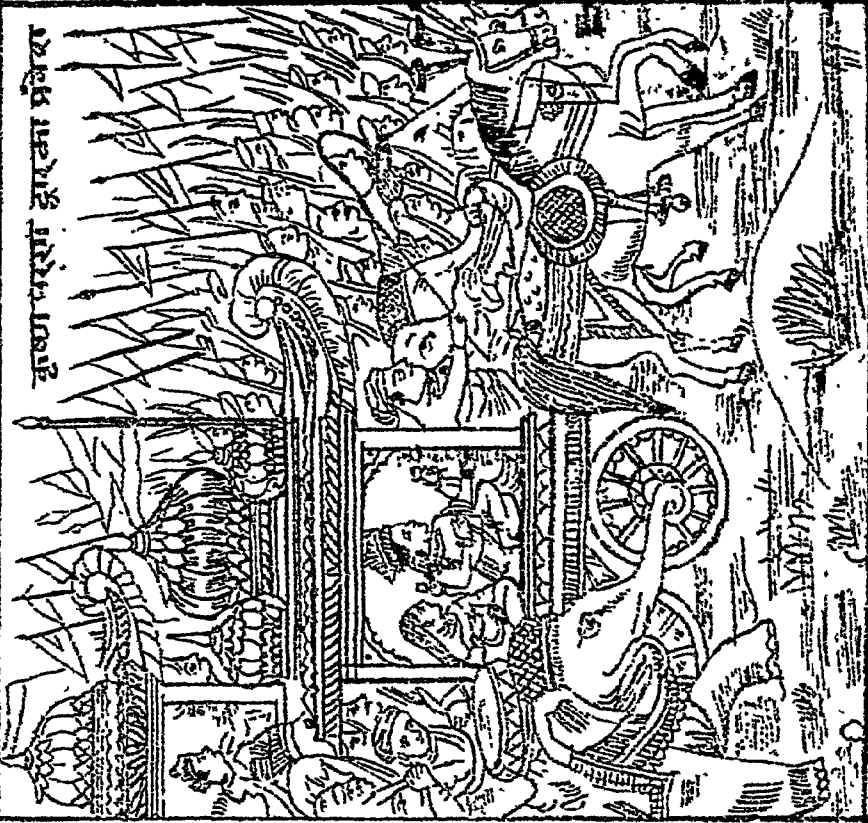


द्विषपाट चंदेरीकाया

भाभी तानादेव



दुष्ठा परान् द्वारका प्रेषय



॥ श्रीगणेशायनमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्योनमः ॥ अथपदम  
इयाकृतवृहदरुकमिणीमंगललिख्यते ॥ दोहा ॥ गवरीनंदनवीन  
वाँ, सुरपतसुरतसुजौंणा ॥ कृष्णतणोबीहावलौरिधिसिधप्रसिधप्र  
वाँणा ॥ रागमारू ॥ रिधिसिधप्रसिधप्रवाणाभणीजेकृष्णतणोरींवि  
हावौ ॥ सुंडाडंबरशसिचंद्रमा लाललौचनोवारौ ॥ १ ॥ थूहनि  
गातठमकैचालोशिरसाहैदौमारौ ॥ गवरीनंदनविधनविहंडनव  
खखंडनसुखसारौ ॥ २ ॥ दौतौसनमुखदिनकरभूलखे उरफूल  
दौहारौ ॥ पहिलेबेदपुराणअगौचरवरणीलैजसथारौ ॥ ३ ॥ मसा  
बाहनकरधनुफरसीपहिलेपूजातेरी पदमभगोप्रणमंपायलागै  
आसापूरौमेरी ॥ ४ ॥ दोहा ॥ बह्मसुतानेवीनवौ, सरस्वतिहंसारू  
ढाबाणीमातावेगद्यौ, मोमनमायामूढा ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बाणी

मातावेगकरोनीमुखमंडनव्याकरणीयेकगाकरधनुबीणांसोहे  
 दुजेपुस्तकधरणी॥१॥ तीजेअमींकमंडलअलखैचौथेसोहेथा  
 लौ॥आदअंतअवतारभवानीसेवकगनेप्रातिपालौ॥२॥ छंदपिंग  
 लाभैवनजागूँनहिंजागूँठ्याकरणीकेवलभगीतकराकैशवकी  
 कलमलमायाहरणी॥३॥ कासमीरमुखमंडनदेवीदुखखंडनसु  
 खदाता॥पूरणवह्मपदमकेस्वामीबरह्यौशारदमाता॥४॥ दोहा॥  
 जैमाताज्वालामुखी, जैजैजगतकरी॥ बरदेअपणौभनतकौ,  
 तुमसेकाजसरी॥१॥ पहलेध्याईपंडवाँ, अरजुनछोटैभौव॥नगर  
 कौनागरच्या, उंडीदिवार्हनीव॥२॥ तुमगुनविद्यासरस्वति, जा  
 चतनरसबकोया॥यहवरदीज्येपदमनै, रुकमणिमंगलहोय॥३॥  
 रागमाख॥बचनतुमारौसुभद्यूदुरगाधौलागढकीराणी॥बाव

नभैरुंचौसठजोगणतूगडियाअगवाणी॥४॥कृपाकरौतेरजन  
ऊपर निजमुखवेदबखाणी॥सतयुगमें तैरक्षाकीनीकलयुगमें  
सहनाणी॥५॥ कंठांआणविराजौछुरगाहृदयज्ञानमृदुबाणी॥  
ब्रह्माघरब्रह्माणीसोहैइंद्रवरंइंद्राणी॥६॥केशवकेवरलक्ष्मीसो  
हैरिषिमानिजनध्यावै॥बडे बडे राक्षसतुमहानियाँयहबेदमेंगोवै  
॥७॥ अंबअशोधेसनरसुखिया बचनसिद्धहोयजावै ॥ तेरीमहि  
माकबलगवरणूजनपदमइयागावै ॥८॥ दोहा॥संसारसागरअ  
धिकजल, सूभतवारनपार॥गुरुगोविंदकिरपाकरौ, गावौसंग  
लचार। १।गुरुगोविंद बताइये, हरिथरप्याब्रह्मंड। येकखड्ग  
हमंडमें, जेथरप्यानवखंड।२।सुरतेतीसूबीचवा, ब्रह्माविष्णुम  
हेस॥ जटाजूटगंगावहै, कंठविराजेसेस॥३॥ सावनांपतिवान

वां आदिब्रह्म अवतारः॥ सकलसृष्टिज्यानेरची, पंथचलावगाहार  
 ॥४॥ रागमारू ॥ ब्रह्मावेदनिगमरोनायक भूलानेसमभ्तावै ॥  
 चितेदसुनेकृष्णकोमंगल मौख्यमुक्तिफलपावै॥१॥ मंगलसु  
 नेमहासुखउपजैभनइच्छाफलपावै॥ कायाकष्टकदेनहिंव्यापै  
 जनपदमइयोगावै ॥२॥ दोहा॥ ब्रह्माजीकोसुमिरिये, जलथल  
 कियोविचार। च्याखेवेदचौदाभवन, सबकोसिरजनहार॥ ३ ॥  
 रागमारू॥ च्याखेवेदभवनचवदेमेसबामिलासिरजनहारौ ॥ ना  
 रदशारदसनकसनंदन, शंकरसेसपियारौ॥ १। जवदेइंद्रराजसत्र  
 करिहौ दिनब्रह्माँकोसारौ ॥ बृद्धउमरब्रह्मावाणिबेठौ प्रहररुद्रको  
 न्यारौ ॥ २ ॥ ब्रह्माँ भवनतीकोनायक अग्यासबवरतावै ॥ हिर  
 देधारिकेसुनिहै मंगल भगतिमुगति फलपावै॥ ३ ॥ मंगलसुग्याँ

भगतिहो अवैप्रभुकोदासकहावै। कायानिर्मलसहजहोइजा  
वैपदमइयौजसगावै॥४॥ दोहा॥ परमेश्वरकोबीनवाँ, श्रीपति  
अलखअभेवातीनैलोकउपाविया, भवनचतुदसदेव॥१॥ राग  
मारू ॥ भवनचतुरदसदेवदामोदरजलथलजीवउपाया॥ दस  
अवतारधन्याअबिन्यासी आपगरभनहिंआया॥ १ ॥ परमे  
श्वरकुंबीनवाँजीयरप्याप्रथवी अकासा॥ चंद्रसूरताराजिनथर  
प्या पाणीपवनप्रकासा॥ २॥ परमेश्वरकुंबीनवाँजीजिनशुड  
प्याबूहमंडा॥ जलथलजीवउपावियाजीसप्तदीपनवखंडधरिक्को  
मेघमालजिनथरपियाजीकरदियादिवसरुशते। रजनरेनहोई।  
दरसायाबिनसायापरभाते॥४॥ शेषनागशिरधरगुहि॥ परमगु  
पातालपठाया॥ ऊपरजलधरनीचेकीना॥ ब्रिसस्तकधन्यो भा



॥५॥ दोनामौरगादवउधारगाजुगामेंहरिदिपंथचलावगाहार  
नआगयादीज्ये भक्तआपकालिया ॥६॥ सोइसाहसमभावै ॥  
रायगासोइसोइपरगटजागौ। कृष्णाकोपसिसपालउधापंगलसु  
मिणिब्यानबखागौ ७ कबलगकहंकहाँलौ। नरगांशेषपेव्यापे  
पाया ॥ पदमकहैतेरीलखीनजावैबिनथंभेमैंडछाया ॥८॥ ब्यान  
तणीमुदुबाणीबौलौ रागरंगसुरगावौ ॥ चंदनचर्चचतुरभुजपू  
जाँदासपदमबलियावौ ॥९॥ दोहा ॥ गौरीप्रतिनैवीनवौ, नौदेसुर  
असवार। जटा जूट गंगाबहैकठभुजंगौहार। १। रागमाला। कठ  
भुजंगौहार। बिराजैअरुसहिभुगछाला ॥ चंद्रालिलाटरबीज्यांवि  
मकेपंन्नगभूषणमाला १ सेलीसिंगीडमरुकरमैऔरबरणीश्र  
पमाला ॥ बहमाप्रगटकरेसुष्टीकूविष्णु पौषणवाला ॥२॥ परम

गती विष्णुसेतुमरी राक्षसबचनदिराया ॥ जो जो राक्षसहुये भ  
वनमें तुमहीं बचन सुनाया ॥ ३ ॥ नंदीगणा अरु स्वामकारतिक  
वीर भद्र मनभाया ॥ आदिप्रभु अवतारधारिकें सब कूं जाननि  
भाया ॥ ३ ॥ अजर अमर अविन्यास किहिये सर्व रिषी मनभाया ।  
पदम कहै प्रणमैं शिवशंकर खंडमाल लटकाया ॥ २ ॥ राग  
मारू ॥ गौरिगंगकौ कंथ भगीजे सहस्रबचन उचारै ॥ जटा मुक  
टा शिरगंग खलहलै खग असुरांसिर डारै ॥ १ ॥ माथे सेली गलं रुड  
भाला कर मेढम रुराजे ॥ भांगधतूरा विषम अहारी कंथ गवरिको  
छाजे ॥ २ ॥ उगगणपति जाके सीस बिराजै सुरति बिचार नहोई ।  
पूरण ब्रह्म पदम के स्वामी पारबती पतिसोई ॥ ३ ॥ दोहा ॥ परम गु  
रु गुरु देवजी, रहौ कृपाल सहाय ॥ तादिन करमस्त कधन्यो भा

गजुअगत्यौ आय ॥ १ ॥ रागमाख ॥ गुरुगोविंदकबीनवाँजी अवि  
न्यासीआदेवा ॥ तनमनगुरपैवारणांजी करुगुरांकीसेवा ॥ १ ॥  
गुरुपूरममातमाजी गुरुतुमदीनदयाला ॥ जबतुमकृपाकरी  
स्वामीजीमिदजायकालअकाला ॥ २ ॥ गुरुबडेपरमारथीजी  
सीसहाथधरदीन्हा ॥ ध्यानधर्यौगुरदेवतुमारौ जनुअपणांक  
रलीन्हा ॥ ३ ॥ गुरुमेरेमातपिताजीगुरहेभाईबंधा ॥ अगमअगो  
चरतुरतवतायातौडदियाजमफंदा ॥ ४ ॥ देवगुरुतुमअगयादी  
ज्यौजदबुधदेवौनिहाई, पदमकहेगुरग्यानभनेनेभक्तिमुक्तिफ  
लपाई ॥ ५ ॥ गुरुगोविंदकेसरगौआथौकुलकीलज्जाफेरी ॥ पूरण  
ब्रह्मपदम केस्वामीआसापूरौमेरी ॥ ६ ॥ रागमाखकंठीतिलक-  
ग्यौहिरदामेंमनआथौविसवासो ॥ जबतुमकृपाकरीस्वामीजी

कटगईजमकीफासौं१ जमकापाससहीतुमकाटैशरणतुहारी  
आर्यौ ॥ जबतुमकृपाकरीस्वामीजी तबगुरुनामसुनायौ ॥२॥  
दुखखंडनसुखदायकस्वामीगुरुतुमदीनदयाला ॥ दासपदम  
परकिरपाकीज्यो अंतरकरौउजाला ॥३॥ यादकियोहरिपदम  
नैलियाहजूरबुलाय ॥ आनादीन्हीश्यामनेपीतांबरपीहिराग्र  
॥५॥ रागमारू ॥ पायलगयोहरिकेपदमइयौ बैठयादवराई ॥  
कृष्णरुकमणीकीरतगावो॥निजमुखआपसुनाई ॥१॥ रुकम  
गिकहैसखातुमसुनियोरचियोचित्तलगाई।योमंगलपरगटतु  
मकरियोपुरीद्वारकामाई ॥२॥ अनाले पदमइयौ आर्यौ नि  
जमुखमंगलगाईज्यैआनादीकृष्णरुकमणीकियाउचारसुख  
दाई ॥३॥ सुरतेतीसूंआनादीज्यौ रागरंग सुरगावौ ॥ पारब

हस्तुमपारलगावोरुक्मणिब्यावरचावों ॥ ४ ॥ दोहा ॥ रुक्म  
 गिभंगलगावतों, हुयेपवित्तरगाम॥ कायाराकलमिसभरेहोत  
 सुखीसबधाम॥ १ ॥ नरनारीभंगलसुनेहरिचरणोंचितलायाना  
 रीअमरापुरबसै, नरबैकुंठांजाय ॥ २ ॥ ब्याबलौभागीरथीश्रीभा  
 गवतपुराण॥ बोलेशाणीस्कमणी, सुनियोभगतसुजौगा॥ ३ ॥ कू  
 डमतीनाभाखियो, कथियोसोहोपरवौणा॥ यहकीरतश्रीकृष्ण  
 की, समभरकरौबखौणा॥ ४ ॥ म्हंभहारिमतसूंकहुंलीजियोइयाम  
 सुधारा॥ पदमभंगेप्रणमंसदा, भक्तौप्राणअधारा॥ गनननाय  
 नराजकुं, विनवौबारवारआरंभ्यापूरणकरौ, रचदूयोभंगलचा  
 रा॥ ६ ॥ रागमाखू॥ गवरीनंदगणेशमनाऊंसबकुंशीसनवाऊं॥ स  
 रतेतीसंआज्ञादीजियेरुक्मणिभंगलगाऊं॥ १ ॥ कृष्णरुक्मणी

आज्ञादीन्हीनिकटहजूरबुलायौ ॥ नंदकैवराधवरजूकोपदमा  
इयोयशगायौ ॥ २ ॥ दोहा ॥ सदाभवानीदाहिनी, कीज्यौमोरिस  
हायाकीरतगाऊंश्रीकृष्णकी, लीज्यौ आपवणाय ॥ १ ॥ रागमारू  
लीज्यो आपबनायभवानीनिजसेवकरजानौ ॥ कृष्णकोपासि  
सपालसंहारण रुकमनिब्यावबखानौ ॥ २ ॥ पुरबजनमकीसीता  
कहिये लक्ष्मीजनमसुजानौ ॥ रामचन्द्र अवतारकहीजेवसुदं व  
पुत्रबखानौ ॥ ३ ॥ जहैजहैभीरपरीभक्तनमैपरमघासिआ  
ये ॥ पदमभरणेंपायेलागूयादवानाथकहाये ॥ ४ ॥ इतिमंग  
लाचरणाअष्टपदी ॥ अथकथाप्रारंभः ॥ रागमारूको ॥ दो ॥ द  
क्षिणदेशसुहावनौराजाभीवनरेस ॥ गढचौरासीगंजगा, शोसप  
चायणदेसा ॥ रागमारू ॥ शोसपचायणदेसभणीजेपांचपुत्रये

कवाई ॥ त्रिभुवनतारणजगतउधारण सिंधुसुतायहआई ॥ १ ॥  
कुलछत्तीसोंजातभरणीजेधरधरमंगलचारो ॥ चावउछावसक  
लनगरीब्राह्मणबेदउचारो ॥ २ ॥ रतनजटितकेभवानबनेहे भो  
तियनलूगौलागी कुंदनपूरकेभवनदेखिकेभयेविप्रअनुरागी ॥  
॥ ३ ॥ तिनकेपूरबजनमालियोलिछुभाबिररुकभराअमसार ॥ भो  
वनरेरवरअधिकदानदिय नौबतबाजेंद्वारा ॥ ४ ॥ पंडितबेगबुला  
याराजाजनमनक्षत्रादिरखाई ॥ ब्राह्मणकहेनक्षत्रकरडा नामरु  
कभरणीबाई ॥ वाररानीइचरसिद्धजोगहेस्वातिनक्षत्रजाई ॥ ६ ॥  
लक्ष्मीकोअवतारहुयोहेरुकभरानौवधराई ॥ राजासेजोसीइम  
बोलेअष्टसिद्धनौनिधछाई ॥ ७ ॥ गर्लगलीमेंनारकेलहैवागेर  
गरगाई ॥ घरघइवंदनवारलगईसुगंधरहिलिपठाई ॥ ८ ॥ रा

जाभीं वधरै तत बधाई हाटवाट रंग छाया ॥ चौहटडा सिगागारक  
रायास खियन संग लगाया ॥ ९ ॥ भगमग है अधिक चतुराई पुर  
पनवा लगो पाला ॥ लछमीं मद्रबसे सबही के ब्राह्मण किये निहा  
ला ॥ १० ॥ अधिक अधिक सुंदर चतुराई घुडला गिरया न लेखा ॥  
कुंदन पुर सिगागार ओ पमागा बै पदम विशेषा ॥ ११ ॥ दोहा ॥ सुय  
श सुन्यौ स्वर्ग लोक में, नारद अपगो कान ॥ बीणों में भीणों सुराँ कर  
तचले गुणगान ॥ १२ ॥ छंद ॥ एक समें नारद गुसाईं भवन भीषम  
के गये ॥ कर जोरा जा भीम ठाढ़ौ मुनि कैसे आवन किये ॥ १३ ॥ आ  
रती बहु मांति की नही जोरि करि पूजा करी ॥ ताहि दिन राजा भीष  
मनें आसि खासां गी खरी ॥ १४ ॥ राग मारु ॥ नारद कहै सुनो नृप मे  
री ॥ लछमीं रुकमण बाई ॥ द्वारावती सगाईं करद्यौ और ठिकाणी



नाई ॥ १ ॥ छप्पनकोटियादवनकोराजानंदजुकोलालकन्हई  
श्रीगिरधरसूंकरोसगाईयादवजोडेनाई ॥ २ ॥ दानोमारणदेवउ  
धारणलियाभनुजअवतारी ॥ देहबचनरणवासपथारदासपदम  
बलिहारी ॥ ३ ॥ छंद ॥ रुक्मणीकीमातावोलीपुत्रचरणौलागरी  
मनभावताबरदेहिनारदपूर्वप्रगटेभागरी ॥ १ ॥ मनमेंसकुचकछु  
हरखिकेकरजोरतबठाढीभई ॥ छुषणवरतांकूबरौ यहआसिखा  
नारददई ॥ २ ॥ रागभारु ॥ नारदवचनकहेरुकमणकौ नंदनंद  
नवरथारौ ॥ सांवरिसूरतमाधुरिमूरत पीतपीतांबरवारौ ॥ १ ॥  
रुकमणिकहेसुनोरिविराजाक्याहारिकीसहनाणौ ॥ गोकुलमाँ  
होंगवालघरोराकैसेनिश्चयजाणौ ॥ २ ॥ मोरमुकुटकानाँबिचकुं  
डलकौरतुभमणिसहनाणौ ॥ शंखचक्रअरुच्यारभजौहंगरुडा

सनअहनाणौ ॥३॥ च्यारहिभूजा च्यारही आयुध नंदयशोदा  
प्यारौ ॥ पदमभगौ रुकमणिंकूछुपकहिबरसी कृष्णमुरारौ ॥४॥  
॥छंद॥ रुकमनीकोबरदेनारदआपमुनिभोजनकिये ॥ताहिदि  
नतैकैवारिरुकमनिहरिमिलनकेब्रतकिये ॥१॥ रुकमनीयूहदूठा  
नोकृष्णमोकूबरजुले ॥ दासगदमकहगयेनारदअंबिकाहारिवर  
मिते ॥२॥ रागमारु ॥ राणीकहैहंकंतपथारौ प्यारीरुकमगणवा  
ई ॥हौसरवग्य आपकुंसूकैबरद्योमोहिबताई १ नारदकहैचंदेरी  
राजादंतवक्रसेभाई ॥जुरासिंधसेकाकाहियेचहुदिशिफिरहु  
हाई ॥२॥ कशराजशिशुपालधरापति नवखंड मेंनिहिछानौ ॥  
पदमभगौनारदइमभाखेसत्थबचनपरमानौ ॥३॥ दोहा ॥ नारद  
कहैराणीसुगौंचंदेरीकोराय ॥ डाहलसंसगपणकरौदीनहौंगुप

तबताय ॥ १ ॥ नृपकंकुषावसावियौ राणीकुंसिसपाल ॥ नारदहुं  
बध्यानाश्वग्यौकरदानाकोकाल ॥ २ ॥ दानवबधियादेवदुखपृथ्वी  
करीपुकार ॥ भुकोभारउतारणोलियौकुण्डाअवतार ॥ ३ ॥ चार्ता  
राणीकुंयाप्रकारसैंकहकेनारदजीअपणोंस्वल्थानपेंजालिभये ॥  
॥ दोहा ॥ रावरणावासपधारिया मिलीसहेलीद्वार ॥ किंणारी  
बार्हडीकरीकिंडरीराजाकैवार ॥ सखीभगोंसुगुराजवीसोंभल  
भीवभुवार ॥ याछैबार्हकमणीभीषमगृहअवतार ॥ २ ॥ जबरा  
जासोंसौकियोचिंताबहुतकराय ॥ धुकहैमहारराजोविणेंजनमअ  
कारथजाय ॥ ३ ॥ बार्हकमणीकारगोराराजोवेवीद ॥ पल  
पलदेखततनघदैनैगानआवैनींद ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ तालछपका  
नैगानींदपलकनहिंभंपेचितवतरेनबिहावै ॥ चंद्रबदनचूडाम

गिकारण सुखतसौवरो आवै ॥ १ ॥ असुराँसुसगंगामातिकी ज्या  
वैतौहैसवफीठा ॥ मथुरामल्लहअखोरजीत्यादेवछारकादीठा ॥  
॥ १ ॥ बसुदेवबंनद्वनअसुरनिकंनतीनलोककेराजा ॥ बहस  
भगौराजाहामिभागै अरेहमारेकाजा ॥ ३ ॥ सोरठा ॥ भीषमसुता  
जनमियाँकुपणसमर्पणियाँ ॥ कहतसुनतपातककहेनगतवरक  
मणियाँ ॥ १ ॥ दोहा ॥ बंनबद्वनचूडामणी, भीषमअहअवतार  
बंधूरुकमहयौभलौ, मंत्रिशिरौमणसार ॥ २ ॥ रागभारु ॥  
कुंदनपुरमेंभीमनरेश्वरपौचपुनअधिकारी ॥ जिणसूछोटीएक  
रुकमणी लछमीकीअवतारी ॥ १ ॥ रुकमहयोअरुककमकैवर  
है रुकमकेसबलभारी ॥ रुकमारथरुकमंगदकहियेछठठीराज  
कुलारी ॥ १ ॥ राजाभीवकैवररुकमहयौमंनकरवैबैठा ॥ इक

कन्याकुँसौबरजुगता सौबरकितनहिदीठा ॥ ३ ॥ रुकमइयौ  
कहसुगोराजार्जुथितौसगलीजागौ ॥ म्हानैतौबालकबुधआवै  
पिछलीतुमहिपिभागौ ॥ ४ ॥ राजाभगौसुगौरुकमइयौबरवन  
वारीजानौ ॥ छप्पनकोटयादवनकोराजायादवंशबखानौ ॥  
निभुवनमायनिघटैकरदख्योउनसभाकोइनलागौ ॥ पदमभगौ  
राजार्यबोलैरुकमइयाकेआगे ॥ ६ ॥ दोहा ॥ कैवरकनौधरयूम  
शौ, दीकभयहलौजाना ॥ गोकुलगऊचरावतौभलौसराथोकान्ह  
॥ १ ॥ रागमारू ॥ बन्दबनमेंगऊचरावैभिडवाल्यारैसाथे ॥  
कामनिमोहैबंसिवजावै जीभेउगारैहाथे ॥ १ ॥ परनारीकेप्र  
खेभूमोगोगेदानमहीको ॥ तुमजुकहौनिभुवनकोराजा चौथो  
खंडअहीको ॥ २ ॥ छानिवंशहास्तिनापुरवीर्या फिरबडवाल्यो

जानौ॥ जिनका कुलकीलज्जा आवेतिनको कहा बखानौ॥३॥  
दरसनकाले बोलै कुडोतनमनधर अभिमानौ॥ पदमभंगोरुक  
इयो भाखे भलो सरायो कान्हौ॥४॥ दोहा ॥ भौवभंगो सुतमा  
हरा थे छो भूढ गँवार । औरै के भुज दायछै हरजी के भुज च्यार॥  
॥१॥ रागमारू॥ चतुरभुज ने च्याखूं भुज सौं हिंगरुडासनगो बिंदा  
ब्रह्मादिकसनकादिक थरप्यासूरज अहिनि सचंद्रा॥१॥ वासगाके  
शिरधरणी थरपी जलपाताल चलायो जलथल पवन अपरबल  
पानी विचाबचमुलक बसायो॥२॥ ज्यंभरजाद आपहारि बाँधीहुक  
मीकामचलायो॥ पदमभंगे प्रणमै पाये लागै विनथं भआ भोछा  
यो॥३॥ दोहा॥ कैवरभंगे सुगाराजवीं, सांझल भौव सुवाल । पुरब  
चंदेरी राजवी, बरबस्यो शिशुपाल॥१॥ रागमारू॥ दम्भघाब

राजाकौनं दनधनकोवारनपारा ॥ शिवकिरयातें लक्ष्मीपाई सो  
 हेराज दुवारा ॥ १ ॥ भंडारीको ठारी सो है हरती तुरी आधारी ॥ आया  
 से अधिक भरली जे अडवाडियां आधारी ॥ सब लीं सेती संग पण  
 की जे पाणी पहली पाजे ॥ कैवर भगें सुन ज्योरा जा जीगवल्यां  
 संकुल लाजे ॥ ३ ॥ दस मध्यो परो पुत्र भरी जे दुसो भली हक दामौ ॥  
 जिन संग चढे पंचायथा छौ हण खंडी वाकी जानौ ॥ ४ ॥ जाकूनवै  
 निनां राजा पूरवत गोनरे सा ॥ पहली तो सब जा दू जी तया कौ स  
 लिथारा बढसा ॥ ५ ॥ समंदत गे जाय सरणै बैठो नगर सब सासौ मां  
 हैं ॥ डरतौ वो वाहर नहि आवे मां नो भिल गयो आई ॥ ६ ॥ काल जम  
 नके आगि सागो थासुं किस डोछानौ ॥ पदम भगें रुक मइयो भां  
 डे मलो सशयै कान्हौ ॥ ७ ॥ दोहा ॥ भौव भगें सुत मां हरातु महो

निपट अयान ॥ नखेपशगिरवरधारियो कुवज्याराख्योमान ॥  
॥१॥ सीतौंरीवाहरचढ्यौ सायरनांधीपाज ॥ धनुषबाणाकरधा  
रिके देवसुधाज्याकाजा ॥२॥ रागमारु ॥ सायरपाज सहिकरना  
धीवांनरीक्षामिलाया ॥ कुंभकरणमहिरावणमान्या आगेअसु  
रसताया १ रावणारूपदेखसीताको असुरकुबुद्धिबुधिआई ॥  
रावणकेदशमस्तकछेदेबंधेतीसछुडाई ॥२॥ बिभीषणनेराज  
तिलकदेकनकमालपहिराई ॥ जनकसुताजबलेकरआया घर  
घरबजीचघाई ॥ ३ ॥ असंकजुगां अवतारभक्तहित साखबेदमे  
गाई ॥ पदमभणौंभीषमयैमाखेवहअबजादुराई ॥४॥ दोहा ॥ भी  
वभणौंसुतमांहरारुकमणियहबरसाज ॥ जिनेअघासुरमारिया  
वृक्ष अमौलिकमांज ॥१॥ रागमारु ॥ वृक्षअमौलिकप्रभुनेता



न्यासकदासुरसंधान्यौ नलकुंबरदो कबलवंता लिनको मलउरला  
 न्यौ ॥ १ ॥ जमुना जलमें काली नाथ्यौ बलिअ जगरकुं मान्यौ ॥  
 कंसमारधरणो शिरचून्थौ जटुवनको कियौ उबारौ ॥ २ ॥ बीर  
 कुबलिया कुंजर मान्यौ मुष्टिकमल्ल अरलाडो ॥ असुरकंस चौगार  
 पछाड्यौ असुरांत गेपंवाडो ॥ ३ ॥ येह अवतार पंवाडा भारव्याथै  
 म्हैयेता जाग्यौ छपपनको टियादवको राजा जिंघारो बंश बरलाग्यौ  
 ॥ ४ ॥ तीन लोक अरु चवदा भुवनमें नहीं कि सीसै छानौ ॥ पदमभ  
 गे भीषमयुभाखे वरवन वारी जानौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥ कंस जते डीपूत  
 नाजहर लगायो गात ॥ सिसुमारन आवत भई, सुन अचरज की  
 ता ॥ १ ॥ राग आसावरी ॥ लालको मैं मुख देखन को आई ॥ ऐका रा  
 तव सी असुरन के नगरी देह महा दुख पाई ॥ पुरुषन कामूढानहि

देख्या अडसटतीरथन्हार्इ ॥ १ ॥ जबमै ध्यान धर्यो बैकंठ मै वैकंठ  
मंखाली पाई ॥ २ ॥ येता बाल क देख्या वृज मै इन मै जो तस वाई ॥  
जो म्हे थारा बुरा चिता ऊँ आखिन मी सौ हखाई ॥ ३ ॥ चित सुदृढ्या  
गाज सो दारानी पलना दिया बताई ॥ बिपल गायथ न मुख मै दीयो  
सुते खै चय दुराई ॥ ४ ॥ पड्यो जाय ज बडो ठ जो जन के असुर  
न संक्या आई ॥ पदम भगौ प्रण मै पाये लांगू माता की गति पाई ॥  
॥ ५ ॥ छंद ॥ ब्याव बैर अरु प्रीति लाय क बरै बरसूं की जिये ॥  
राज तखत ब्याह के यूँ ग्वाल कूं सुत दी जिये ॥ जात कुल के ही रास  
बमिल ब्याह कै से दी जिये ॥ मान बचन भुवाल भीषम भूल य हम  
तिकी जिये ॥ दम्भ घोष को शिशु पालरा जाता हि कन्या दी जिये  
जात सूर सुजात सुंदर जाय सग पण की जिये ॥ ताय कन्या देत सो

भा चनमौरप्रतीजिये ॥ २ ॥ रागमारू ॥ तालछप्को ॥ भरीसभा  
में इंदरको प्यावृजसुं भेटन आई ॥ याबृज ऊपर जल बरसावो सब  
कंदेवो बहाई ॥ १ ॥ आवरछनको आदिले कन्या रू पुन बुलाई ॥  
बरस्यौ घन अंत सु रघारा परवतलीयो उठाई ॥ २ ॥ राजा  
भौवभगौरुक्रमइया किंशारा जाको दीजौ ॥ ओछि संगे सगा पण कर  
तां मान बडाई छीजौ ॥ ३ ॥ पूरे संगे सगारत करतौ वाके शरणीजो  
वसुदेवनंद असुरदल गंजन उनको कन्या दीजौ ॥ ४ ॥ बिलमनक  
रोहुक्रम उरधारौ पीछे जवाब न दीज्ये ॥ पदमइया मते रे गुणागा  
वै काम भले राकी ज्ये ॥ ५ ॥ दोहा ॥ चमकिकनौ धरउ ठिचल्यो घ  
र जाय पूछीमाय ॥ तखतचंदेरी छेडिके, सगपण अकुल कराय  
॥ १ ॥ रागमारू ॥ सात बरस की बाई रुकम गिा संग खलगाजा

थानराजाबहुपेणादीन्हौ बैठकरोठकुराई ॥३॥ दोहा ॥ येकहि  
 बरमेदोमाता, मलीकायसेहोय ॥ पुरुषजुपूजेदेवता, भूतजुपूजे  
 जोय ॥१॥ भीमउवाच ॥ रागमाह्वाबौसबीडाअपणौकुलजारिए  
 सोपुत्रतुह्यारो ॥ पिताबचनसरखनाहिमानैरुकमकैवरअपगारो  
 ॥१॥ राजाभणौसुगौराणीतुमयेहवातनसोई, पदमभणौप्रणमैषा  
 भेलागूँकरदेखौसबकोई ॥ रागआसावरीतालदीपचंदी ॥ कहाते  
 रनंदनंदनमनमान्यौ ॥ टंक ॥ रागोअरजकरैराजासेबृद्धभयो  
 हमजान्यौ ॥१॥ जातपौतकुलवाकेनार्हिसोरुकमणिबरठान्यौ  
 ॥२॥ बृन्दावनमेंगऊचराबै कौंधिकामरकान्यौ ॥ ३ ॥ पदमभ  
 णौराणीयैभाखे मोरमुकटवाकोटान्यौ ॥४॥ रागसोरठ ॥ भो  
 लीराणीबावरीहै गिरवरधारीनेपरणास्यां । टेर। शठरुकमइयौ

येकनमानेकहशिसपालबुलास्यौ ॥ १ ॥ नोशिसपालचंदेरीकोरा  
जाहोंनिभुवनपतिध्यास्यौ ॥ २ ॥ जोहरिन्हौरेभवनपधारे घर  
बैठागतिभास्यौ ॥ ३ ॥ प्राणतजैपणप्रणनहिंछाडूंरुकमगिरथ  
बैठास्यौ ॥ ४ ॥ पदमइयामजोहरिनहिंआवै तोमरस्यौविष  
खास्यौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥ राणीसुराजाकहैसुगौप्राणआधार ॥ ती  
नलोकपतिकृष्णाकीरुकमगिहैबरनार ॥ १ ॥ रागमाखु तालछु  
पको ॥ तीनलोककेनाथककेसोकैताकियापैवाडा ॥ मारेदानव  
देवउबारैअनगिनदैत्यअखाडा १ बालरूपहोयहतीपूतनापह  
लप्रवाडाकीया ॥ पाईसजाश्रीधरजोसीविप्रजानजिवादिया ॥  
२ मलअखाडेहस्तीमान्याकरसेदसनउपारो ॥ कालीनागना  
थकरल्याथोनखपरगिरवरधारो ३ मान्योकंसकेसगहकेसौजन

वै कोटिक अरुण अंग की शोभा विद्युतरूप लजावै ॥१॥ राणी  
के मन चिंता उपजी कुंवरि बडी अब होई ॥ पुत्र बुलाय रुकमने भाषे  
बर सोधी ज्यो कोई ॥२॥ राणी कहै सुनो रुकम इयारु क मणि बोद  
विचारो ॥ साखां सिर सरीखौ सग पण कारज सुधरे थारो ॥३॥ क  
हरु क मइयो सुन हे जननी राजा मंत्रि पठावां ॥ बडा धराणो वाई  
ब्यावाँ तौ जग में यश पावाँ ॥४॥ चंदेरी शिसपाल धरापति जिनाने  
कौ कबुलावां ॥ पदम भणै यूँ कह अ भिमानी राज दुवार जावां ॥५॥  
राग मारुता लछपको ॥ राव और बरहे रे माता थोर काई  
भाँवै ॥ माखन चोर छांछ को दानी तिन को राव सरावै ॥६॥ ग  
जदल ठाट गढौ रौ पुरोत खत चंदेरी सोहे ॥ च्यार खूँट न वखंड नि  
चाले इस डो और न कोहे ॥२॥ नेम धरम की सब विध जाँगो नगर ध

रामकीपाजा ॥ सुंदरवरशि सपालभणी जेतायन भूँ पैराजा ॥ ३ ॥  
रुकमइयाकाबचन सुगो सुगहि वडामौ हीं सल्यो ॥ देखो मतिरा  
जा भीष्मकी करे जौ वार्द्ध बाल्यो ॥ ४ ॥ माता सुता मिल भंज वि  
चारो दोष न लागे कोई ॥ करो सगहि देर न की जै होनी होय सो होई ॥  
॥ ५ ॥ रुकमइया का बचन सुने सुन गाढा भतो उपारो ॥ बिप्र नुलाय  
सुलगन लिखवो चंदेरी पहुँचावो ॥ ६ ॥ दोहा ॥ राव रणा वास पधारि  
गाराणी सुं वत लाय ॥ हुकम कै वर उत्तर दियो, करता को टिउ पाय  
र राग माहूत लछपको ॥ करता को टिउ पाय न रस्वर विधनाओ  
छीब ॥ राणी भगो सुगो राजा जी गृहं थारी मत जाणी ॥ ७ ॥ रागो  
भगो सुनो राजा जी ये ही बाल भन पंगवो ॥ रुकमइयो थारी पत राखे  
बैठा बैठा देखो ॥ ८ ॥ राणी भगो सुगो राजा जी थारी बात न भाई ॥

जीजोडेहात ॥ करजोरिविनीकरांसुगौनरेइवरवात ॥२॥ रा  
गमारु ॥ सुगौनरेइवरवातहमारीब्याहतगोबुधराखौ ॥ भलीबु  
रीभैरहो निरालाबोभकैवशसिरनाखौ ॥१॥ रुकमइयौअतिसूर  
खराजाकहोसूनीनाहिमनैकुलअभिमानबडाहिंराखैबदभेदन  
हिंजानै ॥२॥ असुरतणादलउपरहरख्योछाड्योत्रिभुवनराइ  
पूरणब्रह्मपदभकेस्वामीजिनयहसृष्टिउपाई ॥ ३ ॥ रुकमनीब  
चनादोहाबंध्युमातमानीनहीं, पिताकहीसोबात। कृष्णतजोशि  
सपालको, पाणीगहणाकरात ॥१॥ रुकमइयाकीबातसुन, रुकम  
गिचलीरिसायानैनभडआसूपडे, सरवरन्होवराजाय ॥२॥ क  
हतौनीरप्रवाहल्यैकेआवैगोपाल। प्राणतजूयाबीरपै, नहिंपरगु  
शिसपाल ॥३॥ रागमारु ॥ सावराकीबडनीजसहेल्योसबमि



लज्हाँवशाचाली॥रुक्मकंकभजनकपगानेवरबाजेसुघडसख्यौसैगहा  
ली॥१॥ औरसहेल्यौरातीरौरुक्मभणिबीचपधारी॥जबजल  
मांहीडुबगालागीआदकियागिरधारी॥२॥ मुजापकडहरिबाहर  
लीनीयाकाईबातबिचारी॥कौनदेशमेंजनमतुह्यारोकौनघरां  
अवतारी॥३॥ कुंदनपुरमेंजनमहमारोभौवधरांअवतारी॥ना  
नीखीवगामायसौलगवणीदादाजातपैवारी॥४॥ वाचादेहभी  
वकीकैवरीजबथेधरांपधारी॥ बाचातौम्हेंजबहींदेऊरूपचतुर  
भुजधारी॥५॥रूपचतुरभुजधात्र्याहारिनेशोभाअनंतअपारी  
औरौतौधुडलासोहैकृष्णगरुडअसवारी॥६॥ शिवबाचाअरुब्र  
ह्माबाचाबाचाकृष्णामुरारी॥ जनमजनमकासाहबमेरोहूँअरधां  
ग्याथारी॥कैहूँकृष्णजीसुगौरुक्मभणीथेतौसुसिरहीज्यो।माबे

प्रह्लादबचायो॥ उग्रसेनपशकिरपाकीनी राजाकरबैठायो॥ ४॥  
दोहा॥ भगवतजानिहारिअवतरे, राजादशरथधाम। परणीसीता  
पैजकर, धनुषचढायो राम॥ १॥ रागमारु॥ धनुषचढाय किया  
दोयकुटका राजासबमुखजोहे॥ सुरनरमुनिजनरहेअचभेब्रह्मा  
कामनमोहै १ रावणकादसमस्तकछेद्याकियोबिभीषणराजा  
परशरामच्छनीबंशकट्याशस्त्र अवधपुरसाजा ॥ २॥ बारा  
हूरूपहोयपृथ्वीलियायौजागैसकलजहाना॥ मच्छरूपहोयवेद  
निकारयाब्रह्माकरबखाना॥ ३॥ वावनहोकरपृथ्वीमापीबल  
पातालपढायो॥ नृसिंहरूपहोयहत्योहरणाकुस जनप्रह्लाद  
बचायो॥ ४॥ जहांजहांभीरपरीभक्तनमैवहांआपचलिआयो॥  
पद्मभरणेबुद्धाअवतारी बहुताकामबनायो॥ ५॥ रागसोरठ

तालठूमरी॥ राजा बरेहृथ्यो कारौकानौ ॥ टेक ॥ जानौ तुमारी अ  
कलरावजी वृद्धसमय निषछानौ ॥ १ ॥ साठि बुद्धिगढ़ि अबधौ  
कीपुत्र कहै माभानौ ॥ २ ॥ वृन्दावन में धेनु चराई सांग्या माहि को  
दानौ ॥ ३ ॥ भटकता फिर्यौ गो कुल गालि अन्न में कै सो राव बखानौ  
॥ ४ ॥ अवहीं लजो राव हठ अपनो लोग है सीधरानौ ॥ ५ ॥ अरि  
भयमान वस्यौ सिंधु में वौ भहां सुं नहि छानौ ॥ ६ ॥ यों शिसपाल  
चंदेरी को राजा लाख गढा कोरानौ ॥ ७ ॥ उनका तजौ गवाल धावे  
ते लाजने कउर आनौ ॥ ८ ॥ ब्याहन आबै चंदेरी धरा पति यह तुम  
निश्चय जानौ ॥ ९ ॥ पदम भणै राणी यै भालै थे मानौ मलमानौ ॥  
॥ १० ॥ दोहा ॥ राणी कह राजा सुशौ, येही अरज महाराज ॥ तुम  
बैठा भाला भजौ, कुंवर सुवारै काज ॥ १ ॥ राजा सूरायी कुंवर मं

टाकोइमतौउपावैकागदबेगीदीज्यो ढकहैरुकमणीसुनौकृष्ण  
जीयायेभलीसुनाईलगनसांकडेसावोदैवैकागजपहुँचनार्इ ९  
कागदलिखमिस्सरनेदीज्यौ येकमजलआयरैसी ॥ येकघडी  
औरयेकरातमेंकागदआयरदेसी। १०। बाचादेयभेंवकीकैवरी  
रंगमहलमेधार्इ ॥ औरसेहल्यां कबकी आई तेक्योंवारलगार्इ ॥  
। ११। जलमेंमातान्हान्वणालागी आगथेकृष्णमुरारी ॥वाँदखत  
बाहरनहिंनिकसी लाजकरीअतिमारी ॥ १२॥ फिटफिटहेह्यां  
रीबार्इरुकमणीकुलकुंदागलगाथौ ॥बडाघरांरीबेटीहोयकरजा  
यगवालबतलाथौ ॥ १३॥ फिटफिटहेम्हारीमायसुलखणी ॥ उ  
ठउठजायपरांरी ॥ पदमभयेंप्रणामौकहरुकमणा म्हारौबरगिर  
धारी ॥ १४॥ दोहा ॥ पंडितबेगबुलाइया, लीन्हानिकटबिठाय

लगनलिखाव राजरानीकांसौधवनाय॥१॥ रागमारू॥ सगला  
दोषनछोडौजोसीनिरमनसावोकाढो॥ पत्रीदेखरपाटौमांडोव  
डीमुहूरतसाधौ॥ १॥ जोसी भगैसुनौरानीजी निरमलसा  
हौकाढ्यो॥ इगसावामेंचकनहींपिगा सुकनास्वामीआडौ॥२॥  
दोहा॥ कुंवरकहैमंत्रीसुनौ, रावबुलावोतेज॥ लगनलिखा  
योवाइराजको, देवाचैदेरीभेज॥१॥ रागमारू॥ मंत्रीभेजदिये  
हलकारोसुरसतभाटबुलायो॥ रुकमकुंवरजीयादकियाछैसुन  
तनचनउठधायो॥१॥ सुरसतभाटसबैलोआयोचौरपदारगुदरा  
यो॥ जायसमामेंमुजरीकीन्हौटीकोहातधरायो॥ २॥ बाइरुक  
मणकोलगनलिख्योछै नपकोभतीसुनावो॥ जावौगुपतकहौम  
तिकिगनेतीखाखडनैधायो॥ ३॥ बिसटालासंकामनहींछैशि

शुपालेकरदीज्यौ। कहपदमइगौकैवररावसुअरुमुखवचनाकी  
ज्यौ॥४॥ दोहा॥ दीकीडाहलतेडियौ. पुरभेंमंगलचार ॥ राजा  
भौवअरुखकमणी, दोनोकरेंविचार ॥ रागमारु॥ बोलेरुक्रमण  
संगुमहाराजांथधान्यौगिरधारी ॥ रुकमइयेराणीडाहलसूंक  
रीसगार्इम्हारी ॥ १ ॥ बोलेराजासूबाइरुक्रमणपरणास्यांबन  
बारी॥ छप्पनकोटयादवसंगआसीवलदाऊहलधारी ॥२॥ तैती  
सकोटिदेवताआसीशिवनंदीअसवारी ॥ शिशपालाकीसैन्यां  
मारिभूकोभारउतारी ॥३॥ भक्तहेतधरेअवतारौदासजांणकर  
आवै ॥ सबलानेछोडिगिरधारीअबलामानबधानै ॥४॥ दुष्टाने  
तौकालौदीखैभक्तौभूधरगोरौ॥ पदमभरणौभीषमगुंभाखैवरबन  
वारीतोरौ ॥५॥ दोहा ॥ सुरसतभाटचढाविथा, तुरिअमोलकआ

गा ॥ पवनजबेगउताबला, बेगबेगापिलौगा १ रागमारु ॥ तु  
रीपलागौबेगकरीनेवाटौविमलनकीज्यौ ॥ बटवालयासेवातन  
कीज्योबेगाकागददीज्यो ॥ १ ॥ सुरसतभाटचंदरीनेचल्याफू  
ल्यौ अंगनमार्ह ॥ बिधवानारहुसकतीकन्यासोहीआडी आई ॥  
॥ २ ॥ तिलकविहूणौमिल्योपांडियाउरधाकेसौनारी ॥ मालमु  
कदमौमिल्यो चौधरीऊधेघडेपनिहारी ॥ ३ ॥ मुंडमूडियामिल्या  
मोडियाबिनमुद्राकाजोगी ॥ छुरीमारगतराडा ॥ मिलियासाम्हौ  
मिलियासोगी ४ ल्यालीजरखंडूडियाभिलियाखोटासुगनखं  
वारी ॥ सुरसतभाटवाटमैंऊभौलीन्हौसुकनबिचारी ५ इतरा  
तौ उगादेआख्यादेख्याऔ सुग्याभीकाना म्हारे घरकुशलर  
हीज्यौपडौ बोंदकीजाना ६ यतौसुकनपालसबहुवाजायर

करसैकाई। सुरसतसुकनशोचमनमाहीं मतलब अगलौनाही  
७ दोहा॥ सुरसतसुकनबुराहुवा, चंदेरीकीओर ॥ बांवीबोलै  
कौचरी, फोहीकूकेभाश। १॥ रागमाखतखतचंदेरीजायरपौच॥  
भीतरभेदजनायौ॥ कागदलेडाहलकरदीन्है। दूतकठासूआयौ  
॥ १॥ दसहजारहेवरलिखभेज्या कागदरुक्रमपठ्यौ ॥ कुंदनपु  
रमेंकैवरसूरमोंसबहीशीसनवायौ ॥ २॥ कुंदनपुरकाटेवासुनके  
फूल्यौअंगनमायौ। पदमभरणेंप्रणमेंपायेलागूटीकोरुकमपठा  
यौ। ३। दोहा। कागदड्डाहलबांचिया, मनमेंकियौविचारयहका  
गदनहिंभीवरा, कागदलिख्याकैवार १ रागमाख ॥ राजाभीबजी  
ग्वालनसरावैकैवरसरावैथानै। सांचीबातकहाम्हांथानेकागदलि  
खियाछाने। १। रावजरासिंघतेडियाजीभेलाहुवासबआइदोनू



राजाछत्रपतीजबबैठातखतबिछाई २ विसटालाकीबीनीजी  
सुनौनरेइवररावौ।कुंदनपुरनिहचेजुधहोसीपाखरसेलसँभावौ।  
॥३॥ जरासिंधजबयैउठवोल्यासुगाल्योसमामँआरी॥यादवक  
टकबिडारांपलमँपरणाभौवकैवारी॥४॥ उमरावांजबवीडोली  
यौपाखरसलेसँवारी॥इतनासुनकरदभबोषजीआयेसमामँ  
आरी॥कुंदनपुरकोदेवोआयोसबकुँवौचसुनावौ॥पदसभगो  
प्रणमँपायलागैजोशीबेगबुलावौ॥६॥ दोहा॥ डाहलजोशीले  
डियो,लीनोतुरतबुलाय॥कुंदनपुरकीपत्रिका म्हानेवांचसुगा  
या॥१॥रागमारू॥सतकाबचनकहासुनराजा निगमहोयनहिंभु  
दा॥ऐसीमुहूरतलिखीपत्रिकाआवौभागअफूटा॥१॥ जोशी  
कहे सुनौराजाजिकहेयोहमारीकीज्ये॥सुतकयोगमँसावौलि

खियौ आगे पाँवन दीज्ये ॥ २ ॥ डाहल राजा बल कर बोल्यौ, जोशी  
थे घर जावौ ॥ पदम भरणे में पाये लागू जोशी और बुलावौ ॥ ३ ॥  
दोहा ॥ पीपा जोशी तो डिया, रंगत खत बैठाया ॥ कुंदन पुर की पत्रिका  
हमै नैवाँ च सुनाय ॥ १ ॥ राग मारू ताल छपको । पीपा जोशी  
टेवावाँ च सुन रे डाहल भाई ॥ वोतौ आप कृष्ण की नारी थारै लाय  
कनाहीं ॥ १ ॥ कथाने राजा करो सागती कथां नै जान बग्यावौ ॥ शिषि  
पंचक में लिखा पत्रिका फेराले राग पावौ ॥ डाहल राजा बल का  
बोल्यौ जोशी थे घर जावौ ॥ पदम भरणे में पाये लागू जोशी और  
बुलावौ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ संसन जोशी तो डिया, रंगत खत बैठाया ॥ कुंदन  
पुर की पत्रिका, म्हानेवाँ च सुनाय ॥ १ ॥ राग मारू । पोथी खोल  
रपाटौ मांडौ घडी मुहूरत काढौ ॥ यह सावामें चूक नही है सकुन

रयामहीआडौ॥१॥सुंदोससावाकरछाँटुरासांवर्गमिलार्ह॥कं  
वररावकाकहंजोडवानवग्रहकरोसहाई॥२॥लातपातयामि  
नउग्रयुतीवेधभीनार्हीं॥कांतिसाम्ययेकार्गलदीखैभूत्युपंचक  
कंमार्हीं॥२॥संमनजोशीमनमेंरुडपैशिशुपालौबलखावै॥जे  
हूसावोखोटोकहसूंगरीवारकढावै॥४॥थालौडीपरभदराअट  
कीपतराखेम्हारोसाई॥पदमभगेंजोशीमनसोचैफरालेणानपा  
ई॥५॥दोहा॥रावरसौडपधारिया,लीन्होंअपनेसाथा॥कुंदनपुर  
काभाटने,मलाजिभावौभात१रागमारू॥बहुव्यजनपकवान  
मिठाईमिसरीखीरमिलानी॥कुंदनपुरकासुरसतभाटकीखुबक  
रीमिजमानी१घुडलापांचसातदसदीन्हामलोमनोरथकीन्है  
पदमभगेंशिसपालभाटकोमुखमांग्यौसोइदीन्हों॥२॥दोहा॥

रावरणवासपधारांरयाभाभीसुबतलाय॥टीकोआयोरोमालरो  
थारेमनकाईभाय॥१॥रागमा॥ सुरसतभाटमंगलेआयोडो  
ड्यांभीतरधायो ॥ कुंदनपुरकोटिकोआयोभावजनेफरमायो  
॥१॥भाभीभगोसुगौमहारादेवरयाकांइबातउठार्इ॥नांवजुनहो  
भीवराजकोमहारमननहिंभाई॥२॥भाभीभगोसुगौजीदेवरकुं  
दनपुरमतिजावौ ॥ इणअवसरथेरहौजीवताफेरहिरावकहावौ  
॥३॥यपीयरउठजावौभाभीमहेकुंदनपुरजास्यां॥ भीषमकैवर  
परणघरल्यावांथोरपगालगास्यां॥४॥महेपीयरतौजबसेंचाल्या  
जबथेजातबणावौ॥ अबहीबातसमेटोदेवरक्यंथेलोगहैसावौ ॥  
॥५॥आतुरहोयशिशुपालोबोल्योकडवाकाइसुनावौ ॥ छप्पन  
कोटिबांधकरलाऊँतौमनेरंगचढावौ ॥६॥ थारारंगहैतबहीजा

गाजबधेपरणपधारौ ॥ सौवनचुडलौघरघरपडसीअपजसहो  
सीथारौ॥ ७॥ वाअरंवंग्याहरिकीलक्ष्मीदेयेवरमातिजानौ ॥ ह्मा  
रीकहीबुरीमतमानौलाजखोयघरआवौ॥ ८॥ बहुतेककहीयेक  
नाहिमानदिम्मघोषराजारौ। पदमभरणौभाभीयूबौलभलोनहो  
सीथारी॥ ९॥ दोहा॥ भाभीकासुनकरबचन, लागीउरबिचलाय  
रोसभन्योपीछौफिन्यो, मनानक्रोधसमाय ॥ १॥ रागमारू ॥  
भाभभिभंगुणअधिकाजागयाजदभैंमिलवाधाया ॥ कुदन्पुर  
भीषमकैवरीकाटेवाबाचसुणाया ॥ १॥ सुणकरटेवारासभरी  
अतिनैनानीरबहाया॥ होतबहोणहारकाईथारौइसढावचनसु  
नाया॥ २॥ रंगमहलेशिशुपालपधान्याउत्तरतापछिताया ॥ व  
भीनुगरीसेतीपूछ्यौकढवाबोलसुणाया॥ ३॥ इणनुगरीसंबोला

नाहींकरस्यांसनराचाया॥पदमभगेंडाहलअभिमानीक्रोधम  
रेभरधाया॥४॥दोहा॥डाहलकोमनऊमग्यो, जरासिंधपैजाय॥  
कागदआयोविद्रुमदेशते, थानेकिस्योसुहाय॥१॥पंडितह्मांनेयु  
कहैटीकोद्यौफिरवाय॥भाभीह्मांनैयूकहैजास्यौतौपतजाय॥  
कहोतोटैवौकेलल्यांकहोतोद्याफिरवाय॥जरासिंधराजाबली  
तुमहींकरौसहाय॥३॥रागमारू॥जंबेजरासिंधएसेबोल्यावौ  
ल्याछुगारवाई॥उठकरपांवघन्योधरणीपरतबधरणीथरराई१  
शोंदिशामेंचीठीभेजौद्यौरिनंगोरडुकामलीभांतपरणायरल्या  
ऊंतौरजरासिंधबंका॥२॥द्वीतकलमकागदमैगवावौमंत्रिसिबेबु  
लावौ॥गादीरूपतस्वतकुलमंडुनजरासिंधपैआवौ॥३॥जंबेजरा  
सिंधयेसेबोल्याबोल्यागहवरदानौ॥चड्ढुदिसामेंकागदफेरान्यु

भठआवैजानौ ॥४॥ चं। परकरौ बेग। स्वतभेजो। कोकोरावहुभागा।  
 येकलाखसाढ्यासां चरियां छूटा। पवननबिवायां ॥५॥ भौजां बियाणी  
 परेवांथानेलिखियाजा। यवचाबौ ॥ रविकेनीचे। बिजमढवाल्यान  
 बखंडा। फिरजावौ ॥६॥ रामराभोतोछेलिखज्यौ। बेग। लिखौ। अ  
 सवारी ॥ येअवसरए। सोहीजा। योथानेसरमहमारी ७ कागादली  
 खौ। वाचतां। पहलीकानें। घणीवखानौ। जीभौ। उठेहरचलूंचदरीइत  
 नीहोंकरमानौ ॥८॥ सा। थरलनासबहीचढआवौ। भलीविणावौ। सा  
 जा ॥ पा। थचलंता। पहुँच्यारहियौ। लिखीजरा। सिंघराजा ९ दोहा  
 दीको। आयोरूकमालरौ। गढपति। या। रंगचाव हँसिहँसिमंडिराज  
 बीबंधूने। सिंघराव १ रागमारू बंधूने। सिंघरावलियावौ। थदल  
 थंभनआवौ मंत्रीने। म्हराजकहतहै। हमेसरीखेजावौ ॥ १ ॥

सिंधमंत्रीजबचालियाजीभेट्यापवनबिवाना मानसरीवरपा  
रकेराजाराकरेसुरताना २ करसुलतानसहीकोराजासिंध  
मंत्रीचढजावौ सबलतेजदंतीधरराजासूतोजायजगावौ ३ मं  
त्रीजायादियापरवानाअनतउछाहबचाथौ कुंदनपुररुकसाक  
वरकोटीकोलेभटआर्यौ ४ टीकामेंदुबध्यासीदीखेनावभीवर  
नाही ॥ यांसेतीसनमंधजकीताह्मांसूराजीनाही ५ सुनमंत्रीका  
बचनजयहडायेंदंताधरवौलै । रविकेनीचेनवखंडमाहीनहिंसी  
सपालैतौलै ॥ ६ ॥ चांपरकरैबेगचढबाकीसवै सैवारौ हाथी ॥  
नोउंखंडामें, जाधरराजा चढयादंतधरसार्थी ॥ ७ ॥ दोहा ॥ नाद  
हुवानवखंडमे, चढियादेसविंदस ॥ नौबतखानावाजिया, थरहर  
कंप्यासेस ॥ ८ ॥ रागमारू ॥ कंप्यासेसमहेरागिरकंप्याछिपगये



५ ॥ कं कन देसन रे कवर चढि आदलां वारन हि पारा ॥ १ ॥  
 गानं डल में नौ बतवा जै बादल बरणा नै जा ॥ पहर कवज आग्रुध  
 करधारे चढे दंता धर जा ॥ २ ॥ बोलन की बबहु तंगु जारा कामागो  
 सब ही मो है ॥ तरवता ऊपर नचे ताथ फारंग बराती सो है ॥ ३ ॥ हिंदल  
 तादरवार पंहुता बैटियारंग अपारा ॥ छत्रां छत्र पती मिल सो है ॥ अ  
 विरदां कामारा ४ ॥ वणे चाव गिशु पाल ऊठ्यो तड भड ऊठवा सारा  
 जरा सिंध सेवा थां मिलिया जा जमहुवा जुहार ॥ ५ ॥ डेरा आग्र  
 बाग में दीया दंत धारा केरा जा ॥ पदम भंगे अग भें पाय लागू बाजे  
 नौ बतवा जा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ स्वत पंहु च्या शिशु पाल कावौ चै  
 चतुर सुजाण ॥ देश वंगाले गढ पती हुई पलाण पलाण ॥ १ ॥ रागमा  
 रू ॥ हुई पलाण पलाण वंगाले करडा कागद भालौ ॥ दखै काक अरा

वैसारी चंदेरीनेचालौ १ मंत्रीभणैवंगालेशजा बुधकर्नात  
विचारी॥उनराजाभारतलिखभेज्या जान दूसरीत्यारी २ सु  
शाकेमत्रीबचनयेहडारैसभस्थारीसानशिशुपालापहली जंग  
भालांतौबंगालेरान ॥३॥ग्यारहलाखवांगभरवाया आयुधअ  
धकाभालौ॥बडेसाथचंदेरीचालौ दलदेखगनेहालौ ॥४॥सत  
राकुली असुरचढिछुट्याहुदादसोंदिसमेला॥चकवचढयाचौस  
रा बाज्याहुवाबंगालभेला ॥५॥ डेराआयदिवानांमैमिलकर  
बैठाराजा ॥पदमभरणेप्रणमैपायलागुं बाजैनौबत वाजा ॥६॥  
दोहा ॥ घोडागूघरघुमैदौवांदलमैसार॥कछुभुजकोचकत  
चढयोकुम्भकरणआकार ॥७॥रागमारु ॥ कुम्भकरणआका  
रखंडकोराजरीतठकराई॥अवडवाडियांआधारगुमानीदम्भघोष

राभाई ॥ १ ॥ ताजिखीचेलखलेंदारी हिरनूहीरहजारी ॥ कछ  
भुजकेराजाकीशोभा अजनबणी असवारी २ हिरणाहीरहजा  
रीछूटा अवलकखंदअमाना ॥ पृथ्वीबीजसमौदलथंभनचढ्यारा  
जकुलदाना ॥ ३ ॥ सबदल आनामिल्याचंदेरी दानाबैटेबधाई ॥ क  
छभुजकाराजासूबाथांमिल्योजरा सिधशई ॥ ४ ॥ डेरादिया  
बागकेभीतरकच्छभुजकेराजा ॥ पदमभगोप्रणमैपायेलागूवा  
जैनौवतवाजा ॥ ५ ॥ दाहा ॥ सांचरियादलसूरवां, कोटिगयंदाभा  
र ॥ सांवतसंगलदीपरा, चढयाजानसियागार ॥ ६ ॥ रागमारू  
चढयाजानसियागारजुगतसूं चारूंखूंटाअवाजा ॥ संचरचढया  
चंदेरीसाम्हां सिंगलदीपकाराजा ॥ ७ ॥ मदांवीचफिरदरियाई  
असलजातकाघोडावाजीसीसभपेटाघालैंडांगभरेजलहोडा

॥ २ ॥ माहीं और मुरात बसो है कोई चढिया कोई पाला घोडा  
ही सधूं मता गा जै सो लेला खसूं डाला ३ कूदे मल्ल फलंगं मारे हा  
त गगना दिस घालै ॥ कछिया काछ अजब अडबडता खवौ खसी कर  
बालै ४ ढलै के ढाल फरु के नेजा दल दानै का आया ॥ देखौ ती  
न दिवस चंदेरी दौनौ अंतन माया ॥ ५ ॥ डेरा दिया बाग के अंदर स  
गल दली पके राजा पदम भणे प्रणमै पाये लांगू वा जै नौ बत बीजा  
॥ ६ ॥ दोहा ॥ मारु देस मंडौ वरा, मुरड चल्या दल पांश ॥ पवन तु  
री पाखर धर्या, जंगी हौ दाभांश ॥ १ ॥ राग मारु ॥ जानी जोर  
भला चाढ छूटा बजे नाद घण घौरा ॥ उडता पंछी उडन न पावै राजा  
चाढ्या मंडौरा ॥ १ ॥ ठिमा ठिमा नै वर ठम के पवन रूप के काणौ  
हस्ती ऊपर फेव अंबा डी चढे राज सुलतानौ ॥ २ ॥ अभा माहिं फ

रुक्मिणीसमिलचटिधायादलभजनदानोकुलभंडनच  
ढचंदेरीआया ॥३॥ डेरालियावागकंअदंरमंडोवरकराजा ॥ पद  
मभगोप्रणमंपायेलागूवाजेनौबतबाजा ॥४॥ दोहा ॥ हौलरभई  
दिवानमें, चाढिआयेरमभूल ॥ राजाचाढ्यो कनोजिको, सिंघाबद  
नअबधूल ॥ १ ॥ रागमाख ॥ वेअवधूलदलौपतिराजा उमदाजान  
वनार्हे ॥ सौचरिचाल्याचंदेरीनेदलचाढलौवारनलार्हे १ दलपंद  
लसंगलइवार्हेसीअंधकारधुधकारा ॥ चंदेरीकनौजाबिचालेबग  
गयायेकलंगारा ॥ २ ॥ कौकडजायसबीदलपहुसौड्यावेगपठा  
या ॥ जरासिंधसूजायरकहियौसिंधरावचढिआया ॥३॥ लड  
भडभईवडेदरवारौसबहीसौग्हाँधाया ॥ रंगमहलसिसपलडाह  
लकेसिंधरावचढिआया ॥४॥ आदरमौनबहुतसाकीन्हा भुजा

पकडबैठाया॥आदीगादीछाँडजरासिंघतखतापरबैठाया ५ डे  
रादियामहलकेमाँहींकनौजपतकेराजा॥पदमभगेंप्रणामेपाये  
लागैबाजेनौबतबाजा॥दोहा-मरहटरामेवाडिया, मौरीभँवर  
सुजंग॥चढ्यासिचानेकेहरी,हुवाहमेलारंग१ रागमाह ॥रंगज  
आमौलालगुलाबीचढ्याजाँनरामौभी॥तडमडियाआयासब  
राजाजानमलेरीसामौ ॥१॥ पैडेपैडेनचेउरबसीचलतीकरैनि  
हारा॥देववधूमनोचढीबिवानौगावैमंगलचारा॥२॥बाडीबाग  
हवाईछूटउडतौचलेहिमामौ॥जुरासिंधमेवाडपतीकीहोईहुई  
सलामौ॥३॥डेरदियाबागकेमाँहींमेवाडपतिकेराजा॥पदमभ  
गेंप्रणामेपायेलागैबाजेनौबतबाजा ४ दोहा॥गिरवराँगिरिसा  
गरौतारातखततंबौलखतपोहोच्यो॥सिसपालका, दूतगयारम

कौल ॥ १ ॥ रागमाखुदुतां जायदिया परवानादुमघोषराभारी ॥  
थांचाल्यांसिरबंधेसेहरोबेगकरो असवारी ॥ १ ॥ लिखिया बा  
चेरावडाहलरादिनदोयपहलीआज्यौ ॥ मांटेजानदूसरीआसी  
जुधकौसामौलयाज्यौ ॥ २ ॥ मिसलतहुईरावदरबांचढगौरा  
बबडवंका ॥ चहुदिसचढीचावरीफौजौहुवानगरैडंका ॥ ३ ॥ च  
ढचकडौलचंदेरीआयातारातंबौलकेराजापदमभगोभगोमया  
यलागवाजैनौवतबाजा ॥ ४ ॥ दोहा ॥ कुलीछतीसूसाहनी, दलानां  
वारनाहिपार ॥ कदमीकाराजाचढया, फौजांबहुतासिंगार ॥ १ ॥  
रागमाखु ॥ मंगलदेसमल्हारकुलढीमंजलदेसमल्हारा ॥ सातत  
खतलेकेअवछूणीचढियाक्रोधअपारा ॥ १ ॥ कावलऔखंडा  
रकराजादेसदेसकिलगाणा ॥ खमसुंमनैतासवदीन्हाछाडच

लेकमठाणौ॥२॥प्रीयादेसबुखाराटौकापरबतराजसभाका॥सा  
तूपतीसिंधकाराजासबदतणीलेसाजा॥३॥उजवकचढ्याला  
खलेदूणांसौभारंगसभाका॥बजेतुमालफरूकेनेजाहुवादिख  
णदिसहाका॥४॥यंकरताचंदरीआयादलदानांकाछायाजौज  
नसातजुरासिंधराजातखतछौडकेधाय॥डेरदिदामहलकेमा  
हींतारातंबौलकेराजापदमभरणेंमपायेलांगंबाजैनौबतबा  
जा॥दोहा॥सिंधसिरीसर्वओपमां, सकलगुणांगुणसारा॥तखत  
चंदरीराजवी, सैणांलिखूंजुहार१॥रागमारुसैणांलिखूंजुहार  
राजवीसबमंत्रीजुडआवा॥नतासाथसरमलिखभेजोगढमुल  
तानपठावो॥१॥मतबालाजिसिंधकेराजा, जंगजीतभिडदानां॥  
बखतभांगाराजारजपूतापुरपाटनकारानां॥२॥चंचलचहनप



बनहुँदकेरासाथयेहढावाना॥ मौकलचौपचल्याचंदेरीखतजा  
यादियादिवाना॥३॥ नलचारौलदियादरवाजासिध्दसिरम  
नाही॥ जुरासिधिसपालनिखीहेराजाघणोंबडाई॥४॥ अत्र  
केकान्हकुंदनपुरआवैनीकाँअवसरआयो॥ कंसबैरभिडवाल्या  
सेताराजाभौबजगायो॥५॥ सबहिसाथमतवालाल्याज्यो ज  
बलगतुमरिद्वार्ह॥ पायचलंतापहुँच्यारीज्यौनिखीजुरासिध  
राई॥६॥ दोहा॥ सिधबलीराजाभगौ, भलीसिंगारोजान॥ गा  
देहीकसमस्तकी, तपैबगतसुलतौन॥१॥ रागभारू॥ तपैवगत  
सुलतौनराजवीसंगचढ्याबहुदानों॥ ऊँभ्रांणछिपेरवितौई  
फेरदियापरवाना॥१॥ दसूँदिसाकाराजाचलियागढबकाउल  
गाणा॥ दानांद्वारदिवीचकबंधीफिरगयाडाकविवाणा॥२॥ मं

गलदेसमुलकमलियागरिषौचैदेसपलाशौ॥राजाचढयाहुकम  
कैताबेसातलाखवीवाशौ॥३॥जंदुदीपगुजराततलेठानवसतने  
जाधरिया॥मानखानपोहलाभकुलंभीभीलभूपसौचरिया॥  
सेसाजलभैपालसिमरीरूपखंडकाराजा॥करणाटकडुंगारपुर  
दानौहुवाबरातीसाजा॥५॥धाराद्रोणतेधुरमंडणकौकनदेसग  
लारौ॥स्वेतबंधरामेइवरराजाअरुबाराहमलारौ॥६॥आमाने  
रअकलंदअखंडोअरूपून्यौपरबंधी॥दिलीदीपसुनपतकाराजा  
असुरौजानउमंडी॥अनागरचालनिमंदीराजाखानदेसमुगला  
ना॥कासीरूपचंदकाराजानवलदेससुजजाणा॥दहतनांपुरला  
गिरनेशुमानरिक्तवीजराराना॥मानौस्यामसेरपरवतसेचढया  
हुसरादाना॥९॥अलवरियाअंवालदेसशडाकीडागादीसे॥मद

रासीबंगालीतिलंगादांतपंजाबीप्रीसै॥ १०॥ दानांदलडाहलकं  
 भावैधरतीधरेनपावें। जंमबंधकाजौरावरराजाबखतभांग्याकेता  
 वें॥ ११॥ हबसी। और। हिंडनी। काला। जंवर। भंवरा। आया॥ सिंधी। अर  
 बुझाडि। चाढियाया। भंवरापटाबलखाया१२॥ सांत। रहुईसहसनी। कौ  
 दी। गाडी। जान। सिंग। गारी। असी। लाख। हलका। सूंडाल। राततणी। अ  
 वारी॥ १३॥ सायर। भालसमंदज्यऊठे। घटा। घूमती। आई। औला। ऊयें  
 गौला। औल। रिया। पडी। नगारां। घाई॥ १४॥ चंदर। सूर। छिप्यार। जसेती  
 हौ। गईरात। अधेरी॥ चिवरा। दिया। रावडा। हलने। मौ। कल। चल्या। चंदेरी  
 ॥ १५॥ चावकरे। चंदेरी। राज। जुरा। भिंध। मनभाया॥ नवजौ। जन  
 भेंजरी। बाफता। जुरा। सिंध। निछुवाया॥ १६॥ सतर। कौट। दरवानी  
 चाकर। बखतभांगे। बैठाया॥ राजाकरे। जं। नरा। मोहोला। चौपदार

गुदराया ॥ १ ७ ॥ जरासिंधसेराजालखिया येकघाटसौआया ॥  
पदमभरणेप्रणमेंपायेलागुं देवसंयोगिमिलाया ॥ १ ८ ॥ दोहा ॥  
मदछकियामाताफिरे, जांगवाखडाभूत। कलहजवाज्यांकाह  
ला, जाणकजमरादूत ॥ १ ॥ अधिकउम्हाऊअचपला, सायरजि  
रमासपूत। भटकांसूबटकाहुनै, थलबटकारजपूत ॥ २ ॥ अथशिशु  
पालकोरनानउबटणाकीकथा ॥ दोहा ॥ चंदनचौकीउबटणा,  
दुलेहनाशिशुपाल ॥ निनागुनेराजाजुडया, भलकेमोतिचन  
माला ॥ भावजमहलपधारिया, घूमतडाशिशुपाल ॥ मदमातौ  
इमभाखिगौ, थारउठीकांइभाला ॥ २ ॥ रागमारु ॥ व्यावउछाव  
संगलनहिंगावोमुखडौकयंमुरभायो। म्हारितौशिरबैधेसेहरीथा  
रेमननहिंभायो ॥ भावजभरणसुगौरायजादाकुंदनपुरमतिजा।

वौ॥म्हासूंछोटीबहनसुलखणीं तिन्हेंपरगधरल्यावौ ॥२॥ म्हां  
नेंटीकोरुक्रमालपठायौकीन्हेंघणींबडाई॥ आयालगनभैंकिं  
णीविधछोडांम्हांरीहैहलकाई ॥३॥ अबलगकछुहुईनहोसीचा  
येकरोहलकाई॥ जोकुंदनपुरचढकरजासो रहेंनमानवडाई॥रु  
कमणिंकोवरकृष्णसौवरोत्रिभुवननाथभरणींजैथेकअुंदवरजा  
नबणायै कांन्हकैवरपरणीजै ॥५॥कालेकृष्णकीकरौबडाईसो  
कांइथारेलागौ॥दलदेखतडाहलराजाकोदौडपयादौभागै ॥६॥  
तखतचैदेरीरावकहावौ माथेछत्रफिरावौ ॥ बैधिमोडथेपाछापि  
ररयोक्हाबडाईपावौ॥ सुगहोदेवरबदबकांछांविनपरगया  
हौंआसौ॥बड़ेबड़ोभूपमरावो कुलकंकाठलगवसौ ॥८॥ब्रह्मा  
नेंसावनीसोहेइंद्रघराइद्राणी॥शकरनपारबतीसोहेकेसवकैवला

राणी॥९॥वाभीकहीबुरीकरमानीभलीनमानीकोई॥पदमभगो  
प्रणमंपायेलागूंहोणीहोसोहोई१०दोहा-वाभीकहशिशुपाल  
नेकुंदनपुरमतिजाय।देवरम्हारीमानल्यौ, अस्यौजानखपाय  
१ रागसोरठा॥स्याणांजाएयांराजावाभीथांनेसाणांजाएयांरा  
जा॥टेका॥छिप्यारह्याइतरादिनछांनेनीकांजाएयाआज॥१॥जो  
कोइसीखतुमारीमानैकैसेसेरवाकोकाज॥२॥आईसगाईकैसे  
मौडां जायजगतमेंलाज॥३॥बड़ाघरांकाजायाऊपनापूछ  
करांथांनेकाज॥४॥येसीबातविचारोमनमेंपाणींपहलीपाज॥  
॥५॥म्हांरौघरविख्यातजगतमेंयास्यौसैन्यासाज॥६॥जुधक  
रस्यौंकुंदनपुरमार्हीग्वाल्यौजासीभाज॥७॥पदमभगेंवाभीसू  
देवरहोणीहोसीराज॥८॥दोहा॥दुमनामैहलांकुतरथौ, वाभी

लडाशिशुपालरुमधुरैबगबिखमनिन्यौ, रोसभर्योरिसाला १।  
रागमारु। जबशिशुपालौ पाटैबैठो। भरद्वनतेलकरायौ। रंगमहल  
मेंकरेउन्नटगौ। सबहसि। जसैगायौ ॥ १ ॥ भूपणाबसनरतनकागाह  
गौ। दीखैरूपसवायौ ॥ बाँधेसेहरोवनडौ। बैठो। सारिसहरसरायौ ॥ २ ॥  
दा। सिखवासीलूणा। अवारंपंडितेबगबुलावै। पदमभगौ। प्रणामेपनि  
ल। गै। चामीमनानभावै ॥ ३ ॥ ब्रह्म ॥ पंडितजो। शिमिलधयां, मुहु  
रतलवनकढाय। मंगलगावैकाभर्यौ, आनंदवगौ। उछाय ॥ १ ॥  
रागमारु ॥ जरकसपागजरीरोजामौ भलकततुररौसोहै ॥  
रतनपदारथकेआभूषण। निरखतकामनमोहै ॥ १ ॥ शिशुपाल  
शिरबैधयो। सेहरोजानसबीजुडआई ॥ जरासिंधकहकरोसतावी  
कुलहै। बिगचढाईर कुलहै। बर्यौनिमितजान्यौको। भूरखमनह

रखावै॥पदमभरणेंपायलागंकुलकूकाठलगावै॥१॥दोहा  
नीकासीशिशुपालकी, शोभाकहनिजाया॥रतनजडाऊसहरो  
मोतियनलूबबगाय॥१॥ लूबजसोहिमोतियां, घुडलासोबनसा  
जा॥अणीचमकताज्युंफिरे, धूमतडागजराज ॥२॥ रागमारू ॥  
जबशिशुपालकीहुईनिकासीभावजउरीबुलावौ॥२॥काजरको  
म्हारोनेगकरावौआँखियनआँनअंजावौ ॥२॥ लूखीहोयभा  
वजयैबोलीखोटीबातविचारी॥ कायकोद्वरकजरोआँजूजगमें  
होयखूवारी ॥३॥ लछमीऊपरबांधसेहरोथामिलजाँनबनाई ॥  
इणमेंयकनजीतौआवैसूजीकोईबुराई ॥३॥ बेगमजातनहींग  
मथानैंकांइथेगवालबखानौ ॥ अदवेजातअहीरकोजायौनहिं  
कोइराजाशनौ ॥४॥ राजाभीवकोनावनहींछैकैवरजमेली



पाती ॥ याकैवरीथेपरणपधारातबहिसरबांछाती ॥ ५ ॥ कह  
शिशुपालसुगौबामीजीथेथारेपीयरजावौ । महाराजमैठौडन  
हींहैबगहणवेलजुतावौ ॥ जबथेजानबग्याइदेवरभहेमहारपी  
यरजास्यौ ॥ कुंदनपुरसूपरणपधाराँलाडोनिरखणआस्यौ ॥  
॥ ७ ॥ महेवरजाँथेमानौनाहींकारजरसीकाँई ॥ वाःलछमीहर  
कीअरधग्यापरणौरामडुवाइ ॥ ८ ॥ रिमभिमकरतीमहलौचढ  
गईरोसभरीउरमाहीं ॥ थेकुंदनपुरजावौपरणबारेकाजलसारू  
नाहीं ॥ ९ ॥ काँइबोलीबिषबाणीभावजकडवाबैगानभाखौ ॥  
बिनकजरैइपरणपधाराँराकाजरथौरौराखौ ॥ १० ॥ रागकाफी ॥  
बामीकुर्मरिगभरोदेवरनेसमभावैरे ॥ टेक ॥ भौवकैवरिकेरूप  
लुभानौवातौहाथनआवैरे ॥ १ ॥ त्रिभुवनपतिसौवरघालके

नाकोइजीताजावैरे ॥ २ ॥ चौमासामेंउडेआगिया पांखघणी  
फरकावैरे ॥ ३ ॥ मनचायेतोकरेउजारोसूरजखोडखुडावैरे ॥ ४ ॥  
कुंदनपुरसेभागरआवै मूरखमनपिसतावैरे ॥ ५ ॥ पदमभरणो  
प्रणमैंपायेलागूं भौतबीजघर आवैरे ॥ ६ ॥ दोहा ॥ बाभीउतरी  
महलसैं, देखजानकाभाया लाडगुबरशिशुपालनैं, बेरबेरसम  
भाय ॥ १ ॥ रागहवाकी ॥ बनडोखूबबगयोबनडाकीअजबबहार  
बनडो ॥ टेक ॥ दंतवकओररावजरासिंधिशिशुपालासिरदार ॥ १ ॥  
लटपटपागकेशूरियाबागौ फेंटौअजबधजदार ॥ २ ॥ पदमभरणो  
प्रणमैंपायेलगूंबाभीसूरमोंसार ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ मतकरहोदे  
वरनिकासीवहूंआवै ॥ नृजवासी ॥ टेक ॥ हलसेतोथारिरेखसैं  
वोरमूसलसेपधरासी ॥ १ ॥ राणीरुकमणिंकृष्णकंवरकीतुमैरक

बहुन आसी ॥ २ ॥ तुमहरिजि की हो डकरत हो कहँ मगहर कहँ  
कासी ॥ ३ ॥ जिनराजन को जो रत हो कामपड्या भग आसी  
॥ ४ ॥ बंधे मौर तुम पीछा फिरि हौं अहो कर जग हौं सी ॥ ५ ॥ बडे ब  
डे राजा मरवासी कुल कुं का ठल गासी ॥ ६ ॥ पदम भगो भाव जइ म  
भाखै पीछे हो पिस तासी ॥ ७ ॥ आराग सो रठ ॥ हट जा भाव जह टजा  
ये घट जाय लोमान तेरो ॥ टेक ॥ उनका न्हा की करौ बड़ाई नंद महर  
को चरो ॥ १ ॥ मथुरा माहं जिन मालियो है गो कुलहु बौ बडे रो ॥ २ ॥ स  
तेर बार को बदलो मांगं अब की अवसर मेरो ३ पदम भगो शिशु पा  
लौ बोलै अबही कल निवेरो ४ ॥ राग सो रठ देवर कयानें मूछ मरा डो  
थे भहारो कयौ मत मोडो ॥ टेक ॥ जब जा राँथे ला डी लया वो करो  
हौं धग गा जे डी ॥ १ ॥ वृजनंद को जु धाम में कूप है आँख मीच मत

दोडौ ॥२॥ मराकह्यातुमयादकरौगेजवडलटामुखमोडौ ॥३॥  
पदमभगोप्रणमैपायेलागुंनहकतामसतोडौ ॥४॥ रागसौरठ ॥  
बाजैछैजंगीढौलचंदेरीमेंबाजैछै ॥ टेक ॥ केसरियौवागौबग्यौ  
माथेबाँध्यौमौंडा ॥ ग्यारैलाखपालखीडाहलकेजुरासिंधसंगजौ  
ड ॥१॥ चंदेरीमेंपैचाग्रवाजैपडेनगराँठौड ॥ पदमभगोप्रणमै  
पायेलागुंचढ्यादिलगकी औंड ॥ २ ॥ रागसौरठकीलूर ॥  
पियाडरलागेम्हाराराजथैजायकरौलाराड ॥ पियाडर ० ॥ १ ॥  
पांचसंतमिलभामनीलेतमासपरसास ॥ सिंधरायनृपकीसुता  
दौडगईपिवंपास ॥ १ ॥ भागोलादीसेपरतकजीज्यँदूरप्रणमति  
बिंब ॥ कौणसूरधीरीधराजीवारुकमगिरणखंब ॥ २ ॥ हलधरड  
ठेहाककेजीकाँनलडेबलवाँन ॥ सिंधरूपहरिधारहूँकोपकडेध

जुनौन ॥ ३ ॥ जुरासिंघनरहसहीजीहारेनिंदाकूँआगा ॥ तुजकै  
दोषनराजवीजीउठीभावनीजागा ॥ ४ ॥ लज्याखौयघरआवरया  
जीसबदललेसीमार ॥ कुंदनौपुरभारतरच्यौजीकनकचूडकर  
धार ॥ ५ ॥ आसकरछैजोगायौजीसालगिरदमंडजाया ॥ शिवमा  
लाऊणीसुणीजीसौपूरीकरवाय ६ ॥ धाकाधाकणाकंभगयौजी  
कनकचूडकरधार ॥ देवरजिठायौबापडीजीपचहारीसबनार ॥  
॥ ७ ॥ राजाकरौनीराजवीजीनवलचंदेरीचंद ॥ पदमइसीभगवा  
नसूँजीकौजीत्यामतमंद ॥ ८ ॥ रागसोरठदेस ॥ येरीमतवरजौ  
नारभ्हौने ॥ ९ ॥ दोषनहींछैथौने ॥ टेक ॥ कुंदनपुरसूँकागदआयो  
भीवराजकेछाने ॥ १० ॥ म्हंजगजीतजोरावरराजापकरगहौदेवा  
ने ॥ ११ ॥ जरासिंघजौरावरराजातीनलोकमेंजौने ॥ १२ ॥ नंदराय

कीधेनुचराई नितहि सरावौवाँने ॥४॥ वीनवजाई कामनमौही  
काहाबडपनकान्हौनौ ॥५॥ जोवौ ग्वालतुच्छहमसेतीजुधमेनही  
जितानेँद पारब्रह्मतौमुगतहौयगीकैसेमुडौघरौनेँ ७ तिरियाक  
हीतनकनहिंसांनौमोतजआईहानेँदपद्मभगौपीछीपिसतसि  
जायपड्यांप्रभुपांनौ ९ दोहा-चढ्याचहुँदिसडहलाहुईहलहि  
लजानदलकौक्यादसुंदेसरानौपतघुरेनिसान १ राजारंगचढाई  
याकियाकेसयासाजतलमलाटतुरीयांकरेघुमतडागजराज  
॥२॥ रागसौरठ ॥ येजीमाहाराजाबौदमांनौथानंभावजदेछता  
नौ ॥ टेकासिरीकृष्णबलदेवजीहरिहलधरदोउनीराताकीसरबर  
कोकरैथारेकौणसुभटशधीर ॥ १ ॥ भेला ॥ बौछनंदमहरकोका  
नौ ॥ सोतानांमथवीपरछानौ ॥ जिननखपरगिरवरधान्यौ ॥ जि

नहुवत्तवृजहिउवाच्यौ॥१॥ ब्रावन्तहोयवलिक्कँछल्या सुरपतिमां  
नब्रथाय ॥ हतीपुतनाभ्रान्सँ दिवोनिमान्नपठाय ॥ भेला जिन  
मान्योअपनौंमांमौ॥ वेनाताकछुनजानौ॥ तुमसुनौवैनयेककका  
नां॥ जिनमान्योरावणादानां॥ २॥ उनकैसबहीदेवसंग पांडवसे  
जौछाराथारेयेसासुभटकौसनमुखंभेलेसार ॥ भेला ॥ नरसिं  
हवरूपजिनधारया॥ जिनमहलादउवारया॥ जिनहिरणाकुसकू  
मारयो॥ प्रभुनखसँउद्रविडावरयो॥ ३॥ मल्लअखारेमरिअगज  
केसनउपार॥ ऐसेवलिकेसांमहन्नैमतिजांवीसिरदार ॥ भेलां॥  
जिनयेसाकियापैवाडा॥ बलिदानवतिन्हैखपाडा॥ थारोदासप्र  
दमजसजाएयो॥ प्रभुतुमरोबुधबख्खाएयो॥ ४॥ रागदेसकीहो  
री॥ गिरधरकहतौलाजनलाजै॥ टेर॥ मामौमारभयोसूरमोघर

ह्रीं मेरा जे गाजे । १ । मल्लहाय करम मल्लपछा ड्या कहा बि रता साजे  
॥ २ ॥ हमसुं जंग जु ड्या जु धहौ सी ज बजरी ठ सौ बाजे ॥ ३ ॥ ह  
मरी और जु रा सिं धरा जा सबरा जना सिरता जे ॥ ४ ॥ जब उ न ला ग  
प्रा न पियारा फट के फुर के भाजे ॥ ५ ॥ पदम भरणे बा भी सिंदे बरयूं क  
हम हल जा जे ॥ ६ ॥ दोहा ॥ महल पधारौ थां हरे के गी यर उठ जाय ॥  
बिन पछ्या भाखौ मती बिगम जात कवाय ॥ १ ॥ आतुर होय म  
हलौं धिरी ने न रहे भर लाय ॥ हो न हार हो वै सही कौ ट ज करौ उ पाय  
॥ २ ॥ साहाणी बिग बुला बिया हुकुम हुनौ दरबार ॥ कुदना पुरने सा  
कती द्यु डल बिगा सिंगार ॥ ३ ॥ साहणी सब भेला हुवा ज ड्या जु भ  
प अ बल्ल ॥ सि स पाल जु रा सिं ध बै लिय ॥ छा ड अणी रा व दल ॥ ४ ॥  
अथ घौड़ा की जाता ॥ राग दंडक ॥ मोहनी साज पला गिं र पला गिं



राजा कह मागिया सोवनी ० ॥ सीहडासूरसीमंगसीमौरवागि  
रकडासारसांसजावरे ॥ दौडाआपटियाभूतियाभूसलखाना  
जाईदेसियाभौतीडामसकीडाकावलीचमकियाकिलगडाकि  
लचियालौटयांलखेरियाहजारियावजारियागुमारिया।पला  
गिरेपलागिराजाकहसागिया।बरबरगिरवरानागीनासागरा  
हलदियामहंदियाउचेसुराचालेखरारथजताकेकागारुयाइयाउ  
पेदियाढंढणाजलहराघणबदला।सिंगणारेशराजकहसागिया  
सौवनीसाजपलागिरेपलागि।२।उंचाअलौलाचंचलाअचप  
लाबीजियाखीजियारीभियारावसाणीवारनलानेरे।चीरीचहु  
दिससांचरीआयारावसबरथरे ॥ सिसपालजरासिंधउमंगिया  
झाणावरागाजराजरे ॥ दौडजलदलाकीदसुसाहरणिलयावौवा

जरे ॥ राजा कह सागियां सौवनीं साज पलागिरे पलागि ॥ ३ ॥  
॥ अथ सवारी बर्णन ॥ दोहा ॥ पवंग पला रायानौ लखा हुय घुडला  
असवार ॥ करीनिका सीकंवर की घणछ कलीयां लार ॥ १ ॥  
रागभारु ॥ चढघौ डीशि शुपाल कुदा वैहातां सांग फिरावे ॥ अरज  
न भौं वगवाल्या साथे भहौ देख्यौ सरमावे ॥ १ ॥ इस डोकुं गण दुथगी  
को जायो भहारे जो डे आने ॥ जरा सिंध से जो धा देखत जीव लेय  
भग जावे ॥ २ ॥ देवौ दइत नही कोइ दानाँ छपन कोट के माहीं ॥ पंड  
व जो धागवाल्या के संग आय करे लाकाई ॥ ३ ॥ भेनहिं मुंडा भिडा  
जम सेती काल पुरष ने मारा ॥ चंडी चक्र रुद्र ये कादस सनमुख हो  
य संघारा ॥ ४ ॥ कांकड चढता सकुन बिचारे हिरण जडावा आया ॥  
खर द्याराँ को चरन रसो गीज बुकसा भहौ धाया ॥ ५ ॥ घायल हिंज

कनफडाजोगी अरुलकड्यौगाडो ॥ तिलकनिहुंणाब्रह्माणमि  
लियासरपफिरयोसबआडो॥ ६ ॥ छौंणौहातधुकंतौधंवौसाभ्हौ  
मिलियोसोनी ॥ खोटासकुन कह्योनहिआन्यौहोगाहारसोई  
होगी॥ ७ ॥ जीवणिसारसचोल्हचिकारेमिल्यौगीसियोआटो॥  
पदमभगतशिवकर्णसुभटसिसपालअवगादियोदाटो ॥ राग  
मारु ॥ देसदेसकाराजाचढियाधुडलरैठमकारे ॥ कंप्यासेबस  
मंदखलभालियाधुडोल्याआधारे १ निजागणवैछत्रफोजकीसो  
माहसत्य डोरसवाई । सोवनिसाजफिरैअहराखी राजामनाउ  
आही॥ २ ॥ दोसेभप्रसंगभलकंतासिसपालोवतलवोदममघोप  
कीआणभणीजनिजरांओरनआवे । ३ ॥ पिचारावैछोहराडढ  
चालेभूतलमेयहठाटाढलकंढालफरुकेनेजाऊजउगिरेनबा

टा४ छतीसूबाजासंगधुरतासुरणाईरणातूरा॥ पवनपहेलाबहुतसु  
हेलापुरुषजछाईसूरा॥५॥ अलबलियाअसवारअचपलामाला  
बीजलभंपे॥फौजांचढीरावडाहलकीशेषराधदलकंपे॥६॥ येक  
यकसूइधकाचालैसहजांसांगउजाली॥यूकरताकुंदनपुरआया  
लियारुकमइयाआली॥७॥ नगरनवेलेडेरदीयाचीरीचहुँदिस  
चाली॥ मातासंजुभणोरुकमइयौ मनमेंकरीकुसाली॥८॥ सा  
ठलाखकुंजरसिंगागान्यातुरियाअंतनपाईपदमभणोप्रणमेंपा  
येलागूजानकुंदनपुरआई९॥ दोहा॥साम्हेलेशिशुपालकेचढि  
यौरुकमकैवार॥ घुडलासिलेसैवारिया, चालाकीअसवार॥१॥  
रागसोरठवा॥विहांग॥ बनानेडेरद्वैछेजीरुकमकैवार॥ टेक॥  
नवलमहलकंचनमणिजडियायंभारतनजुहार॥मोतियनभा

लखडौडीपडदादुलहानेंदियौछैउतार॥१॥ साइवानचांदणीता  
गीरावाटिअंतनपा ॥ नवनबखनदलबादलतंबूजडियाछैरतन  
जुहार॥२॥ सौलाचौबहुवाचौबछ्चौवाचौवबतीससबाश सुघ  
डफरासबिछायतकीन्हैं मध्यसिंघासनठार ॥ ३॥ डेरंडेरांधर  
मिसरूदांतकियाअंतपार ॥ सौडसौडचाआरिगेंदवा लीनासब  
संसार॥४॥ जांणअजाणटल्हानहिंकोईदीन्हसहमनुहाराक  
रहुगामरुकमालकैवरथैकियोबहुतसतकार ॥ ५॥ हरग्यालोग  
सकलनगरीकाबिलखीराजकैवार ॥ यदमभक्तशिवकरणाभरणे  
इमंइणविधजानउतार॥६॥ दोहामारू॥ईधणघासरुदाणौप्रा  
णाआरिपठायपानाठामठाममैदाधीसकरजुगतउतारिजान।  
॥१॥ रागमारू॥जितनापांवधर्याधरणीपरसोम्हारेशिरधारचा

बाजारागछतीसोंबाजेहीरालालअवारया॥१॥रुकमइयो कहसु  
गौराजवीथेमहारामानवधास्या॥धिनधिनआजदिहाडौऊगा  
थेमलघरांपधास्या॥२॥उभयओरजाचकविडदवैभंगलगावै  
नारी॥रुकमइयोसामानभरावैकौरवराकीत्यारी॥३॥कैवरबौ  
तसासामाकीयासीधाधिरतअपारीजीजानजआइशिशुपालने  
कीकौरवराकीवारो॥४॥कैवरजोससूमेलियोकौरवराकिलारो॥  
सतरालाखदेकौरवरामेंजानूसखेनपारो॥५॥कौरवरोदेकैवर  
सिधायोकरेबडांसूबातां॥थम्हारैराराभलांइंपधारयाआछी  
म्हारिसाता॥६॥ससिबरणौशिशुपालभणीजैऐसोरानवनकोई  
चंदवदनसीशाभाजाकीनैनभरेभरजोई॥७॥दोहा॥जलदी  
करोदेरमतलावोतोरणहोयअवारो॥पदमभरणेंप्रणमेंपायेला

बेगुन आप पधारो ॥ ८ ॥ हसत्यांने जा फरह न्या धु डलों गघरमा  
ल ॥ सौवन साज जु भल किया चै बरहु ले शिशु पाल ॥ १ ॥ गौखेच  
ढा डल जो विथौ भी वसे न जीरी नारा ॥ नरने दिख ॥ ऊँचा इथां हरौ आ  
बो महारी राज कै वार ॥ २ ॥ खिजती रुक भणि थै भगो मा भत भार्यो  
आल ॥ चवदा भवन काराज वी बरवर स्यांगो पाल ॥ ३ ॥ राग मारु  
चवदा भवन राराव भणी जे बरं बर स्यां परवार्णी ॥ केया देह देह  
दावान ल परगौ सारंग पार्णी ॥ १ ॥ सारंग दृष्टि परे ज्युँ सारंग अँडा  
हलियौ दीख ॥ नीर बिनान लनी ज्युँ सुखे थै हरौ बिन ॥ विसूखे ॥ २ ॥  
मान सरोवर हंसा देख्या काग निजर नहि आवै ॥ दस मंदरां सुसोर  
पड्यौ जवना डूल्या कुँग न्हावै ॥ ३ ॥ गल मोतियन की माला पहरी  
मिणियां कौन बिसावै ॥ हस्ती ऊपर बैठा चाले तुरंग कहा मन भावै

॥४॥ जामुखडातेअमृतपीयैपरतनजहरपियावै ॥ जिनलेना  
टपितांबरपाकाँबलियानसुहावै ॥५॥ चौमासामेंउडेआगि  
यापांखघणीफरकावै ॥ मनचायेतोकरेउजारौसूरजखौडखुडा  
वै ॥६॥ प्रीतांबरसेप्रीतपहलकीतारकमोहनमोहै ॥ पदमभगो  
याऊभीन्हालेगौखेचढीदलजोहै ॥ अरागकिंभौटी ॥ कयोँकंवरी  
बिलखीजोफिरौमनमौजकरौदुखकूँबिसरौरी ॥ भावजहाथालि  
येहरदीपटबैठअटानपटामसरौरी ॥ अंगकेआलसदूरकरोमुकता  
फललोसिरमांगभरौरी ॥ भूषणभौँतिअनेकभरेभटचरि कोलेसि  
गारकरौरी ॥ व्याहनआयोचंदेरिधरापातिछूटिलटाललकार  
रौरी ॥१॥ हेजननीमतिमंदमहादुखभारचढेमुखबंदकरौरी ॥ सु  
मेरडिगौधरतीजोफटोरविचंदगिगन्नसोंआनपरौरी ॥ गंगायमुन



उलटी बहे शिशुपाल सेती करनो जजुरी ॥ मेरो मतोन दू नंदन से  
कोउ जानो भलो भावे मानो बुरोरी ॥ लाज के ऊपर गाज परो बृजरा  
जमिले सोइ लाज करोरी ॥ रागमाख कइतू भली रुकमणि बाइ  
शोच करे मन माहीं । थोड़ा हलचंदेरी को राजा कान्हो या सपना हीं  
रुकमण भगौ सुगौ मेरो माता सुगिये बिनती कहारी ॥ सिंदर धरमे  
स्याल जो पैठो योइ चरज मोय भारी ॥ अब के साथ करो सांवरिया  
भीरपरी अति भारी पदमइयो तेरा जस गावै भगतां प्राण अधारी ॥ ३  
राग सोरठ मल्हारा ॥ माई मने भावे नहीं शिशुपाल ॥ टेर ॥ मन मेरो  
गिर धरमे बासियो ढाहलियो जंजाल ॥ मा ० ॥ गुप्त संदे सो लिखै  
स्याम नै दीनानाथ दयाल ॥ २ ॥ सारदूल को भोजन स्वामी लियौ  
जात है स्याल ॥ ३ ॥ जो मन गोपियन को बस कीन्हैं बंसी टेर उ

चाश ॥ ४ ॥ पदम कहै प्रभु तपत बुझावो कुंदन पुर पगधार ॥ ५ ॥ छंदो  
तेरे मिल्यां मन की भावना सखि दुई पूरन आसरी ॥ दिल गीर मत हो  
यरु कमणी तू बानै बैठो आयरी ॥ १ ॥ आपो लियाँ सुनाहि परचू घुरा  
बेदन वायरी ॥ कंचन कायामें आग जा रहै हो मडा रहै हाडरी ॥ २ ॥  
दूसरा अवतार धारै रहै केशव संगरी ॥ साथी हमार सांवरा सखि  
महे उगारी अरधंगरी ॥ ३ ॥ कहै रुकमण स्यासर गोंब चन बंद गोपा  
लकी ॥ जनम दुजे तीसरे बर रहै मित्र दयालरी ॥ ४ ॥ एगमा रहू ॥  
॥ टेक ॥ राणी कहै अती सुख पावां मन में बहुता चावे ॥ चिरंजिवो  
बंधू रुकम दूयो यह डौबर थारे ल्यावे ॥ १ ॥ रुकम गण कहै सुगौरी  
माता कहो ने बात बिचारी ॥ चवदा भवन कारो वभणी जे मारो  
बरबन वारी ॥ २ ॥ थारो बरबन वारी बाई महारे मन नहीं भावे ॥

तुमगोरीविकालो दीखैबनबनधेनचरावै ॥३॥ यहराजाखद्योत  
 समाना सूरस्यामसेप्रीती ॥ पदमभगोरुक्कमगाबरमोहिनमत  
 कहोचातअनीती ॥४॥ सगखट ॥ बाईरुक्कमगाभगोमातसेरूडो  
 वरह्मारीबनवारी ॥ टेक ॥ अंतर चोवामोरिसखरगिर अंतरदाय  
 गामूसे ॥ हरिशिशुपालअहेडाअंतरपारिजातअडूसे ॥१॥ अं  
 तरसूरनषतरअंतरधरणिअकासा ॥ हरिशिशुपालअहडो  
 अंतर चंदणखैखजवासा ॥२॥ अंतररेनदिवसहरिअंतर अंत  
 तरविषअभिचुरडे ॥ हरिशिशुपालअहेडा अंतर नागरबेली  
 कुरडे ॥ ३ ॥ अंतरपापपुन्यहरि अंतरअमृतविषरीवेली ॥  
 हरिशिशुपालअहेडाअंतरभगोपदमइयौतेली ॥ ४ ॥ राग ॥  
 खमाथची ॥ बाननहोम्हारीराजकैवारी ॥ टेक ॥ रुक्मइये

सिसपालबुलायौ फेरौहोय अँवारी ॥ १ ॥ रुकमगानेकयो  
नाहिंमानै घरमें होय खैवारी ॥ २ ॥ कोधवंतरुकभइयौबोल्यो  
पकरबैठावौनारी ॥ ३ ॥ प्राँनघात अकबरहूँ अपना मरसूखाय  
कटारी ॥ ४ ॥ पदमस्यामरुकमगा अब समझी जानी घात  
तुमारी ॥ ५ ॥ रागकाफीकीठुमरी ॥ बीराभ्हांसुंबरी रेकरी ॥ लि  
गोलियौसिसपालबुलाय ० ॥ टेक ॥ बुद्धतिहारीचालणीतुसतु  
मालियासमहाय। औगुणतौतैहितकरराख्योगुणकूदियौबहाय  
॥ १ ॥ अबमैरनीचानिवै अँरंडऊपर जाय॥कर अँछाँसुंप्रीतडा  
फिरपीछेपसताया ॥ २ ॥ मनमौतीधननैनकोजागोथेकसुभाय  
फाटेपीछेनाँमिले कौटजकरीउपाय॥ ३ ॥ हरदीजरदानौतजेख  
टरसतजेनआम॥ असलीतौऔगुणतजेगुणकूतजेगुलाम॥ ४ ॥

बटसुं पातल छाड़्यो ऊबरती दीय पान ॥ बौमन तो जबही गयो  
 तबहि बूलाई जान ॥ २ ॥ डुंगरिया को वाहलौ औ छाँत गयो सनेह ॥  
 बहतौ बहे उतावला तुरत दिखवै छह ॥ ६ ॥ कहुवा कदेन भाखि  
 या मीठा बोल गिया ॥ पदम इयो स्वामी भयो भाखै रुकम गिया ॥  
 ७ ॥ बोहा । राजा भी वअबौ लिया कंवर सुबोले नाँह सभा देखसि  
 सपाल की दुख पावै मन मांहि ॥ १ ॥ राग मारु । मनहीं मांहि बहुत दु  
 ख पावै कीन्ह कंवर कद आवै म्हारै तो मन आनंद उपजै मन रुकम  
 गा के भावै १ आडी भौम द्वारी कादूरी सदे सो पहुँचावै कुंदन पुर आ  
 वैं सिसपालौ हारि कै जाय सुनावै ॥ ५ ॥ रुठ डेब दन कंवर उठ बोल्यो  
 राजा काँई जोवो ॥ यसौ राव और नहि कोई म्हानै काँई गिवोवो ॥ ३ ॥  
 राजा भौव भकनै ऊठया रुकम इया तोय मारु कदवे कृष्ण कुंद

नपुरआवैकदहुरैसाबेसारु॥४॥कमरहुअपणाअपघातौजौसि  
सपालौपरणै।पदमस्यामसुखदायकनाथकरहुँरथौभकेसरणै  
॥५॥दोहा।सुणैबचनभूपालकेलीहन्होतूरीमंगाय॥पाचलाख  
असवारलेचढीयौजानमेंआया१।रागमारु॥चढ्यौजानमेंआ  
यकैवरजीपांचलाखअसवारौ।राजाभीवकृष्णबरपरखेथारौको  
ईबिचारौ॥१॥भलोविचारभलीम्हेकरस्यौवाँननौम्हेजाणौ॥  
नांवसुग्यौबाहरनहींआवैकाँईघणौबखाणौ॥२॥भींवरारवको  
जोसीतेडयोतुरतघडीअसवारौ॥भलोमुहूरतकाढेम्हानेकैरौ  
होयअवारौ॥३॥जोसीलगनबिचारियाजीआजमोहौरत  
नार्हीं॥डराजावोकहौकैवरनेथानेसुज्योकाँई॥४॥कहैजुरा  
सिंभकहौजोसीनेम्हेतोचढकरआया।म्हारिनावनहींछौसावो

क्यौनेकैवरबुलाया ॥५॥ जौसी कहै जुरासि धराजा कौन बडो थै  
 बूभौ ॥ कह्यै कंवर के कांकरा बाँधयो थौनि कौई सुभौ ॥ ३ ॥ काल्यौ  
 गवाँल्यौ करो बराबर बौ म्हरि कदतौ ले ॥ म्हेता सारा सिंह सरीखा  
 यंसि सपालौ बोले ॥ ७ ॥ जब ब्रह्माजी बडील गार्ह सप्त दिवस  
 को थैक ॥ नात करौ बीबाद करौ मत निजर भर भर देखौ ॥ ८ ॥ सात  
 दिवस कौ दिवस बशा यौ सात दिवस की राती ॥ इतरे तो श्री कृष्ण  
 पधारि तिते कफिर लेतातौ ॥ ९ ॥ कालो स्याँ मसकल नै सुभे भगतौ  
 मधर गोरौ ॥ पदम भगै प्रणमै पाये लागुं दधि माखण को चोरो ॥ १०  
 दोहा-माता बूभे कै वरिने, बाइथे बिलखा काँई ॥ सभा देखि सिस  
 पालकी, सुख पावो मनमार्ही ॥ ११ ॥ रागमारु ॥ मनहीं मां हि बहू  
 त सुख पावो ज्युँ म्हेई सुख पावौ ॥ साहण बाणहस्ती घोडा भली

भांतमुकलावां॥१॥हरख्यो कैवरबहुतमनमाहीं जानमलीपुर  
आई । कांकणाबांधासिसपालौ आयो मांहजरसिंधराई १ वौ  
सथुरामेंजनमालियोहैघेरपरौकढायौबाहरवासकरगानहिंया  
यौ समदरबीचबसायौ ॥३॥ सतरेबारवौआगेभागौ बारआठा  
रवीआई ॥ मनहटछौडकरौऊचटगौ मानौरुकमगनाई॥४॥हु  
टवरमेधगवालन्यांमोहीजूठौमाखनमायौ॥मामौमारसरवौन  
वौकबकौराबकहायौ ॥५॥ नाकिबिदायबजायतालियांछौकरि  
यांसगनाच्यौ ॥ फूंदोरगुलाचांखाई काछनटवरीयाछ्यौ ॥६॥  
कन्याबहलकांदनहिंन्हंकांवेदपुराणौभाखे॥माताबैधुअरजक  
रेछैपतभाईकीराखे ७ जबगुनवंतीगुनकरबैलीकान्हकंवरबर  
म्हारौ॥ पदमभगैरुकमगनायैबोलै कयौनमानैथारौ॥८॥रागसौ



रठाकातूरा॥ येसंभयोगुरुकमयीबाई॥ सोहिबीबूहमारामाई॥ देका  
मच्छरूपहरिधारेशंरत्नासुरदानामारे॥ जिनबेदब्रह्माकादीन्हौ॥  
सतजुगमेंसाकाकीन्हौ॥ १॥ कच्छरूपहरिधारिमधुकैटभदानों  
मारे॥ देवनकुंआमृतपाथौ असुरैकौजहरपितायो॥ २॥ बारह  
रूपहरिधारो॥ हिरणाक्षसदानोंमारे॥ जिनबसुंधताधराखी॥ जा  
कारसुरनरमुनीजनसाखी॥ ३॥ नरसिंहरूपहरिधारो॥ जिनहि  
रणाकुसकुंमारे॥ प्रभुनखसौउद्रविडारो॥ तवजनप्रह्लादउबार  
॥ ४॥ जिनबावनरूपहरिधारो॥ राजाबलिकेघोरपधारो॥ जिनदेव  
पेंडभरवाई॥ तीजीकूठैरनपाई॥ ५॥ प्रसरामरूपहरिधारो॥ जि  
नसहसाबाहुसंधारो॥ जिनक्षत्रिनिछत्रकरडारो॥ जिनब्राह्मणरा  
जदिलारो॥ ६॥ जिनरामरूपहरिधारो॥ जिनरावणदानोंमारो॥ सा

गरपरासेलातिराई ॥ जबलंकवभीक्षणपाई ॥ ७ ॥ कृष्णरूप  
हरिधारे ॥ कंसासुरदानौमारि ॥ वसुदेवकीबंधछुडाई ॥ देवनकी  
कैदमुडाई ॥ ८ ॥ बुद्धरूपहरिधारे ॥ जीवनपरदयाबिचारे ॥  
भारोजसपदमइयौगवै ॥ कछुभक्तबधाईपावै ॥ ९ ॥ सोर  
ठराग ॥ स्वामीरुकमगुणपापकमायौ ॥ जाकेबरसिसपालौआ  
यौ ॥ टेक ॥ केम्हें भूखाविप्रउठाया ॥ अनदौसादोसलगाया  
केमैंकुलकीआँतजकीन्हौ ॥ दुरबलकंदाननदीन्हौ ॥ १ ॥ केमैंहरि  
कीभगतनजाणी ॥ सतसंगतनाहिंपिछानी ॥ केमैंचरतीगऊबि  
डारी ॥ केमैंकैवारिकन्याँमारी ॥ २ ॥ केमैंसासूनगदसताई ॥ केमैं  
पुत्रबिछौवामाई ॥ ठौकरमंगऊउठाई ॥ केमैंभूठीचुगलीखाई ॥ ३ ॥  
साँधरीनिद्याकीन्हौ ॥ केमैंभूठीहामलदीन्हौ ॥ दिवलासूदिव

लौजोयो ॥ पगल्यासंपगल्याधोयो ॥ ४ ॥ केम्हे आलोपोपलतो  
ड्यौउपलासूउपलोफोड्यौ ॥ यहपापौकरीकमाई ॥ जासुंबर  
सिसपालकहाई ॥ ५ ॥ केमैकाटीबरतकुवाकी ॥ केम्हे भट्टादीन्ही  
सारवी ॥ कौइपापणपापकमायो ॥ जासुंबरसिसपालौआयोई  
केम्हेमाज्योसगौजवाई ॥ केकज्याकोड्रव्यलेखाई ॥ येसंपदमभ  
गोयदुराई ॥ अतरजामीकरोसहाई ॥ ७ ॥ रागाविहाग ॥ बधसुत  
जायरेनिगादेस ॥ टेक ॥ देसकहियेनंदनंदन सकलभूपनरेस ॥ १ ॥  
कहोतोपतियोलिखूँक्यौने तुमहिसुघरसुरेस ॥ २ ॥ नंदनंदनजग  
तवंदनधन्यानटवरमेस ॥ ३ ॥ काजआपनसुधारस्वामीबस्तओ  
खीपेस ॥ ४ ॥ चरिफारूँकैथाओढूँ करूँजोगनमेस ॥ ५ ॥ सेली  
सिंगीभस्मीमुद्रा छुटैराखूँकेस ॥ ६ ॥ प्रेमअमृतसितलधाराये

हियेउपदेश॥७॥कैवलनैनीबिरहनीका कहियोयकसंदेस॥८॥  
स्यालतौशिशुपालडाहल छाथारह्योयादेस॥९॥दासपदमपर  
किरपाकीजेकाटौकरमकलेस॥१०॥दोहा॥द्विजदेख्योनूपभी  
मको, रुकमणिराजकुंवार। यहपतियांलेजायगो, निहचैकियो  
बिचार॥१॥ रागमाह्। सैनदिवीजबविप्रकंजीआयोद्विजवरने  
रो।शीसनिवायचरणगहिबोलीसुनोबैनयेकमेरो॥१॥तुमब्राह्म  
णपुरीद्वारिकाजावौयेहिपतियांलेजावौ। त्रिभुवननाथबसेवहो  
माधवसंदेसोपहुंचावौ॥२॥जोहरिबुगधारेकुंदनपुर तौगुनभू  
लंनतेरो॥ पदमभणोप्रणमैपायेलागुंदुखकोकरूंनवेरो॥ ३ ॥  
दोहा॥कहोबाईकैसेकरूंभैभारीदिनतीन। कबजाऊंद्वारावती,  
महेंबृद्धब्रह्मरादीन १ यहशंकातुंछोडदवहसामरथकरतार ॥

दीनानाथदयालहै, बिगारीलेतसुधार २ रागमारु ॥ डूबतहीग  
 जराजटेरसुनहरिकहतेआथौ ॥ कहाँवैकुंठकहाँबौसरबर येक  
 पलकमेंधायौ १ डूबतहीगजरा जउवाच्योवैकुंठधामपठायौ  
 पदमभगोंप्रणमैपायेलागुं द्विजसुनकेहरखाथौ ॥ २ ॥ रागस्वभा  
 वची ॥ आवोमेरेबमना अंगनानिपाऊँ ॥ टेर ॥ अंगनानिपाऊँ  
 चरणपराखुंआचमनकररपीऊँ १ जिनगालियांतुमहभरेआ  
 वौ ॥ लकनेसमगभाखुं १ ऐसाहिकोईकृष्णमिलवैतनमनवा  
 परवाखुं ३ पदमभगोंप्रणमैपायेलागुं चितसेनेकनटाखुं ॥ ४ ॥  
 दोहा ॥ नैननकीपातीकखुं, असुबनजलछिरकाव ॥ स्यामसनेही  
 आवियौ, देपलकापरपाव १ पाँवधरौपलकापरे, अतिआतुर  
 होयआव ॥ पुत्रीभीमकठैरहै, ऐसेमनसमभाव २ रागसोरठ

महतोयानेदीनबधुदीनानाथजान ॥टेक॥ महंतोतुमरोबिरदसुन  
केगहलीनौहटमान ॥ १ ॥ लिख्यौलगनवरातअईदियौमंडप  
तान ॥ २ ॥ साजदलशिशुपालआयौ बाजाबजतनिसान ॥ ३ ॥  
निनानबेराजाछत्रधरी जरासिधसमान ॥ ४ ॥ हेवरगयंदबहुत  
ल्यावौबहुकियोअभिमान ॥ ५ ॥ जबसुनूंगीकृष्ण आवत तब  
करूंजलपान ॥ ६ ॥ बंधुरुकमयेव्याहरचायौ छाडकरकुलका  
ना ॥ ७ ॥ कोटीतारेमहापापी अज्यामेल्समान ॥ ८ ॥ निसदिनमेरे  
ध्यानतुमरौअहोसारंगपान ॥ ९ ॥ आवनहोयतोआवसांवश अ  
सुरतौडेतान ॥ १० ॥ पदमकेस्वामीबेगदरसद्यौनातरतजिहूंप्रान  
॥ ११ ॥ रागकेदारौ ॥ हो ॥ द्विजद्वारकालैजायाटेका ॥ द्वारकाभैस्या  
मसुंदर संदेसोपहुंचाय ॥ १२ ॥ प्रेमपतियांलिखीकरसुबेगदाज्यौ

जाय ॥ २ ॥ चित्तमेरोससीसुंदरसंगरहूँ यदुराय ॥ ३ ॥ रुक्मइया  
नेव्याहथरप्यौ पितापुंछिनमाय ॥ ४ ॥ निरखौ लगनबरातआई  
दियौ मंडपछाय ॥ ५ ॥ कुंदनपुरमेंहौ तइचरज स्थालरौ कीगाय  
॥ ६ ॥ स्यालियौ शिशुपालडाहल सिंधभकलियां जाय ॥ ७ ॥ छ  
त्रधारीभूषराजाह्मरौ नगधेख्यौ आय ॥ ८ ॥ जोडदलशिशुपाल  
आयौ जरासिंधहेसाय ॥ ९ ॥ मैहूँ निरबलबलनकोई कहूँ बेदन  
काय ॥ १० ॥ हंसकोहैं असलीयौ कागभयूं मंडलाय ॥ ११ ॥ मेरो  
तौ कछुनाय बिगरे विरदतुमारी जाय ॥ १२ ॥ गरुडचढगोविंदआ  
बौ पदमबलिबलि जाय ॥ १३ ॥ रागसोरठ ॥ गरुडचढआबोजी  
गोविंद ॥ टेक ॥ भीवरावकीभीरचढौहर भगुराखौ नैदनंद ॥  
॥ १ ॥ इणअवसरदुरजनदुखमेटोकीन्हैं कंसनिकंद ॥ १ ॥ बलि

छलकेपातालपठायोकुसीभयोहरइंद ॥ ३ ॥ बांकीनेसूधीकर  
रदीन्हींकुवजयाहुईमहमंमंद ॥ ४ ॥ मजनगणीकागुणऔगुणकूं  
जानतहोबृजचंद ॥ ५ ॥ पदमंभरणेपायेलागुंडुभतरख्यौग  
यंद ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ प्रभुजीथेआज्यौजांशअनाथ ॥ टंक ॥ पति  
यांलिखतमेरीछतियाफटतहैकलमनठहरतहात ॥ १ ॥ भाइरुक  
मइयौकपटकमायौऔरामिलीमेरीभात ॥ २ ॥ छलकरकेशिशुपा  
लबुलायोबहुतसुमटलेसाथ ॥ ३ ॥ निकसतप्रानहिद्यौकमला  
नौकंपतमेरौगात ॥ ४ ॥ शिशुपालाशिरबैंध्योसेहरोउतरिआन  
बरात ॥ ५ ॥ येकनिमखर्कीढीलनकीज्यौजादबल्याज्यौसाथ ॥  
॥ ६ ॥ भनाशिवकरणपदमदरसनविनानिकसप्रानयहजात ॥ प्र  
भुजीथेआज्यौ ॥ ७ ॥ रागजैजैवंती ॥ जायदीज्यौजामोहनकूं



भूहारी प्रेम भरी सीमाती ॥ टेक ॥ समें देख के बाल चले ब्रयो कह ज्यो  
 सभा सुहाती ॥ १ ॥ कुवण नां वसे प्रीत लगी है कलन पडत दिन राती  
 ॥ २ ॥ जो नहि आवै प्रानत जूंगी कर के मरू अपघाती ॥ ३ ॥ आम  
 न मैनह चेर जागौ आन संग नाहि जाती ॥ ४ ॥ भूहें अपनो मन  
 ठान रहि है औ कछु न सुहाती ॥ ५ ॥ तोरे बिरद को लो गहें संगे समें गाइ  
 नहि आती ॥ ६ ॥ यह शिशुपाल काल सौ लगे जम से लगत वराती  
 ॥ ७ ॥ पदम के स्वामी बेगदर सचौ सीत लहो यगी छाती ॥ ८ ॥  
 राग के दारौ ॥ करा छि जहर काल गबगन ॥ टेक ॥ रुक भगी का  
 ले अंगूठी चले जौ सेंपवन ॥ १ ॥ कुंदन पुर में न्यावना ही अब गति  
 लागी हवन ॥ २ ॥ इचर जये कसिंह नीसे स्याल चहै रमन ॥  
 ॥ ३ ॥ जो डदल शिशुपाल आयो पौल तोरण छवन ॥ ४ ॥ पद

मसामीभणैकमण बिलमेकारनकवन ॥ ५ ॥ दोहा ॥ पाती  
लिखाद्विजकुंदइ चरणनिवावैसीस॥ यहपातियांरसनाकहौजब  
भैटौजगदीस ॥ १ ॥ ब्रह्मनींअतिव्याकुलभईनैनरहेजलधार ॥  
जीभडलीझालापड्या कृष्णपुकारपुकार ॥ २ ॥ रागलवनी ।  
रुकमणीजीकरुणाकरे लगनलिखविप्रहातधरदीन्ह ॥ टेक ॥  
गजनैकापत्रिकालिखी नागसुमरणाकियोअपणांमनमें ॥ तुम  
धायेपवनकेवेगचक्रजायदियोग्रहकेजलमें । दीटौडीकरेपुका  
रनाथमेबचारहेदादलमे ॥ मेरसुतकेनहिहैपंखयेजीलेकैसउ  
डंगिगनमें ॥ भेला ॥ तुमसुनियौटेरसुरारी ॥ अहेमीवधरेअवता  
री । गजधंटाटूटपरीइंडनपरमहरकरींरंगभाना । रुकमनीजीक  
रुणाकरेनलिखविप्रहातधरदीना ॥ ३ ॥ अचकमचकपगधरत

लचकगतशोभावराणि न जाई हैरूपरंगमें जंगके ललतपतसी रु  
कमनवाई ॥ छतियां पे सोवे चक्र अधरदाडमसी दंतल लार्द ॥ दीप  
कसिना सिका भिले नैन बिच अकुटी की शोभा छाई भेला ॥ ये जि  
अरज सुगौ वृज वासी वृजराज दरस की प्यासी ॥ बनी बनावृजरा  
ज साँवरा भरकर रंग भीना ॥ रुकमनी जो करुणा करे लभन लिख  
विप्रहाथ धर दीना ॥ २ ॥ हैतीना दिना को अवध काल शिशुपाल  
डाहलगल फासी ॥ मै धरूँति हारो ध्यान कुंदन पूर आबौ नाथ वृज  
बासी ॥ विन देख्याना हिंचै नाचित्त में रहूँति बौत उदासी ॥ तुम  
आये विन महाराज जगत में होय बिद कहां सा ॥ भेला ॥ ये जी अ  
रज सुगौ गिरधारी ॥ महे चरण कमल बलिहारी ॥ हरि नंद कहत वृज  
राज सां वरा बेग दरस देना रुक ॥ ३ ॥ सोरठा ॥ हर हर जो सोता डि

या आया पंचकिरोड ॥ हरविनहतलेवोजुडेतोम्हानें लागे मोटी  
खोड ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पातीगभूलिखीगुणवंतीसंदेसोपोंचाज्ये  
बाटांजातबिलमसतकीज्यौ विसंवभरनंल्याज्यौ ॥ १ ॥ पीतांब  
रसंप्रीतपहलकीसोहंसबहीजागूरावणभारामप्रतिपालीसो  
गुणबादबखागूं ॥ २ ॥ रामरूपहोयआगेपरणीसुरनरआयरुवैठा  
तोड्योधनुषकियादोटुकडाजवानिभुवनपतिदीठा ॥ ३ ॥ सा  
तजनमसार्थीसौवरियाटीकमथारीतरणी ॥ प्रथमप्रवाडाजन  
कसुताघररामरूपहोयपरणी ॥ ४ ॥ सातजनमसार्थीसौवरिया  
इसकारणमनमोयौगौखचडीहरआसूडारैनैनभरेभरजोयौ ॥  
॥ ५ ॥ कृष्णकंजाथरकागददेहुंइणविधरंगचढाऊं ॥ ६ ॥ रुकमण  
कंथकुंदनपुरल्याऊंअनंदबधाईपाऊं ॥ ६ ॥ निश्चयजाग्रद्वारका

माहीं कृष्णकुंदनपुख्त्याऊँ ॥ पदमभरणप्रणामे पायेलागुं आनंद  
मंगलगाऊँ ॥ ७ ॥ दोहा ॥ श्रीगणेशको सुमरिके, द्विजहरख्यो मग  
जाय ॥ सकुनहुवासबही भला, आनंदउरनसमाय ॥ १ ॥ राग  
टेक ॥ सुधेतिलकम्हानें विप्रजामिलियौ मंगलगावतदासी ॥ स  
कलसखालियां क्षत्री मिलियौ मिलसी द्वारकावासी ॥ १ ॥ गाढा  
भर्याघानकामिलियाओरछतीसुं बाजा ॥ कैवरचढ्याकेका  
गां मिलिया मिलसी द्वारकाजा ॥ २ ॥ मंगलमुखीजसाम्हा  
मिलियौ बेडौले पिणियारी ॥ हिरण्डारम्हां हरख्यो मिलियौ  
मिलसी कृष्णमुरारी ॥ ३ ॥ सकुनविप्रनें हुवानजीका हरीमिल  
नसहनायां ॥ पदमभरणप्रणामे पायेलागुं कीन्हैं विप्रपयाणां ॥  
४ रागमारू ॥ रुकमतौ बाह्मणनें पेंखे संदेसोरे पठायौ ॥ जोज

नपांचसातजायसूतौ शिवजोंकेमनभायौ ॥१॥ सिरीकृष्णसिं  
घासनबैठाशिवजामतोउपावौकुंदनपुरतेंब्राह्मणचाल्यौवौइत  
लगकबआवै ॥२॥ भग्येकृष्णजीसुगौसदाशिवथेमनकीसबजा  
गाँ ॥ मालबिराणोघरमेंघरिके सुतौखूँटीताणौ ॥३॥ भग्येसदा  
शिवसुगौकृष्णजीथेतौअंतरजामी ॥ ब्राह्मणकहिथेदुरबलबिर  
घानांहिबिप्रमेंस्वामी ॥४॥ पारखताकूँअग्यादीन्हैथेब्राह्मणकूँ  
ल्यावौ ॥ ब्राह्मणसूतौकाचीनिद्राल्यावतमतीजगावौ ॥५॥ जा  
यपारखतदर्इपरकमां बिप्रबिवानपठायौ ॥ धरबिमानमेंआयउ  
तार्यौसौवतनायजगायौ ॥६॥ आनउतार्योतीरगोमती छिड  
क्यासीतलपाणी ॥ पदमभग्येप्रणमेंपायेलागूंजबलगविप्रनजा  
गी ॥ आरागमारू ॥ उठयोविरामगनिरखगुलागौ देख्यागढ

किलासा ॥ बारेजो जनसरवसौ नाकी गढमढपालप्रकासा ॥ १ ॥  
 राजद्वारस्वामीजीपुछैबोल्यबिचनकुमार। कोहैदेसकौनयान  
 गरीकहोनीकौनबिचारा ॥ २ ॥ अहरतनागरपासगोमतीजादुजु  
 गतनेरसा ॥ हरख्याबदनहरीहरजोसीकीन्हानगरप्रवेसा ॥ ३ ॥ हर  
 ख्यौबिप्रभींवर। जाकोद्वारवतीहूँ आयो ॥ भींवकैवरिकोकारज  
 सरसीयहांवृजराजबतायो ॥ ४ ॥ छप्पनकोटिकीअतिठकुराईवा  
 जाअनहदवाजे । कंचनअलखेकोटकांगरागढांगढांकिराजोपू  
 थेतोमिसरजगतकागुरुहौ लैकरआयासावौ ॥ केसोरायकंव  
 पौलीसीधाचाल्याजावौ ॥ ६ ॥ पौलीजायप्रीतसूठाडो भीतरमे  
 दजगायो ॥ कागद्लेरकृष्णकरदीन्हौ आसिरवादसुगायो ॥ ७ ॥  
 जबहारिमिसकरपूछनलागा विप्रकहांसुंआयो ॥ विद्रुभदेसकुद

नपुरनगरी भीविकैवरिपठायो ॥८॥ भरणैकृष्णजिसुणौबिरा  
मणआयाकेदिनमांहौं ॥ सावौबहुतसांकडौल्याया समलोदी  
सेनांहौं ॥९॥ कहैबिरामणसुणौकृष्णजिकैवरजुकुबुद्धिउठाई ॥  
कौक्यारावचंदरीराजा जानदूसरीआई ॥१०॥ कहैकृष्णजी  
सुणौबिरामणआछीबातांआई ॥ राजाभौवकैथेकरकमणींदो  
यदोयजानबुलाई ॥ ११ ॥ रुकमणतणींवीनतीथेतोसुणिायो  
जादूराई ॥ पदमभगतपरकिरपाकीजौ संसौमेंदोआई ॥१३॥  
दोहा ॥ हरिपूछैहरिदासनें, कहोदेसकीबात ॥ आनंदमेंथारो  
राजवी, कहोरुकमणिकुसलात ॥१॥ विद्वभदेससुहानयो, रुक  
मणिंतणौनिवास ॥ मंगलगवैकामणयांलीलारासविलास ॥  
रागमारु ॥ लीलारामगोविंदगुणगौवधरमतणौं ॥ निवहारो ॥ जित



लगहदराजाभीषमकी संरबसुखीसंसारौ ॥ १ ॥ बाडीबागमहल  
औमंदिरेकूवावासतलायौ ॥ अष्टासिद्धनवनिधिसरसे आनंद  
मंगलगायौ ॥ २ ॥ पूजाविधिवेदधुनउचरे जग्यजपेमनहरखे ॥  
परसनइंद्रकोटतेतीसमुखमाग्या जलबरखे ॥ ३ ॥ कैवरकुलख  
गोकयौनमोन्यौवीरीदईचंदेरी। डाहलजानजारपुरआर्यौकैव  
रिगहीपरातेरी ॥ ४ ॥ येहीअरजयेककरूबानती सुनलीज्येअव  
मेरी ॥ पदमभगोंप्रणमंपायेलागूं सरगागहीप्रभुतेरी ॥ ५ ॥ दोहा  
हरिपूछेहरिदासने, केहडेरूपकैवार ॥ कहौसत्यद्विजबरसही भा  
खौवैणाविचार ॥ १ ॥ दाधिसागरमेंऊपनी, कमलासुनौविचार।  
जागौदेवीजानकी, बहुरिलियौ अवतार ॥ २ ॥ रागमारू। दोउ  
कुलवंससभामेराजा जैसेचंदउजारौ ॥ ऊगरबीछिपेंसबउडगन

कैवरीरूपअपारौ ॥ १ ॥ विरछांमैंज्युँपारजातहैमानसरोवरसा  
रौ ॥ परवतमैंज्युँहेमासिखरहैहुँगरअनतअपारौ ॥ २ ॥ घोडांमैंज्युँ  
ऊँचीसरवाअहिरावतगजसारौ ॥ देवगणंमैंइंद्रभणीजैरंभारु  
पसवारौ ॥ ३ ॥ ब्रह्माघरसावनीसोहैरुद्रघरांरुद्राणी ॥ आदिबिष्णु  
अश्विनीसोहैइंद्रघरांइंद्राणी ॥ ४ ॥ रुक्मगणतणैरूपकीसोभाकह  
तनआवेपारौ ॥ सिंधसुतालक्ष्मीसीसोभावतीसूअभारौ ॥ ५ ॥  
रुक्मगणितणैरूपरीसंख्याकहतनआवेवारणीं ॥ कवलनगकहूँक  
हांलौबरणुँवैश्यपदमबवारणीं ॥ ६ ॥ अबश्रीकृष्णगोत्रपूछतेहै  
दोहा-कौंणसाखकिंणारीसुताकिंणघरजनमींआयागोत्रभात  
खसकलविधि, द्विजवरद्वौसमुझाय ॥ १ ॥ विप्रउवाच ॥ रागमारु  
नानीखीचणामायसोलखणीदादीआपवारी ॥ बडागोत्रराजा

भीषमका जिणारराजकंवारी ॥१॥ झुग्याविधगोतभीबकुलभा  
ख्या आपकहौ गिरिधारी॥पदमभरणेंआह्वगयूंबोलो क्यारोनी  
तबिचारी ॥२॥ दोहा ॥ हरीदासनेहरिमिल्या, हषहुवामनमा  
यादरबारानौबतघुरी, आनैंदउरनसमाय ॥३॥ द्वारावतीकीका  
मणों, लीन्हीसकलबुलाया॥द्रादसबोडसबरसकी, फिरिचहूँदि  
सआया॥४॥रुकमार्णिकीचरचासुणीं, घूँघटमेंमुसकाया ॥ छुप  
नकोटियादवजुर्या, सबमिलबैठाआया॥५॥इतनीसुनिआनैंइ  
मयौ, मोतियनचौकपुराया॥चंदनचोकीसाजिसब, आदवणति  
बैठाया॥६॥बुरबासाअक्षततिलक, कलसगणेशपुजायाहरियेहरि  
केतिलककर, कामाणिमंगलगाय प्रागमारु ॥ जबहरियेफैटा  
सुखेलीरुकमार्णिकीसहनानी॥हीरारतनअधिकअतिजडिया

इसी अंगूठी आनी ॥ १ ॥ जब हरिये हरिको पहराई हरि अंतर में जा  
गो ॥ यमूंदरी तो जनक सुता की अपनी और पिछारी ॥ २ ॥ नेताय  
गमें हनुमत दीन्ही आसह नाणी ह्यारिलंका जारि बाग बिधंवर्या  
जवकी बात चितारी ॥ ३ ॥ रुकमणि की यह वीनती जी सुनियो या  
द्वराई ॥ दासपदम परकिर पार्की जै संसौ मेदो आई ॥ ४ ॥ दोहा ॥  
जब हरि हलधर को कह्यो, डेरा भवनी दवाया ॥ कंचन चोकी डारके  
सैन्यां लेवौ बुलाया ॥ १ ॥ तातो पाणी उबटनौ, मरद्वज अंगकारय ।  
सौ गडली चोंगें दवा, जा जमद्यौ विछवाय ॥ हरखौ द्विज बरबैठि  
यौ, मन करमानौ चाय ॥ दरसन की न्हंरु स्यामका, फूलौ अंगन  
माया ॥ ३ ॥ राग बिहाग ॥ हरि ने पत्रिका द्विज दई ॥ टेक ॥ रुकमणी की  
लिखी पाती सी सपै धरलाई ॥ १ ॥ बांच पतिया हरखन में आनंद उ

पजेसई ॥२॥ जानसिंगारोबलभद्रभाईचित्ताचालनभई ॥२॥ द्वा  
रिकाभेंहोतामंगलभौभरतनाछई ॥४॥ दासपदमअनंदद्वारधरच  
रचाइयाविधभई ॥५॥ लावनी ॥ रुकमनीबचनकीरचना ॥ पातिया  
बांचतछैलचिकनियां ॥ टेकापढप्रथमसिद्धिसिरीसीलसर्वउपमा  
जनुजगतकहेरी ॥ पुनिपुनिप्रणामअपरंचचरनदरसणाचखचाह  
वणोरी ॥ इतकेसुणासांचेसमाचारमहेंअरधंग्यात्रियत्रेरी ॥ जनमां  
नजनमकीलगोलगनपगपरीप्रीतकीबेरी ॥ गेली ॥ रुकमइयेकुम  
तउपाई ॥ दुष्टनकीसैनबुलाई ॥ पितुबचननिरादरकरतअकरमी ॥  
मानतनहींसिकनियां ॥ रुकमनीबचनकीरचना ॥ १ ॥ जमकीसी  
धारवरातकालाशिशुपालसंगसजिआइदुरयोधनसमदुखुद्धि  
कोटखलउमगेजगदुखदाई ॥ ममप्रानघाताहितकरतप्रतिज्ञा

प्रभुतामानबडाईकुंदनपुरघेरहेहैं।सबनेकरशस्त्रगहेहैं।हरिम  
कपिताकीपेजघटेनारदमुनिसत्यकथनिया॥२॥पापीयहप्रान  
पुकारकेरघनस्यामदरसकप्यासेहटतजैनघटतेकठेनिठुरबनबै  
हेबिकटमेंवासैं॥बासेमुखरहैउदाससहैदुखरावतदीधउसासैं॥  
सुधलीज्यौजी गिरधरनलालमतिरखियौआसीनरासैंभेला॥  
निसच्यौसबरससेबीते॥दुखसुखजगतकीरीतें॥भेदासितुमारै  
शरणतुह्यारौमनभ्रमक्युललचनियां॥३॥पनघटोमिटकु  
लकांगुबिरदउलटेकुललोगहैंसंगे॥अबअंशकलानिरबंसहोइ  
तोउभक्तनपदपरसंगे।शिगुपालतुच्छसमेकोटिनखलममेतज  
तुरतभुलसंगे॥मनबचनकर्मपूजेमहेशतौहमहरिमवनवसंगे॥  
भेला॥अबतौसुनपरमनिहोरै॥हैंपायपरतहूतोरै॥हरिनंदक

हृन्मृजचंदचतुरदुलहनाकैवांध्याकैगागियां॥रुक्मनीनचन॥१॥  
॥रागनीहागा॥जरदसथेबांचतहोपातियां॥टेक॥ऊपरलिखेपेम  
केअक्षरधरकधरकधरकेछतियां॥१॥हमरीबिआहमरातनजा  
नेबांचिनजाथेअमपातियां॥२॥दासपादमपरमेहरकरैमभुवी  
तेजायादिबसरतियां॥३॥रागभारू॥हारियाभुगामडोवराल्यावौ  
उज्जलभातकरावौ॥चोखाचावलधिरतधरोराबुरैमाहिमिला  
यौ॥१॥छप्पनभोगछतीसोब्यंजन अकसेथेकसवायौ॥चोखा  
घृतस्वेताधेनूका वुरेमहिरिलायौ॥२॥साबूनीमिसरीकोसीरो  
धगांधिरतकोआयौ॥धेवरपाकजकलेवीखुरमामालपुवासरसा  
यौ॥३॥लाडूपेडाबरफीमूरकी बहुतपकवानमंगायौ॥मोतीचूर  
मगजकालाडुडिजरुचरुचकेपायौ॥४॥केलामँगामांतमांतके

पापडवडा मुँगौडी ॥ सकल पाक अति सुंदर बगिया सब से अधिक  
फूलौडी ॥ ५ ॥ कोलो पेठो बैगण तोरू आंभा से आचारौ ॥ खारक  
दाख बिदाम खोपरा खटो फौग फुल गारौ ॥ ६ ॥ दोहा ॥ ऊठौ जो सी  
जीमल्यो हुइ रे साइं तयार ॥ सखियन मंगल गाविया कृष्ण केरम  
नुहार ॥ १ ॥ मिल कर आई सहचरी गावत मंगल चार ॥ जो सी बैठा  
जीमवा मुदित भये नर नार ॥ २ ॥ राग मारू ॥ रुच रुच जीमौ बि  
प्रभाँ वरा थां लाय कक छुनार्हौ ॥ निरमल भारी गंगा जल को अच  
वना दियो करार्ह ॥ १ ॥ थारे कर्म नही काहे की अनदाता हों बाया ॥  
पदम भगत जो सी मन भाया नीका बिप्र जिमाया ॥ २ ॥ दोहा ॥  
बीडी पानक पूरकी, दर्इ दक्षिणा बल बीरामाला मोती मुँद डो और  
पटं वरचीर ॥ १ ॥ गारी गौ वैराग वर बैताल ठूमरी ॥ पांडे जी थे ह्मा



रेमलआया॥टेककांईजीकमावैथारभीवजीरीनारी॥जिनोशि-  
शुपालबुलाया॥१॥रुकमणिंकैवरीरायभीवकीजादूसानबधा  
या॥२॥येकसखीऐसेउठवोली पांचमात्तकाथेजाया॥३॥पदम  
भणैप्रणमैपायलागै कितरावापकहाया॥४॥रागबरवौ ॥ साज  
नियांआयारीसखीमोरेअँगना॥टेक॥ल्यावोरिसखीद्वोबेसणि  
यां ऊखलमुसलियां ॥१॥ ल्यावोरिसखीखाटाडियाबिछावौ दे  
सांकातणियां ॥२॥ ल्यावोरिसखीभोजनियांजिमावौ बटरस  
व्यंजनियां ॥३॥ पदमभणैप्रणमैपायलागै गावेप्रभुकेगुनगुनि  
यां ॥४॥ पाछीगारीनारदगावै ॥ रागबरवौ ॥ सुनसमधणचतुर  
सुजांणआयाहोतेरेअँगनौ ॥ टेक ॥हैंब्राह्मणराजाभीवको तूम  
रीजजमाना॥खुक्षीहोयदेदछनौ॥सुन॥१॥राजसुहागभामकीपू

री कलिमें ते रौनौ वस दाबोल बमनौ ॥ सु० ॥ २ ॥ मोयित न था लभ  
रदक्षणा लाई कर आदरसनमान येही शोभा अंगना ॥ ३ ॥ घूँघट  
का पाट खोल निजर भर है खूबी दे आदरसनमान जाया तुम दाय  
ललनौ ॥ ४ ॥ जो चाया सो दिया बिप्र को बहुत किया सनमान खु  
सी होय मन अपनौ ॥ ५ ॥ पदम के स्वाभीमगन भयो जै से बरषे  
घन गाजे गनौ ॥ सुन० ॥ ६ ॥ दोहा ॥ हल दहात के सौ तणी,  
सब मिल करे बखौं गा ॥ सब के मन आनै दुभयौ, हर खै सारंग पाँगा ॥  
॥ १ ॥ राग मारु ॥ मोतियन चौक पुराय आँगन में सखियन मंगल  
गाया ॥ मलयागिर की चौकी ऊपर श्री कृष्ण बैठाया ॥ १ ॥ ऋषि  
दुरबासा अक्षत दीन हा कलश गणेश पुजावै ॥ पीठी सों वहला डल  
डावै हँस हँस मंगल गावै ॥ २ ॥ हर की नार करे कौ तुहल आनंद उर

नसमावै ॥ कहौ कहूँ या छबि की शोभा भाहि मा पारन पावै ॥ ६ ॥  
बहन सौ होदरा साज आरती राई लूणा उतारे ॥ तन मन आणा करे नो  
छावर बार बार लिहारे ॥ गवै गीत बजावै बजावा दतारे सन धाई ॥  
हल दहाथ की सुंदर शोभा पदम स्याम बलि जाई ॥ छंद ॥ शारद आ  
दि मन आथ गनपत दयान शंकर को धरे ॥ ब्रह्मा बिद बिचारि ध्वनि आर  
ती नारद करे ॥ इन्द्र आदि महेंद्र आये देव सब जै जै करे ॥ आन कुलगु  
रूप जिगनपति कलश लोथां मेधरे ॥ सिद्ध चारण भटगंधर्व आसि  
कादंबै खरे ॥ दास पदम सुगंध पीठी हरख के मुख चौ परे ॥ १ ॥ राग ब  
संत ॥ हलदी को रंग सुरंगानि पजै माल वै ॥ टेक ॥ कंचन बरण के सरसू  
ई पीरै तां मे बहल सुगंध ॥ १ ॥ या हलदी शंकर मौल वै पारबती मन  
कौ डार ॥ या हलदी ब्रह्माजी मुल वै सावित्री ॥ मन कौ ड ॥ या हलदी

वतीसिधावौ कृष्णचन्द्रकेवैसहरौ मतनादेरलागावौ ॥ ६ ॥  
घोटैसेनोबतखुडकाई गैरोनादबजाया ॥ रापटरोलभईपरवत  
मैं साठलाखगणआया ॥ ७ ॥ कहतसदाशिवसुणोपंचो ल्यां  
अबकोइमतोउपावो ॥ साठलाखकुंजरकेऊपरगहरीभांगलदा  
वो ॥ ८ ॥ स्वामिकातिगणपतिजीचढिया बीरभद्रगणभारी  
सिंहागारयोशिवबहलफोंडियो सङ्गगौरजयानारी ॥ ९ ॥ कहै  
गौरजयासुणोसदाशिवओरकरोसिंहागारौ ॥ कंदनपुरकीहैंसे  
कामनी बादोभेषउतारौ ॥ १० ॥ घेरदारसरपनकोबागोरूड  
माल छबिभारी ॥ बडेबडेनागोंकीशिवनै भरलईनागपिटारी  
॥ ११ ॥ युंकरतादलपुरीपहुँच्यालालध्वजाहफराई ॥ पदम  
भगैमगभ्यपायेलागुंहलधरनारहँसाई ॥ १२ ॥ छंद । जाहुजग

तनरेसबौल्यसिलेखानौआनरे॥१॥तेडेसाहनरथीनिजसा  
रथीनीजसंगरेपीडपलंगपलौणपाखरमौहिनौमकरंदरे॥३॥  
नातलातुरंगताजीघोरजातभभंडरे॥४॥कमेतकालाकान  
डाकिलनालशनोरंगरे॥५॥छुटाघौडासाहनीतुसाहनीबलसा  
ररेदकरैडकुहुडाकावराऔरमाकरीमल्लानरे॥७॥दाणियौर  
परवरहंसारसूचालरे॥८॥मुलतानियाँअरुपरवतीपंचरतनक  
ल्यानरे॥९॥दावडाघौसाबडागीदूदडापथरफोडचंगौडरे॥१०॥  
ऊँचाअलौलाअचपलाचंचलाऔरचपलरे॥११॥नौलखाड  
डगानबागियाँकापूरियाँरुकरंगरे॥१२॥सुवाखंडासौरठामौगिया  
रुसुरंगरे॥१३॥सबखघौडाखहरकाबाबरगरानौआगरे॥१४॥  
हिंणहिंणौमुजंगमुसकीलीलालमारडपलागरे॥१५॥मौलीवर

गाँ अरकिया सुनरा अकगौदरे ॥ १६ ॥ उजलधौला केसरवगाँ  
परागौं पंथ पलौदरे ॥ १७ ॥ दुदलता जीतीतरा चाली अरु जंगरे ॥  
॥ १८ ॥ गिरह्यगौं ओरहरया पदगौं मौरवारुसमंदरो ॥ १९ ॥ अकप  
वनकी चलबराबरयेकपवन पहले आगरे ॥ २० ॥ येकपवनसूचले  
सतगुणखः सारथ जुतवायेर ॥ २१ ॥ येकमहुमाता फिरे अवनकी कु  
छरा केसनचाबरे ॥ २२ ॥ पदमस्वामी भनहरे खचौडा जातचखांरा  
रे ॥ रागमाल ॥ हलदहेंसिया औरअवलिया रथजोडिया केकागौं  
विकालूकवतरा कंकूंधारी चोगायौलीला आगौं ॥ २३ ॥ वोहा  
रकच्छिया बिगड़पाहाडीलीला पंचरतन कल्यागौं ॥ सावकर  
गसूनाबरस्था मातीतरवरगौं आगौं २४ ॥ उजलबरगा कि सौराधौ  
डामेधबरगौं आगौं ॥ काछेला कुरवौनरौडिया कृष्णचाबकिया

आगा ॥३॥ खंवा अरुगौ वपरवानी अटक पुटिका आगां ॥ अइव  
 कां बली खुरा स्या नरा पीला घौडा आगां ॥४॥ गौड बिला सांराज  
 लाला आरिया से भिं बंगाली ॥ तुरकी ताजी अरु चीगा इयेरा की क  
 नकं जंगाली ॥५॥ मोहुवां हस्या संजावर सुखं रांराज मणि आ  
 रायौ ॥ पदम भरणे भगामें प्राये लागूं जा रायौ जिता बखारायौ ६ दोहा  
 बलद मैगावौ बहु गुणों रथ संजुता जाँरा, कौठीगडा जुता ऊयो, ब  
 हलौ तणौ बखौरा ॥ १ ॥ रागमारू । दखण देशरा हुडबहाडा हुडडा  
 रसुथा रायौ ॥ देसमालवछौ टाटे गणपूरवका पछिया रायौ ॥१॥ कछ  
 भुज देसरा टका बहल्या रीडौ की अधिकार्ह मध्य देसरा खरासौ ह  
 नौह बहलौ धणी बिडार्ह २ ॥ बागड देसरा भौडल्या चौमे बाडौ रेलवेरा  
 मारू धरसौ गालाल्या वौवुज भौमाका गौरा ॥३॥ गौड देसकाची

वसुदेवजीमुल्लवैदेवकीजीमनकौडा । निपजे ॥ ४ ॥ याहदीशिव  
 कर्णभक्तहितपदमइयामनकौडनिपजैमालवै ॥ ५ ॥ रागवरवौ ॥  
 म्हंगांधीप्रभुरावरौ भोरहिंउठधायौ ॥ टेक ॥ बहुतसुगंधीपीसके  
 मेंसुगंधबनायौ ॥ मरबादौनौमौगरौचंपोपिसवायौ ॥ म्हंगांधी ॥  
 ॥ १ ॥ कपूरकचरीपानडीछरछरीलौमिलायौ ॥ नागरमौथामान  
 सीजामेंअसरिलायौ ॥ २ ॥ अगतरगरभरपूरहे मगमदमनभा  
 यौ ॥ केशरजाबजजायफरकपूरीठिलायौ ॥ ३ ॥ चंदनतेलइलाय  
 चीथेसौमेलमिलायौ ॥ हेमकलशशिवकर्णभरपदमइयौलयायौ  
 ॥ ४ ॥ रागखभावचकीठूमरी ॥ रूपसुल्यौघनइयामउचटणौ  
 चढयौछैबना ॥ टेकारतिबसभईअपसरामौहीदेखतभइजीनिहा  
 ल ॥ १ ॥ थिरभयोपवन रबीरथंवे देवनपुस्पप्रहार ॥ २ ॥ कोटि



मनोज रुपे विवाहं सरसं करुणं हृदयं ॥ ३ ॥ सत्यं व्यत्यज्य जगन्निर्गुण  
दमद्वयौ हृन्मृगाश्च वारोऽवतर्गोऽसु ॥ ४ ॥ नरो ह ॥ ५ ॥ अथावमगोऽपि नून  
संसृणुज्यौरद्वयौ समुज्जागान्मन्त्रं केसुं अरिओ निश्चिन्तयामि क्षणमा  
न ॥ ६ ॥ शगमाक्षान्द्वयौ निमिद्धागं जराजन्मिभगनोऽश्वान्मनो  
विश्वीपतिमंडलमूनगमाजीवकं नूनं तुल्यौ १ ॥ अथासकहीनैक्यो  
मन्मथान्निव्यासतुं सज्जानौ ॥ २ ॥ अथासकहीनैक्योऽपि विष्णुः सिद्ध  
जोऽगस्तव आनौ २ ॥ कश्चिन्मन्त्रं ॥ ३ ॥ अथासकहीनैक्योऽपि विष्णुः सिद्ध  
गच्छाज्याभिर्द्वयौ जातेऽसकहीनौ ॥ ४ ॥ अथासकहीनैक्योऽपि विष्णुः सिद्ध  
हृन्मृगाश्च वारोऽवतर्गोऽसु ॥ ५ ॥ अथासकहीनैक्योऽपि विष्णुः सिद्ध  
जगन्निर्गुण ॥ ६ ॥ अथासकहीनैक्योऽपि विष्णुः सिद्ध  
दमद्वयौ हृन्मृगाश्च वारोऽवतर्गोऽसु ॥ ७ ॥ अथासकहीनैक्योऽपि विष्णुः सिद्ध  
संसृणुज्यौरद्वयौ समुज्जागान्मन्त्रं केसुं अरिओ निश्चिन्तयामि क्षणमा  
न ॥ ८ ॥ शगमाक्षान्द्वयौ निमिद्धागं जराजन्मिभगनोऽश्वान्मनो  
विश्वीपतिमंडलमूनगमाजीवकं नूनं तुल्यौ १ ॥ अथासकहीनैक्यो

नम्रातिपालौ॥भिसडौजुरासिंधधराजामेंसबमिलैंजानेंचाला॥  
॥ ६ ॥ धरमपुत्ररायेंबोलेंअबकोइमंत्रविचारौ ॥ उदधिपुरीच  
लणौहैंचहियेकोइजीतैंकोइहारौ । अरायभगेंकुंतौसौहंतीज  
ननीबुद्धिबतावौ ॥ पारब्रह्मकाचरणगहौं गैहारीकदेनहिंआवौ ॥  
दकेसौअपनाअपनकेसौकायेहकारजकरआवौ ॥ पीठकेददरभ  
रतमतमाजौभैरोदूधलजावौ ॥ ९ ॥ जौड्यहातपुत्रमातासंसुगौ  
आदकीमायायेहतनमनकेसौपरबारौतौकुंतीकाजाया ॥ १० ॥  
क्षौहाणिसातजालंधरवगरगिगनखेहजायलागी ॥ मेघअडंबर  
भिलकेसौहैचढेजौधिबडभागी ॥ ११ ॥ यादवथकितहुवादेख्या  
तेंदलपांडवकाभारी बेदव्यासकीकरौआरतीबोलैंकृष्णामुरारी  
॥ १२ ॥ कंचनथालभन्यामोतियनकारजपौलसिंगारी ॥ बेद

व्यासकीकरीआरतोपदमभगतबलिहारी ॥ १३ ॥ चढाईशि  
वकी छंद ॥ दोहा ॥ कृष्णभगौबलदेवसुगुभाईबलदेवागिरी  
केलाशसिमेरमेतपैदूमरोदेवारागमाहू। तपैदूसरोदेवसदाशिव  
जिनकून्यंतबुलाओ ॥ विषटाल्यासेबातनकरणी परवानापहु  
चाओ ॥ १ ॥ लेपरवानोंसांड्योचाल्यो गिरकैलाशासिधायो ॥  
शिवजीसांड्योआवतदेख्यो दृणीध्यानपलकलगायो ॥ २ ॥  
करदंडोतदईपरकंभमां चर्णाशीसनवाया ॥ चलोचलोशिवश  
करस्वामी तुमनेकृष्णबुलाया ॥ ३ ॥ हाथजोडकेगौरौबोली  
इनबाताकेपावौ ॥ कुंदनपुरहरयुद्धजितैगामुडोकठे दिखानौ  
॥ ४ ॥ कहशिवशंकरसुगयेगौरौबयाकीजानबणानु ॥ भाईनहीं  
लपीमेरैकैनेन्यतबुलाऊ ॥ कहगौरज्यासुणोसदाशिवद्वारा

तमकालागुजरातीवडकानां देसबंगालेछोटागणानुपेबहुतअ  
मानौ ॥४॥ कसमीरकाधौलापीलासिराज्यैखुरसाणौ ॥ पदमभ  
गुं प्रणमै पायेलागैबहलांतणौबखाणौ ॥ ५ ॥ घोडाबहलमैगाया  
भारीउठौकरौतयारी ॥ लखसांड्यासिंगागारसरीखाअनडभडा  
असवारी ॥ ६ ॥ कवित्त ॥ ऊँटगलाऊपराबलादारबौलाडे ॥ दियो  
हुकमदीवांणकहरताकीदकराडे ॥ सांडीबालसताचचढीसांडि  
याचलाया ॥ राहूरुतरवारधूतधरचौहधकाया ॥ आगियांधिरअ  
खाडेमलखौदधडायारूँटडा ॥ नखतोडनेडावलायानिडरआण  
मेकायाऊँठडा ॥ १ ॥ रीबघडारातडा बैराबडबडाटबोलंता ॥  
कालभूराकेसचालआपजोरचौलंता ॥ जोडेनीसरजायबलेखर  
गोसविचाला ॥ पडमजबूतपहाडमंदबहतामतवाल ॥ जेकलज

डगचौडाजवरलंबालगासलडंगसा । धूनाअतीतधूणीधर्यांगभ  
राभूतमडंगसा ॥ २ ॥ बडबडातबोलतां गजबकरतागरडाटाफ  
डफडाटकेफरा चटचटरखीचरडाटा ॥ ऊठसमेलाआयमिलभे  
लामदमाता । हरदवारहाकियाजेमजोगैद्रजमातागूगागाजा  
डागहलागडंगरावणचढरैमरा । ल्यावतावारलागेनहींसमा  
चारसौकोसरा ॥ ३ ॥ भलाकुंठभारकाअसुंडजबराअंभारी । ल्या  
यानीठलठौररीठहरसुंडरेबारी । कोईकहावैकाबलीअडोखमर्या  
ग्रउबासा ॥ बहैढाणबवरसजनकेभाईजमरासा । असुंडापाहाड  
राटधरगडगडाटकुमागाजे । अतरीअवाजबोलणअसीबढेराज  
सुथरीबजे ॥ ४ ॥ पडपौतापवनाराजौममाताजाखौडा ॥ तुलूधौ  
लुगथगातताखडवेताखौडा ॥ कसतौफाकूचियालालफुंदालट

कावै॥ भैलेसीसभौलियां मछरकतामनभावै॥ धरराटकरगाजै  
घटा सरायकणसाथरे ॥ करेहलारीभबकसुंणजगेविसंवरनाथ  
रे॥ ४॥ बुगदीववरबिलौच जिनकेगुरधराजाया॥ मारूधरारा  
ऊपनामौलथलवटमौलाया॥ जालौरीजातरामस्तजंगमौलघ  
गोर ॥ जजौडेजूटियांउडेघौडांअधकेरा ॥ पहाडउठायजार्खी  
प्रगट बाकीलीघाडालता ॥ गाढागुसेलरूसेलगध बीफेरलवा  
गौलता॥ ६॥ ऊंचाथुहाउतंगसीसटामंकसरीखा ॥ लडबेबडान  
लायतकेखडेवअतितीखा ॥ खसेटलाटलखाय छजेअंगईडर  
छोट ॥ बगणभगणवांमराआंगधरदियाअंगौठा॥ र्वीजियांदांत  
पीसेखडाअंधखंधअहंकारमें॥ नौहताजौधसौवेधणां॥ श्रीकृष्ण  
तणांदरवारमें॥ आरेबारीरावलाजडंगडाकीजौवर ॥ रूवाली

रींछसा भूतबिडरूपयंकर ॥ ऊनाबसतरऔढ येकभगपदुधआ  
रौगणा॥कांकसहंदाकीसानिसूलचढरह्यातमौगुणाजगलीजर  
॥ खवहेताजिस्याकालजरूपीकहै ॥ चरवैऊंटजादवतयांरात  
दिवसदौलारहै ॥ नारागमारुइगणबिधऊंटयेखटाकीयाभल्लआ  
खाडेल्याया॥जमरादूतजिस्यारेवारीघेरबरोबरधाया ॥१॥ भू  
राभगदडभूतभमंडीदौडिधणांउताला॥अंगउघाडेवभरुवरग  
देतसरीखाकाला ॥२॥ जंगीऊंटसलीतांकारणचढवाकाजसहे  
ला ॥ लंबीनालबहैऔचकताटौडअरीदलपेला॥हस्तीघुडला  
ऊंटबहलरथसाहणबाहणताता॥कहारकौटपालखीकारणहुड  
दंगामदमाता॥४॥जगमगजानकृष्णकीसोहै सोभासकलसरा  
वै ॥ पदमस्यामाशिवकर्णमनोहर बनडाकेमनभावै॥५॥छंद॥

गणपतीध्यायसरस्वतीनवमानिकापूजाइये ॥ कुलदेवदेवीइष्ट  
कामिलनारमंगलगाई ॥ १ ॥ कनकथालरु रतनभारी जमन  
जलभरवाइये ॥ मलियागिरीरतनचौकी बनाकूँबैठाइये ॥  
॥ २ ॥ केसरअगरकरपूरअंतरअगरमुस्करिलाइये ॥ जवचूणी  
हरदीतिललेरसुगंधसकलमिलाइये ॥ ३ ॥ मरदनसखीमिलस्वा  
गणीं दधिसहितमलनकराइये ॥ चढ़ायतेलन्हवायहरिकोपी  
तांबरपहराइये ॥ ४ ॥ सिरमुकटऊपरसेहरौ कटिफेंटडुबटौल्या  
इये ॥ मुखमलकाजोडाजरकसी लेस्यामकूँपहराइये ॥ ५ ॥ कूँकू  
कटोरेहेमकेसरगोरोचनपाइये ॥ गजमोतियांकिकरौअक्षत  
तिलकभालबनाइये ६ ॥ निंबकधौकगुरदेआसिकानवमानिकापु  
जाइये ॥ करआरतीशिवकर्णपद्मसुममंगलगाइये ॥ ७ ॥ राग



पठ॥ सांपडर्यामसिंहासनवैठा सखियननानावननावैरी ॥ टेक ॥  
पचरंगपागकेसरियाबागौ मोहननेपहरावैरी ॥ १ ॥ केसरतिलक  
कच्योकेसवकेअरुसिरमौडबँधावैरी ॥ २ ॥ गलमोतियनकीआ  
लासौवैदुपटोफैटबँधावैरी ॥ ३ ॥ जादूपातिकीकरौनिकासी घोड़ी  
बेगमँगवैरी ॥ ४ ॥ पदमस्यामसुखदायकनाथक अबनयूँढील  
लगावैरी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ यादवामिलकौकिया सबमिलवैठाआय ॥  
नौतातणींजुहारहेजाजमेदवबिछाया ॥ १ ॥ अथ भात ॥ नाई  
कोजदबेगबुलायोबाइथारोबाबोजीबुलावै ॥ उगसेनजीआया  
भातलेभांभांभातगुवावै ॥ १ ॥ चंदनचौकीकलशमँगायो ॥  
सखियनबेगबुलावोकनकथालसजलियोआरतीमंगलाचारगु  
वावो ॥ २ ॥ आईदेवकीसाजिआरती मनमें हरषसुवायो ॥ वीर

विनावाइखड़ी उनमणी नैणामेंजलछायो ॥३॥ बाइजीरोभी  
ज्योकांचुवोचितपरआयोभाई ॥ उग्रसेनजीचुंदडीउठाईअप  
गेपासबुलाई ॥४॥ पाँचपदारथघालआरते हीरारतनजुहार ॥  
आरतीकरअंदरआयाहोरह्याहरषअपार ॥५॥ वसुदेवनेसीरो  
पावजदीना हीरारतनजडाया ॥ एसो भातभर्योराजाजीति  
नकापारनपाया ॥६॥ छप्पनकोटि तोतीलजरीकी रेसमकोटि  
पचासा ॥ खासा औरअदर्विदान्यापैरायारणवासा ॥७॥ उग्र  
सेनजीआयाभातलेसारानेगन्धुकाया ॥ हरषभयापुरीमेंअति  
भारी सखियामंगलगाया ॥८॥ सतराजितसत्यकीसोभासब  
यादवमिलआया ॥ जबीकृष्णजीनोतीलीन्योयादवकुलसब  
लाया ॥ ९ ॥ हीरारतनजुहारमोतीकनकथालभरल्यावै ॥

पदमभगौप्रणमैपायलागैसाखियाबनरागावै॥१०॥ रागठुमरी  
बनापरमोतीवारूँहेजोवारूँहसोइथोडावनापर०॥ टेक॥ सिर  
सोनेकोसेहरोबिराजे मोहनरूपानिहारूँहे ॥ १ ॥ बहनुसो  
दराकरेआरतीपलपलप्राणजुवारूँहे ॥ २ ॥ पदमभगौप्रणमै  
पायेलागैआगेजनमसुधारूँहे ॥ बनापर० ॥ ३ ॥ रागठुमरी  
आजकीघडियाँहरंगी ॥ टेक॥ निरखिलियोनवरंगवनाने भर  
भरकैनेननियाहे ॥ १ ॥ सोनेकोसूरजआजमलऊगोयादवपाति  
बनावनियाहे ॥ २ ॥ चितवनमेंचितछीनलियोरी अनियारीनेन  
नियाँहे ॥ ३ ॥ पदमभगौप्रणमैपायेलगंगावतप्रभुगुनगुनियाहे  
॥ ४ ॥ रागमारू ॥ इंद्रघरासुंधोड़ीआईघोड़ीरोमोलचुकावौ ॥  
येकुणघोड़ीरोमोलचुकावैएकुणवैखसेदामौ १ येकणघोड़ी

रा आयक पायक यौकुणहै असवारौ जी ॥ सांणी घोडी रा आयक  
पायक कान्हकै वर असवारो ॥ २ ॥ इंद्रघरां सुंघोडी आइ घोडी रो  
रूप बखाणौ जी ॥ खुरखरताली कंचन केरी मुरचां ने वर जाणौ  
इ लाल लगाम जडी कडिया लां हीरा जडित पलाणौ ॥ भिलमि  
ल भिलमि लमोती भल के जीणु बंनती आण्यौ ॥ रतन पदारथ  
मोहरां पोया के सामोती सान्या ॥ साजि सिंगार साहणी लयायो  
धरत्यां पावन धारया ॥ ५ ॥ राय जादे तब करी निकासी करे  
पवन से बाता ॥ पदम भणौ प्रणामें पाये लांगै कान्ह कै वर रंगराता  
॥ ६ ॥ दोहा ॥ नीकासी के शौतणी, याचक मांगे दान ॥ रतन जटित  
को सेहरो, ओल ग्यां ने दान ॥ १ ॥ राग मारु ॥ कर सोला सिंगार  
कामणी ये कयेक अधिकारी ॥ श्री कृष्ण के सुरमैं सारयो हल धरजू

की नारी ॥१॥ सुरमासार भई मुसकानी हमराने गचुकावो ॥ नव  
लबना की छवि परवारी चढकुदन पुरजावो ॥२॥ गो कुल अरु बृंदा  
वन मथुरा बृज की भूमि लिरावो ॥ भावज महार सुरमौ सारथी बाधा  
ई भरपावो ३ कांइ जी कहै थारि मथुरानगरी बातौ आपर खाज्यौ  
ले कर लाडि परण पधारो पहली पायल गाज्यौ ॥४॥ भैरम दंगसे  
बाजा बाज्याराग छतीसो साज्यो ॥ कुंदन पुरने करीत यारी चवदा  
भवन के राजा ॥५॥ खड़ी अप्सरा निरत करत है चिरंजीवो याजो  
डो ॥ पदम भंगे प्रणम पाये लागै आप चढे हरि धोडो ॥ ६ ॥ सब  
जानी जातु चढे उगसे नव सुदेवा रतन जटित हरि से हरो मोतियन  
बूढा मेह ॥७॥ डेरा दीन्हा बाग मै भेला हुवा सब साथ ॥ रुकमणि सा  
बासा कडौ बग चढो परभात ॥८॥ भैरद मामा वाजिया परी निसा

गांघाय॥चढियो त्रिभवनराजवी दासपदमबालिजाय॥४॥ ब्र  
ह्मादेवपधारिया, हरिसौपुंछेआय॥हरजीकहकारजकरोजानभे  
लीहोयजाय ॥१॥ रागमारु॥जबब्रह्मानेघडीरचाईसप्तदिवस  
कीयेको॥कारजकराविहारीकेरौ सभी नजरभरदेखौ ॥१॥ छ  
पनप्रहरकोयेकदिवसकरब्रह्माघडालंगार्ई।सुरनरनागदेवद्विज  
जानी भयेयेखठेआई॥२॥थिरभयाचंदसूरथिर हुवायाविधल  
ख्योनयेको॥पदमभरणैपायेलागैकरल्यौकाजअनेकौ३  
॥रागमारु॥धर्यौध्यानहिरदामें माधौशंखपचायगपुरा॥ता  
नलोककेसुरनरमुनिजनजानवानवादलज्यूलुरा॥१॥देवारदलनौ  
बातवाजिदानारादलचूरौ। पदमभरणैप्रणामपायेलागैसन्नमिल  
मंगलपूरो२॥रागमारु।येकब्रह्माकीआइअसवारीदसक्षोहणद

लआया सुरनरमनिजन औररिषेद्वरदेवतगां दल छाया १ नव  
नाथचौरासीसिध्यांशिवशंकरचढआया। बालदभीं डियकरीस  
बारीरुंडमालढलकाया २ नऊंकोडुदुरगाचढिआईधवलागढ  
करीराणीं॥ बावनभैरूचौसठजोगनिलुँकडियाँअगवाणीं ॥ ३ ॥  
इंद्रपुरीसेचढयाइंद्रराजादलकापारनपायाबाजाबाजेअंबरगा  
जेइंद्रतणादलआया॥ ४ ॥ ब्रह्माविष्णुमहेशभणींजेछप्पनकोटि  
कुलसाखा॥ टाटरटोपजंजीराबगतरसाजभरीसतलाखा ॥ ५ ॥  
असीलाखकुंजरसिंगान्यास्वेतवरणसुंडाल॥ ढलकेढालफरू  
केनेजाचालीपरवतमाला ॥ ६ ॥ नवसेसहसनिसांणदडूकेसाव  
करणबहुछूटा॥ सहसअठ्यासीरिखचढआयानेमनाथलपूठा ॥  
॥ ७ ॥ शंखनादजबबाजनलागेनवसेसहसूनगारा॥ कुंदनपुरको

करी साखरीपदलदलअमवारा॥८॥ अधकीफाजसबलसखा  
दिकसंपटिया फरवरिया॥बारहछोहगलेबलभदरहरिपीछेसां  
चरिया॥९॥चवदालाखभन्याचीणीका घिरत लाखपचीसा॥  
चावलमैगभरथामेदाका करहालाखछतीसा॥१०॥कैहहौदा  
अरुकेइअंबाडीकेइबैठासुखपालां॥कानांमोतीभिलकतसोहे  
ढलकरहीहैढालां॥११॥कनकतणींतहनालजडाईघालीगंधर  
माला॥दलंचहुँदिसहुँदहलहल तेजीछुटेउताला १२॥सिद्ध  
जोगमेलियौमुहुरतहरिवैठारथमाहीं ॥ रतनजहितकोरथजु  
डवाथोरानीरुक्रमगताई १३॥साढीतीनसैछनभलककेमेघाड  
बरभारी ॥ रवितलदूजाऔरनकोई कृष्णतणींअसवारी १४॥  
त्रिभुवननाथहरखिमनमाहींव्याहनभीमकुमारीपदमभणेंप्रण



मैं पाये लागूँ ऐसी जान सँवारी ॥ १ ५ ॥ दोहा ॥ सबी जान जाना दूजुहे,  
सुरनर मुनि जन मांह ॥ दिष्ट दर्ई सब देखके, गणपत देख्या नाहि ॥  
॥ राग मारु ॥ और जान में सबही आया गणपत जी नहि आया ॥ न  
न पत जी को बेग बुलावो नारद मुनी पठाया ॥ १ ॥ नारद जाय कही  
गनपत ने बेगा आप पधारौ ॥ पदम भगें नारद यूँ बोले संकठा बिघ  
न निवारौ ॥ २ ॥ दोहा ॥ गणपत सुगया संदे सडौ आनंद उर न  
समाय ॥ मूसालिया सिंगारके चढ़े जान में आय ॥ १ ॥ गणपत  
जी ने देख आवता नारद कहिये भालौ ॥ गणपत जी ने पाछा मेलौ  
गढ पौल्यां रखवा लौ ॥ ६ ॥ सँड सँडालौ दूदुदालौ भोजन  
घणौ अहारी ॥ गणपत जी ने पाछा मेलौ लाजे भी वकँवारी ॥  
॥ ३ ॥ मोटी पीड्यां लगे थंबसी मस्तक मोटा कानौ ॥ गण

पतजीने पाछामेलोमैंडीदीखेजानौ॥४॥हलधरकयोबचनके  
सबसेथे गणपतनेंभाखौ॥सूनीपुरीसल्हामेंनाहीं गणपतजीने  
राखौ॥३॥ पीछौजाम्हारागणपतगरवा गढपोल्यांरुखबारा॥  
थेम्हारहलधरकीजागांधणौंभरोसाथारो दयहसुगणवचनकृण  
के गणपतहरखचल्योमनमाहीं॥आगेबडीलडाईहोसीजायर  
करतोकहिं॥७॥नारदमुनीजनमकोचुगल्यो जायगणेशसिखा  
यो॥लाजांमरतापाछोकाढ्यो किणथानेंकोटबुलायो॥८॥को  
पकियोगवरीकेनंदन मैसालियाबुलाई॥म्हारीतौपतथेअबरा  
खौहुईधणीहलकाई॥९॥टूटीधुरीअडेपाचिरियापैदलचलाए  
नपावै॥खांदमेदनीपोलीकरद्यू जदम्हानेजसआवे१०मैंसां  
जायमेदनीखोदीगनपतआज्ञापाईपैदलपांवधरणनाहिंपावैस

बरथदियाथकाई॥ ११॥ टूटेघूरिअडेपाचारिया रथांभडाभडना  
थी॥ घोडाऊंटरकसबहामेगुडमहलांओहाती॥ १२॥ जबओ  
कृष्णहलधरसे सुनियो समृथभाई । येतोकरमकियोगनपत  
नेगणपतल्यावोमनाई॥ १३॥ मंत्रीजायकहीगणपतनेबागाजा  
नपधारो॥ चालचालमहारागरवा गनपतथांबिनकृष्णकैवारो॥  
१४॥ कृष्णकैवारोमहारोकांइसारोगढपोल्यारखवारो॥ म्हेंवार  
हलधरकीजागांघणोभरोसोम्हारो॥ १५॥ सबहीदेवशिरामणि  
रांकरजिनकेपुत्रकहावो॥ हलधरकृष्णमनावणमेल्याअबक्यो  
वारलगावो॥ १६॥ म्हेंकयूंचालांम्हांनेमेल्याराखीकांईबडाई॥  
म्हेंतोवारदायनआया सारीजान सराई॥ १७॥ सबपहला  
सिंगण गणपतको पहलीकिरत कराई॥ सबसेआदितुमारीपु

जाफिरदेवनकोबडाई॥१॥नासूँडसुंडालौहुँदुहुँदालौमस्तकमो  
टाकानौ॥म्हाचाल्यौसबयादवलाजेमूडीदीसेजानौ॥१९॥  
मोटीपींडीलगेथांबसीभोजनघणांअहारी॥म्हारेचाल्याकृष्णा  
लजावैलाजेभीवकैवारी॥२०॥जायकहैथिहरिहलधरनैमंत्री  
पाछाजावौ॥म्हांचाल्यांसबसाथलजावैचढकुंदनपुरजावौ।  
॥२१॥मंत्रीआथकृष्णसूँबाल्यागणपततोनाहिआया॥पदम  
भगौदुदालौगणपतम्हांसूँयूबतलाया॥२२॥रागसोरठागणपत  
आयाराजसरेगो॥म्हारेनवलविहारीजीरोब्यावागणपत०॥१।  
थांचाल्यासूँमंगलहोवेहुँखदालिद्रहरेगो॥गण०॥२॥सूँडसुंडा  
लोहुँदुहुँदालोशिरपरछत्रधरेगो॥गण०॥३॥पदमभगौहलधरक  
रजोडिचाल्यांकाजसरेगो॥गण०॥४॥दोहा॥जायगणेशमना

विद्यापूजाकरीमिंदूर ॥ परकाजांसमश्नहौसबबातांभरपुरा॥१॥  
थानेरुस्यानासरेगुणगौरीकापूत॥ मंगलदाताअपहोहरिसंबा  
धौसूत ॥२॥ रागभारु ॥ सोमगुमूंगसवासैमनचावलाधिरतिनि  
वेमगोल्यावो॥ इतरातोकहैकलेवोजीमगुसंगलेजावो॥३॥ च्वा  
बलमैंगधिरततौद्विगुविधिसौमनलगेमिठाई ॥ इतरौतोम्हैकरां  
कलेवोजीमापंचमिठाई ॥२॥ श्रीकृष्णरुकमगुनेपरनेम्हाने  
काईलावो॥ बींदवीनडींपरगुपधारेगगपतरहैकैवारो॥३॥ पह  
लीब्यावबिन्यायककरसीपीछेऔरबिहावौबोलेनारदसुगोकु  
षणजीगगपतनेपरगावो॥४॥ दोहा॥ विघनहरनमंगलकरन, स  
दारहैथिरथाय ॥ सुरथेकरोमनावगौबैठारथकेमाय ॥१॥ राग  
भारु॥ परगयांपरगयांजानपधारोम्हैछूअकनकैवारो॥ आगेका

मणगारीगावैलांजेगोतहमारो॥१॥ थेतोसगलापरण्यांपात्या  
गालकैवारांनेगावै॥ कहैगणपतीसुणौकृष्णजीमनेकालीकूर्ता  
परणावै॥२॥ हलधरबचनकहैगणपतसेक्युनहिजानपधारो ॥  
पाछिव्यावहोयश्रीपतकोपहलीहोसीथांरो३॥ बिनभूपालव्याव  
नाहिंकरसूगणपतबचनसुनावो ॥ जिनधरकन्याहोयकैवारीसो  
महिपालबतावो॥४॥ धारानग्रयेकपोहोपराबहेतिनकेकरांसगाई  
येकजकरश्रीपतजीपकन्योदूजोहलधरभाई ॥६॥ दोयमुकाम  
दियाधारामेंचवदाभवनकेराजा ॥ गणपतजकिंटीकोदीन्हा  
बाजेनौबतबाजा ॥७॥ जैजैकारमंगलधुनगावे तांबागलघ  
रावै ॥ तेलबानगणपतजीबैठासोमावरणिनजावे ॥८॥ पोहो  
परावधरआनंदउपज्योनगरीहरखबधावोपदमभंगेप्रणमैपाये

लागूं सखियां वनडागावै ॥९॥ राग सोरठ ॥ गणपत जी वनडा आ  
याजी ॥९॥ टेर ॥ मोतियन माल मोतियन को सेहरो सुरज जो तस  
वायाजी ॥ गण ० ॥१॥ धारान ग्र की सबही कामिनी निरख तरुप  
सवायाजी ॥ गण ० ॥२॥ कर पर सीमूसा असवारी चंदन खौल ब  
नायाजी ॥ गण ० ॥३॥ पदम भरणें पाय लागूं आनंद मंग  
ल गायाजी ॥ गण ० ॥४॥ राग मारू ॥ मंडप हे मतणारौ जा के चैव  
री हे मचन आई ॥ रिद्धा सिद्ध सूं कियोगण जो डो सखियन मंगल गा  
इ ॥१॥ रिद्धा सिद्ध तणां बीदन देख्या ये से कह नर नारी देखे बिधना  
रिद्धा सिद्ध को बडेरूप सुंदारी ॥२॥ और अंब सब बणयो पुरुष को कु  
जर को उणियारो ॥ हलधर कहै सुनौ कामिणि याथे काइ रूप बिंसा  
रो ॥३॥ सब देवन में देव शिरो मणि गणपत नाम कहवै श्रीपति सुहे

रूपअधिकाई शिवको पुत्र कहवै ॥ ४ ॥ राजा पुष्पक कहै हलधर से  
और रूप अधिकाई ॥ अधिक सँडकुंजर सी दीखेशो भावर निन जा  
इ ॥ ५ ॥ श्रीपति बचन कहै राजा से और रूप बरदाई ॥ रिधा सिधना  
रिवहुत सुख पासी ॥ इनकी गहुत बडाई ॥ ६ ॥ जब सहेलै तो रण बाध्यो  
कामाग्नि मंगल गाया ॥ कंचन थाल भरे मोतियन से कै चनकल सब  
धाया ॥ ७ ॥ कै सर अगार कपूर चो परे सासू आरत्यो ल्याई ॥ देखि सँड  
जव गणपत जी की मंदमंद मुसकाई ॥ ८ ॥ यह रूप वर रायो नहिं जा  
वै सोना सँड बन आई ॥ येक सखी मिलि चावल लीन्ह ॥ रिधा सिध भूब  
तलाई ॥ ९ ॥ पीछ्यो सरस बांधि चावल को धूध टबढ़न छिपाई ॥ चाव  
ल हलद दई गणपत के पदम भगत बलि जाई ॥ १० ॥ राग सोरठा गे  
साये गजराज बनाने काम गाकरा आई ॥ काम गाकर बा आइलाल



जिनेहरखि निरखि गुनगार्ह ॥ टेक ॥ धारानगरकी पांच सात मिल  
कालौ डोरौ ल्याई नीबू और मैल फल ल्याई कछु ककरी चतराई १  
काथे पान सुपारी राचेराचे रिधसिध बाई ॥ छप्पन भोग छती सुविज  
नलूणां मिल्या सरसाई ॥ २ ॥ रिध्या सिध के बस मै रह सा भूले नही भ  
लाई डोर के बस गांठां दीन्हि गांठी घणीं घुलाई ३ चरखी मोर जुज  
रवा छूटे छूटे बाण हवाई ॥ गजानंद की या छ बिऊ परपद मइया मव  
लिजाई ४ राग मारूपांच पदारथ धन्या थाले मे आरतियों करवा  
यो ॥ गजानंद जी चैव रखां आया चैव रखां चैव रहु लायो १ रिधसि  
धनारिके रोसिण गारो मन मे आनंद अपारो सारी सखियां यूँ उठो  
लो फेर करेन पधारो ॥ २ ॥ गजानंद सूँ कियो गण जो डोब ह्मावे दउ  
चारो ॥ सुरते तीसो हरखहु वाहे बरसत पृष्प अपारो ॥ ३ ॥ रिधसिध

सूकायागणजाडामघाडंबरछाया॥जैजैकारभयो॥त्रिभुवनमस  
बहीमंगलगाया॥४॥गजानंदजबारिधासिधपरणो जोडवैठाहत  
लेवो॥वासुदेवकहैरोजासेहतलेवोरछुटावो॥५॥पोहोपराज  
वरआनंदप्रगट्योमनवौछितफलपायो॥रणतभैबरकोदियोपर  
गनौहतलेवोरछुडायो॥६॥रतनपदारथबहुताहिदीयाहतले  
वाकेमाहि॥पाँचपरगनादियाकैवरनेभलीभांतिकलाई॥७॥  
बडीबडरभातहीदीनहौसबदेवनकेताई।सुरतेतीसैकरीजैव्हा  
रीछपनकोटपहिराईदजैजैकारभयोनरनारीसुरद्वंदुभीबजाई  
पदमभगोंप्रणमैपायलानौसखियांगारीगाई॥६॥रागललित॥  
सुगगणपतजीरैजैवाईथारकुणबालकुणमाई॥टेराथारीमा  
ताराजकैवारी॥थारोबाबलभयोभिखारी॥१॥थारीभील

गोरूपभइमाई ॥ वहवानलछलवाआई ॥२॥ शिवभोचीवना  
 केआया ॥ थारीभाकेमौचडील्याया ॥३॥ येसपदमभगतगंगा  
 गावै ॥ सवसखियनतालवजावै ॥४॥ रागमारू ॥ परणागजानंद  
 रथमेंबैठाहरजीवचनसुनाई ॥ भलीभांतिसेकरिसमदोगीरेध  
 लिधनेंमुकलाई ॥१॥ जैजैकारमेंगलधुनगावैतांवागलघररावै ॥  
 पदमअगोप्रणमेंपायेलागै कृष्णकंदनपुरआवै ॥२॥ दोहा ॥ ह  
 रियलसुवाबोलिया, हरेअवकीडाराकुभकलससाह्वाहुवा, औ  
 रसुगांकीडार ॥१॥ अथकंदनपुरकीकथाप्रारंभः दोहा ॥ सुपनभ  
 याज्यैरुक्मणी, निरखतसुन्दरइयासाजोतुमद्वारकानाथहौको  
 नतुमारोनाम ॥२॥ नामहमाराअनंतहै, पुनिअविनाशीयैक ॥  
 नवहमारेविरदको, जाकी नायडिगणदूटक ॥३॥ रागसोरठ ॥

माइरोहंसुपनामेंपरणीगोपाल ॥टेर॥ रैनकिबातकहाकहूसज  
नीसुपनामेंभईहूनिहाल॥१॥ जोथानेंसुपनौआयोवाईजीसुप  
नोछिआलजंजाल ॥२॥ मोरमुकुटपीतांबरसोहैअरुबैजंतीमाल  
॥३॥ रुचरुचहरजांकठलगाइ हातंछिमेहैदीलाल॥४॥ छुपन  
कोटियादवजुडआयेदुलहौछिनंदजीकोलाल॥ पदमभगोंप्रण  
मंपायलागैं बरपायो रिछपाल ॥६॥ रागसोरठ को कहरवौ॥  
आप्यासखिकंचनकिरोडमतीयेपतीजो ब्राह्मणों ॥टेर॥ ब्रा  
ह्मणहैसखिकिसडादोस हरिदानासोंडरह्यो ॥ भेलादानवाँसे  
रह्योडरतो हरिनसक्यौआयरी ॥ केउनमोह्याकबरीकेरह्यारंगम  
छायरी ॥ कंचनसीकायासंकल्प करडाखूं याको भंगरी ॥  
शंकरआगेसीसमेलूं रहूँकेशवसंगरी ॥ लौडक सोरठा ॥ थोरतो

कारणसौवराकष्टसयाजघणौपदमभणौविटलदलआवैमो  
भुजफरक्याहैंमतणौ ॥ १ ॥ रागबिहाग ॥ नाथनाहिंआयेरी  
सजनी भैंझुरकरहीमगजोय ॥ नाथनाहिं ॥ टेर ॥ वोद्विजतौमत  
लबको गरजी रह्योकहांईसोय ॥ १ ॥ जोप्रभुजी कहुंनायप-  
धारे कहें मै कौनउपाय ॥ २ ॥ बांचेकेपतियांमेलदहरीकेजुगये  
विसराय ॥ ३ ॥ पदमकेस्वामीबेगनमिलिहै हंससहीउडजाय  
॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ कोइजीकहौम्हारेनाथनैजी थारिनारनि  
हारेबाटाटेकाभाईरुकमबुलायौडाहलआयोलेदलथाट ॥ १ ॥  
तीनदिहाडाद्विजकोबीताकीन्हीढीलनिराट ॥ २ ॥ मोयशिशु  
पालस्यालसोदीखै करत कलेजेकाट ॥ ३ ॥ नाथबिनाग्हेविष  
भख मरिहौ और नहींकोइघाट ॥ ४ ॥ छिनछिनमोकू कल न

पंडित है पलनीचपलखाट ॥५॥ पदमके स्वामी जबहि पधारै तब  
हिमिटे औचाट ॥६॥ रागसोरठ ॥ अजहुन आये सखी पछ्यो न  
संदेश ॥ टेका करुणा कहं हरि मारग आवै फरकत भुजबास ॥१॥  
केतो बाह्य गुणगो नार्ही योही मोय अंदेस ॥२॥ ओछे जलकी माछ  
लीज्यो रहि जीव अवसेस ॥३॥ पदम कहै यो भगै रुकमणी आऊयो  
म्हारे देस ॥४॥ रागसोरठ की देस ॥ म्हारो अवगुण गुण करमानो  
प्रभु पूरव प्रीति पिछानो ॥ देरा भेंटो दासी जनम जनम की औरत रह  
मत जानौ ॥१॥ पदम भगै रुकमण की बिनती बेगो करो पथानो  
॥२॥ दोहा ॥ हींणीं भई बिशंभरां, देखो बाति बिचार ॥ अब कर्काने  
आवो प्रभु, बयों सिरजी करतार ॥१॥ त्रास आस भारी लगी, कब  
परणो करतार ॥ पलक पलक समजात है, आतुर मिलौ बिचार ॥२॥

करसगासूखबिरखाभई, अम तवरस्थानीर ॥ मीनमरेसागरभरे  
कौणकाजबलबीरइ बिरहअगिनिहिरदाजले जलेधरणाआका  
ससीलसमुद्रजुआनके, हरिवेगबुभक्तबासा ॥ आंखडियांमद  
जोबतांपंथनिहारनिहारा ॥ जीभडल्यौछालापड्याकृष्णपुकार  
पुकाराप्र ॥ हिरदाफोटंपंकज्यो, छिनछिनलेतउसास ॥ पदमइयो  
स्वामीविणैअवपूराप्रभुआसा ॥ रागसोरठ ॥ थानैपूछूंपंडितजोसी  
म्हारेनाथामिलगाकबहोसी ॥ टेर ॥ जोसीजीह्वाराभाई ॥ ह्वाने  
पतडाबौचसुगाई ॥ हेंपतडोपूजैथारौ ॥ थेकारजसारौह्वारौ ॥  
॥ १ ॥ जोसीकहै सुगौरिबाई ॥ मैतो सांचाहिसांचबताई ॥ हरजीने  
बगमिलोवाँ ॥ कछुआनंदबधाईपावौ ॥ १ ॥ पदमइयाविरहनजारै  
हरजीकीवाटनिहारै ॥ उडउडहारियलसुवा ॥ प्रभुजीनेबहुदिन

हूवा । ३ ॥ रागसारठाह्वाराहरियलवनकासूबटाथानेकृष्णमिले  
तौ कहज्यैरे ॥ टेरा ॥ चौचमढाऊँथारीसोवनीतुजायसँदेसोदज्यो  
रो ॥ १ ॥ रतनजड़ावापींजरोह्वारिहरदामाहींरहज्यैरे ॥ २ ॥ मोति  
अनचनचुँभावस्यांथेपाछाआथकेज्यैरे ॥ ३ ॥ पदमस्यामफिर  
देवोसँदेसोलखवधाईलेज्यैरे ॥ ४ ॥ राजाभींवउवाचारागमारू  
राजाभींवकरअँदेसोहरिजीक्योंनाहिआयामहाकुपानकैवररु  
कमइयौडाहलकौकबुलाया ॥ १ ॥ तुमअंतरजामीयादवपतिमे  
रामनकीजाणौ ॥ विरधापणकीलाजदयानिधिनेकदयाचित  
आणौ ॥ २ ॥ हससीलोगबिरदतुमरेकोजासीबचनहमारौ ॥ जो  
डाहलरुक्रमणनंपरणेमरस्यांखायकटारौ ३ रुकमणिप्राणत  
जेगीप्रभुजीयहनिश्चयकरजाणौ ॥ ४ ॥ भैंभोंप्राणपलकनहिराखूँ



ताते घणीं न तागौ ॥४॥ यह मम बचन प्रतिज्ञा मेरी हरि आया ज  
ल पी स्यौ ॥ नहिं तार स्वास लै च त ज देही ये क प ल क न हिं जी स्यौ ॥  
॥ ५ ॥ तब आकास बीणा म भुबोल भे वि जे ज म त जा गौ ॥ पद म भ  
ग ता शि व क र ण क ह त ह रि की यो आ ज प या गौ ॥ ६ ॥ दा हा ॥ बा गी  
अ व ग ण अ क ा स सु रा, ह र ख यो भू प ति भे वं ड थं ग र ज न सु ण भे व की, स्तु  
त दा दु र सं जी व ॥ १ ॥ ह र खी बाई रु क म गी, स न स खि य न को सा था ॥  
भ यो ब धा वो भ व न भे आ वि गे वृ ज ना थ ॥ २ ॥ रु क म गि क रौ बि सु र  
गा, स्था म प हूं चा धा था कुं द न पुर अ च र ज भ यो जा न दू स री आ य  
॥ ३ ॥ रा ग सो र ठ ठु म री ॥ आ यो आ यो रे सां व रि यो रु क म ग ण का र गे  
॥ ४ ॥ नृ प भी ष म के वा त च लाई श ठ रु क म इ ये कु व द क म आई ॥  
ची ठी भे ज बु ला यो डा ह ल वा र गे ॥ हो आ यो ० ॥ १ ॥ जा न दे ख न ग

रीहरखाईजब रुकमणिमनमें दुखपाईलीन्हाकाढकटारीमर  
वाकारणें ॥ होआर्यौ० ॥२॥ रुकमणिचीरीवेगालिखाई ॥ द्विज  
हरियाकेहाथपठाई ॥ बांचतवेगपधाराच्या असुरसंधारणें ॥ हो  
आर्यौ० ॥३॥ दासपदमस्वामीइधकारी ॥ मारअसुरदुखसे  
दौभारी ॥ लोकलाजमेंसाथीगिरवरधारणें ॥ होआर्यौ० ॥४॥  
रागसोरठकाफी ॥ दिजकोअपनेरथबैठायें ॥ हरिथसाजकुंदन  
पुरधायें ॥ टेर ॥ बहुतसैन्यायादबकुलल्याये ॥ पीछेंतेहलधरजी  
आय १ निरखतमंगलभयेनरनारीदेहधरेकोयहफलपाये ॥२॥  
संकाभईडाहलकुलमाहीं जुडेभूपमिलसभाभराये ॥३॥ गाहि  
दुजभुजहैंसिकेयदुराईमधुरबैनमुखसुंफरमाये ४ कहौकौनअ  
बउनसेजाईतुमकोलेनहमकोपठायें ॥५॥ केप्रनामद्विजउतन्यो

आईअतिआनंदउरमाहिंसमाये ॥६॥ दासपदमपलपलबलि  
 जाईहरिकेगुनमधुरस्वरगायो॥ आरागमाखू॥ करप्रणामद्विज  
 यतेउतन्यौगवनभवनकोकीनौ ॥ सीसनवायचरणागहिबोली  
 कहाँकुष्णारंगभीनौ ॥ १ ॥ कहद्विजराजसुगौंशिवाईतेरेका-  
 रजसारे॥ त्रिभुवनपातिकेसंगलेआयोबहबृजराजपधारे ॥२॥  
 आवनसुनीश्रवणमाधवकीसुधापेटभरपीन्हं॥ पदमभगौं प्रणमे  
 पायेलागूपाणद्वानद्विजदीन्हं॥ ३॥ दोहा ॥ सुनेबचनद्विजराज  
 के, अतिहरखीमनमाँयकहाबधाईदेहुँद्विज, देवेकोकछुनौय ?  
 रागमाखू॥ संगल्यायोमेरेप्राणपियाकोत्रिभुवनकोपातियेको ॥  
 यौरिणतैरौकबहुँनउतरे धारुंजनमअनेको ॥ १ ॥ तनअरप्यौ  
 श्रीकुष्णचंद्रकोचितमनचरणामाहींयोसिणगारदेऊतोथोडौ

भक्तिबढाजगमाहीं २ ऐसेकदबहुरतनपदारथदीन्होंदानघणो  
रोपदमकहैरुक्रमगणबरदीन्होंजाचेनाकुलतेरो ॥३॥ दोहा तु  
मबोहोरिसबजगतके, किनहुँनजाचौबीरजोजाचोतोरुबिमणी  
केजाचौबलवीरा ॥१॥ हरषिचलेद्विजदानले, चलननसकैभारा  
पीछौमुडमुडकहतहै, आविकोबेगपधार ॥२॥ रागठुमरी ॥ आ  
जअबगुशीभईरुक्रमगणवाईटेकानेमधरमसबसुफलभयेअब  
आजमहाआनंदन्हई ॥ संगकिसहेलीपूछेहेली आजकहाइत  
राई ॥ १ ॥ औरदिनामुखसेनाहिबोलो बाटोरैसबघाई ॥ ३ ॥  
मेरेतोआनंदभयोसखि घरआयेजहुराई ॥ ४ ॥ पुरबदेशचँदे  
रिकोराजा देखतहीउठजाई ॥ ५ ॥ इंदरकोपकियोबृजऊपर  
घोरघटाचाढिआई ॥ ६ ॥ प्रभनखँऊपरगिरवरधारयोडूबत

बिरजवचाई ॥ ७ ॥ हियेहुलासतनहरखमनखुसीआनमिले  
जतुराई ॥ ८ ॥ दासपदमपरकिरपाकीन्ही राखोगेसरणाई ॥ ९ ॥  
रागमल्लार ॥ कुण्ठाकुंदनपूरआयेरी ॥ १० ॥ उमगेदलबादलचहु  
दिसतेगोविंदगरुडलेधायेरी ॥ ११ ॥ नान्हनिनान्हिबुंदियांपरतम  
वनपैहरेहरेबादलछायेरी ॥ १२ ॥ मातेगजगरजतगोविंदकेसुन  
दानवसकुचायेरी ॥ १३ ॥ शोचपड्योशिशुपालतणोदलकैवरकम  
लविलखायेरी ॥ १४ ॥ बार्दरुक्मणि अतिमनबाढ्यो फूलीउरनस  
मायेरी ॥ १५ ॥ दादुरमोरपपीहाबोले कोयलशब्दसुनायेरी ॥ १६ ॥  
सूवासारभवनमेंबोले सोतियनचौकपुरायेरी ॥ १७ ॥ दासपदम  
थारोविरदबखानें मनइच्छाफलपायेरी ॥ १८ ॥ दोहा ॥ हरख्यो  
विप्रचूडामणी, कृष्णतण्डूदल्यायाभेंवरायश्रवणांसुणी, आ

नंदउरनसमाया॥१॥ रागमारू॥ ऊठचोरावपहिरिपीतांबर वोले  
जबोल्याचंगा ॥ अडसटतीरथघरहीमाहींआलिसियानेगंगा  
॥१॥ हरिहरजोसीकहीरायसेवोलेभोंवइमबाणीजोतुमद्वाराव  
तीपघारेकहौकृष्णसहनाणी ॥२॥ मोरमुकटपीतांबरसोहै हरि  
हेचित्तिबिनाणी ॥ चरिहिभुजाचारहीआयुध कौस्तुभमणि  
सहनाणी॥३॥ हरख्योभोंवरायश्रवणासुनसांचबचनपरमाणी  
पदमभणैप्रणमैपायेलागैबातसांचजबजाणी॥४॥ रागमारू॥  
बिसकरमानेअग्यादीन्हों मंदिरअधरछवाया॥ इकीसथोजन  
घरतीसेतीतंबूडाढलकाया॥१॥ अहिरातनकोआग्यादीन्होंचेट  
कयेकदिखावौ॥ श्रीकृष्णकीआजालेकर गहरीलीदछंगारौ॥  
॥२॥ सुनतबचनअहिरावतजबहीगहरीलीदछंगारू॥ जरासिंध

क्रीतबूढ़्यापलमेंपडीभगाई ॥ ३ ॥ जीतेनहिंशिशापालहारसी  
जादुकरजुहारो ॥ सौसौबचनकह्यदंतराणीसौसौहोसीसारो ।  
॥ ४ ॥ बरजतबोधसेहराआयोसठनाकियोबिचारा ॥ पदमभगो  
डाहलअभिमानिरहशिशापालकैवारो । ५ ॥ हलधरकीचढाई ॥  
दाहा ॥ हलधरबंधूऊतरयो, करमालीकाभेक ॥ डेरैगयोशिथु  
पालके, बोलेबचनअनेक ॥ रागमारू ॥ उठोउठोरेंडेरैवालीय  
हांमैबाडीवोडै ॥ रावभैंवरैकृष्णपधारे, पुढपमालालेजाऊँ ॥ १ ॥  
कहजरासिंधसुणहोमालीमूलीमतनाविवो ॥ रावडाहलकीफौ  
जवडीहैजिनमेंजीताजावो ॥ २ ॥ कह्यराजनकातंबतौड्याकइ  
राजनकोल्याया ॥ जायनकीबांबिरोदीन्होएकमालीकाआया  
॥ ३ ॥ पडिडेरामेंमूलीबोवैखोटासणमनावैकहाशेशुपालसुणो

सिरदारोमालीजाननपावै ॥४॥मनमेंकोपकरयोअतिमारीवी  
डोबेगफिरावै॥मालीकोहलमसलदेखैकोइयनहाथलगवै॥५॥  
स्वेतबंदरामेश्वरराजाकजीयेदेगयोदालो॥जावनकीबाबेशेदी  
नयोखिज्योरावशिशापालो॥६॥खुरासाणीयोमेवतुरखडोचढो  
रावकेसाटै॥हलधरलेहलमूसलचाल्योलिन्याहलकेआंटै॥७॥  
हलसेवाकोमस्तकमोड्योमूसलकीठैकाई॥चोटचोटमपडता  
दीखैगिनतीपारनपाई॥८॥राधभर्योरुकमैयोचाल्योशिशुपा  
लैपैआयो॥भींवरावकेकैवरलालनेजरासिंधवतलायो॥९॥कह  
जरासिंधसुनरुकमैयायोमालीछैथारो ॥ भींवरावकोमेज्यो  
आयोकह्यानमानैम्हारो ॥ १० ॥ बेटौभग्यैभींवराजाकोजरा  
सिंधराई ॥ योतोमालीछैगवाल्योम्हारोमालीनाई ॥ ११ ॥



कहजरासिंधुसुनरुकमैया थाकेकुबदकमाई ॥ थारेघरमेंएक  
कैवरिथीदाबयूजानबुलाई ॥ १२ ॥ वाडीवाहचल्योमालीको  
ऊँचेगोराद्यायो ॥ पदमभेंगप्रणामेंपायेलागूँ एकवाहदेआयो ॥  
॥ १३ ॥ रागमारु ॥ शंकाहुईनगरमेंसारेआयाकृष्णमुरारी ॥  
जरासिंधशिशुपालभूपसबमिलकेकरौबिचारी ॥ ३ ॥ आयो  
बिनाबुलायौगवाल्यौ करेव्यावमेंख्वारी ॥ बिघनपडेबिनरहेन  
कोईयौहैकुबुदीभारी ॥ २ ॥ रोसभरयौरुकमइयौ वोल्हयोथेकयूँ  
डरपौराई ॥ अरबखरबलांखाधनखरचूँजंगीढोलघुराई ॥ ३ ॥ रु  
कमणिजुगतभलीपरणाऊँ चंदेरीपहुँचाऊँ ॥ पदमभगतरुक  
मालभणछे आनंदमंगलगाऊँ ॥ ४ ॥ रागधमालाकरोनीथालौ  
डीरीचावकैवरजी ॥ टेक ॥ बडेबडैराजायोउठबोल्याव्यावतणौ

व्यवहारा १॥ रुकमइयांशेशुपालबुलायोकोप्याकृष्णामुरार १॥  
उगतोसाजकरीसाम्हेलेलीदपरीमुखछार ३॥ हेवरगाज्याकृष्णा  
तणांदलब्राह्मणल्यायौछैगोपाल ॥ ४ ॥ बाजाबाजेअंबरगाजे  
जबकंप्याशिशुपाल ५॥ कोप्योतीनभवनकानायकबरखाली  
दअपार ॥ ६ ॥ राजाभोंववरबटतबधाईरुकमणीकरेसिंगार ॥  
॥ ७ ॥ म्हेंतोयादवकृष्णबुलायो रुकमइयोशिशुपाल ॥ ८ ॥ पदम  
भणेंप्रणमैंपायेलागूंआयायादवचाल ॥ ९ ॥ दाहा॥ कुंदनपुरवि  
सटालाफिरकरसांकौनबिचार ॥ हरिऔरदानवभिड्यांहोसीजु  
दअपार ॥ १॥ रागमारू ॥ राजाभोंवपचौलीकोकथाबेगहजूरनु  
लाया ॥ अवलजरीशिरपावमंगायापंचौल्यांपहिराया ॥ १॥ क  
हेरावजीसुनोपंचौल्यां शिशुपालेंढिगजावो ॥ डालहनेतौपा

छो फेरों रुकमणि कृष्ण बिहावौ ॥ २ ॥ कहै पै चौली सुनमहरा जा  
पाछा किण बिध चाले ॥ जरा सिंध जो रावर राजा आ युध द्यका  
भालै ॥ ३ ॥ फौजां सिर फौज काला डासेल सांग आति भारी ॥ ज  
रा सिंध जो रावर राजा जुध की करत यारी ॥ ४ ॥ चढ कुरसां गवाढ  
आति दीया भाला अणी कढाई ॥ जंग जल्लर लेहि शिशु पाली घुड  
लां करे चढाई ॥ ५ ॥ कहै भोंवजी सुनौ पै चौल्यो थकाइ भोले भूला  
अब के जीवत जान न देला को प्या कृष्ण जी दूला ॥ ६ ॥ पांच पै चोली  
मतौ उपायो शिशु पाले बतलावां ॥ कुंदन पुर की राज भित्तौ आपां  
मल कहवां ॥ ७ ॥ पांच पै चोली हुवाये खटा मिल के मतौ उपायो  
आगे जाय कै वर यूबो ल्यो कृष्ण गवा ल्यो आयौ ॥ ८ ॥ रहै तौ उगरो  
वन जाणा न रहै कछु बुलायो ॥ भागौ फिरे बाल गोकुल को वि

नकोवयोहीआयो ॥ ९ ॥ योंतौअपनीकरेबराबर जुधकेसाम्हो  
आयो ॥ टेक ॥ चढ्यौरुकमणपरणाऊँतोभीषमकोजायो ॥ १० ॥  
कहाशिशुपालोसुगणैँकरजीनीकाआपविचारो । भारतजोड  
ग्वालियोआयोहैकहाकौनविचारो ॥ ११ ॥ भणैँकरजीसुगो  
शिशुपालाइणारेकाईविचारी । भारतकियेग्वालियाजीतेपेछे  
राडहमारी ॥ १२ ॥ शिशुपालासूँकरैवरुकमइया गुभसेगहवत  
लाया ॥ फिरतारुकमैँकरकेसाथे ड्यौढातोडीआया ॥ १३ ॥  
कैरवमुड्ययोपंचोलीआयाभीतरभेदजगाया । कंचनमालभरे  
गजमाती निजरसबीकरवाया ॥ १४ ॥ आदरभावबहुतसाकी  
यो अपणेंढिबैठाया ॥ राजाभीचतणीँकहोवातां कइसंदसो  
ल्याया ॥ १५ ॥ बिसटालूजबयेसेबोल्योसुगणिशपालराजा ॥

रामरूपहोय आगे परगथां साय रबांधी पाजा ॥ १ ६ ॥ बौद्ध छैजु औ  
मत जाणौ तौ ने किस्स्यो कसू भे कुं भ करणामहरा वणमा न्या कयो  
न बडां ने भू भे ॥ १ ७ ॥ भैं शिथु पाल वडां काई बूभा सत रेवार भगायो ॥  
अवथां ऊभां पकड मै गाऊँ दूमधो बको जायो ॥ १ ८ ॥ कहै प्रंची  
ली सुणौ शिशु पाला कयां ने पां गादिखावै बहतो गगन मंडल दिया  
डरातै बयू जान मरावै ॥ १ ९ ॥ कहै शिशु पाल सुणै पंचोल्या जान  
जीवसू मारौ भैं राज कैं वरि परणी जण आयाथे मत औ रविचारो  
॥ २ ० ॥ थऊँ चाडै राकर ल्यो तो भैं थाने जाणां ॥ दुरलभ गवन जी  
बतो जाणौ काई धणो बखाणां ॥ २ १ ॥ राजावां को जो करे काई  
हर के घोडा थोडा ॥ मास्यां मर्यां भलाना हि कहसी टल्यां न होवै  
ल्होडा ॥ २ २ ॥ भैं कयू टलां जो रावर जो धाटल सीकान्ह गबाल्यो

माखनचोरपरायोखायो रावांमार्हीटाल्यो ॥२३॥ कहैपंचोली  
सुणशिशुपालाकाहिं निसांतूआयो ॥ म्हेंतोथारोनांवनजांणासु  
रसतमाटबुलायो ॥२४॥ जबशिशुपालौकुमनौबोल्योकरताक  
रसोहोसी ॥ अबजोम्हेंफिरपाछा जाऊंदसदाषमोयदेसी ॥२६॥  
थेतोजाणौमितैलडाईयातोइसीलखावै ॥ नंदकैवरगिरधरबरऊ  
पर पदमभक्तबालिजावै ॥२५॥ दोहा ॥ पंचोलीसबमुडचलेभीव  
रायढिगआय ॥ योतौयेकनमानहींकरहोकोटिउपाय ॥१॥ रु  
कमनीवाक्य रागसोरठ ॥ योतोवररूडौहेभ्हारीमाय ॥ टेक ॥  
तुमजोकहतीगऊचरावैगवालनकेसंगजाय ॥१॥ शिवसनकादि  
कअरुबह्मादिकशीशानवावैताय ॥२॥ अबलगतौकछुबिगड्यौ  
नार्हीडाहलद्योफिरनाय ॥३॥ पदमस्याममोहियेहिअदेसोस

बदलदेगोरुपाय ॥४॥ दोह ॥ शिशुपालमतोउपाविगो दूत्या  
लिनी बुलाया ॥ कैवारिअमोदौ भौवकी येसौकरोउपाय ॥१॥ राग  
मारू ॥ टेक ॥ कहशिशुपालसुगौदूत्यांथेकुदुनपुरकोजावौ ॥  
भौवकैवारिजीनाहिंम्हासुजिनकैजायमनावौ ॥१॥ दूत्यांकहे  
सुगौमहराजा म्हांकागुणबतलावां ॥ अंबरताराधरतील्यावा  
फिरअंबरधरआवां ॥२॥ जेवडियाकासरपबनावौफिरजेवाडि  
दिखलावां ॥ सुखीनादियापुरवबहावांपटपरनावचलावां ॥३॥ हत्ते  
लीमेंसरसूबावां नखपरछिमकजिमावां ॥ टाटीऊपरहौलाभूनां  
कडबेतलबुआवां ॥४॥ दूत्यांकहेसुगौमहराजाहुकमराजरापा  
वां ॥ आपणचढणकारथ्यादिवावौबैठकुदुनपुरजावां ॥५॥ कह  
शिशुपालसुगौयेदूत्या जोराजीकरआवौ ॥ तौथानेम्हेदेवां

बेधाई प्रांचपरगनापावो ॥ ६ ॥ अप्रणैचढणकारथ्यादिवाया  
बांणकबनैनवेली ॥ पदमादूतीकाहुवानगारा लीन्हैसंगसहे  
ली ॥ ७ ॥ रागमारू ॥ पांचलाखकोदूत्योंपहर्योसातलाखको  
कोलीयो ॥ भौवकैवरिराजीकरआवांदेखोम्हारोकीयो ॥ १ ॥ स  
बपूरबकाराजाबैठापासजुरासिंघराई ॥ भरभरमुठीद्रव्यलुटावै  
रावारिकरतबडाई २ जबदूतीकुंदनपुरआवितिरुकमणि सुबतला  
वै ॥ धमघमकरतीमहलांचढगई चरणासीसनवावै ॥ ३ ॥ गहणा  
मेलहाकरीबनितीजाणअप्सराआई ॥ रंभारूपदेखदूत्यांकोरा  
जकैबारिमुसकाई ॥ ४ ॥ धिनिधिनिपूरबकाराजा धिनथेरुकम  
णिबाई ॥ धिनबोबंधुचतुररुकमइयो एसीजानबुलाई ॥ ५ ॥ गह  
गाँमेलरपायेलागीकीन्हैबिनयघगोरी । शिशुपालसरीखोबो



इनदूजो म्हारेसरीसीचेरी॥६॥ सवाक्रोडधरतीकोराजा उगारे  
धरतीथोडी॥ गहगणोंपहरोराजभोगमोबगिहैविधनाजोडी॥ ७॥  
बाइथेम्हांसूबोलोक्योन्नीमुखडेबैणनभाखो॥ गहगणोंपहरोराज  
भोगवो पतभाईकाराखो॥ ८॥ भाईभलोभलानैल्याथो थाने  
होसीलावो॥ गहगणोंलेथऔरकेघालोऔरकैवरिपरणावो॥ ९॥  
औरकैवरिवोपरणोनाहींऐसीऔरनकोई॥ निरखतरूपराचनहि  
रीभेरभाराजबताई॥ १०॥ रंभावणीइंद्रराजाकेबहआवैतोल्या  
वो॥ हूँअरधंग्याहारिकीदासीथेक्यूलोगहैंसावो॥ ११॥ हैससी  
लोगलडाईहोसीवोवानेकदपूजोकांकणाबाधकृष्णचढिआया  
परतलडाईसूके॥ १२॥ जनमजनमकोनाथसांवरोस्यामरसुंदर  
रंगभीनो॥ अबजावोबकवादकरोमतुम्हेंथानेउतरदीन्हो॥ १३॥

योशिशुपालचंदरीराजा मोत्यांविचमेंहीरो ॥ थानकोईबुराई  
सूभीपरखल्यायोथारोबीरो १४ क्रोधवंतजबभईरुकमणीहैंको  
इहाजरचेरी ॥ द्योबांसांकीवेगउठावोकीज्योसजाघणोरी १५  
चेन्यांहुकमसुरयोबाईकोमहलानानलगुडाई ॥ टूटादांतभोगना  
फूटा जबदूत्यांगरलाई ॥ १६ ॥ फाटाबसनगिर्यासबगहणां  
लुकतीछिपतीआई ॥ आवतत्यांसवहीजाणीजावतकोइनल  
खाई ॥ १७ ॥ रावजरासिंधपूछनलागा काईकाई बिवराल्या  
ई ॥ पानतैबोलकरीमनुहारी मुखमेंघणीललाई ॥ १८ ॥ म्है  
पावांपडकरीबानती भगटकहोकिहिछानें ॥ कंचनक्रोडसुमेरदि  
खावोवानहिंपरणेंथानें ॥ १९ ॥ आतुरहोयशिशुपालोबोल्यो  
उतरीकरीबडाई ॥ बिसटालोथारोसोभरपायो गहणोंगमायघ

रआई ॥२०॥ गहणो भलो जीवती आई म्हंम्हारि कीनी पाई ॥  
 पदम भणो अणामें पाये लांगूदूल्या टाटकुटाई ॥२१॥ रागमारु ॥ रा  
 समर्यो अरु न करबो ल्यो रूप कै वरि केशी ध्यौ ॥ सोचकरे अरु म  
 नमें कल पे उयं ल कडी बुगानी ध्यो ॥१॥ टोहो या शिशु पालो ल्यो  
 पकड़ कै वरि ने लावो ॥ जे को इथारे आडो देवै जिनने मार हटावो  
 ॥२॥ पांचलाख असवार कै वरकावहतो आपां माहीं ॥ भोंवरावको  
 आडो आवै बासो मार उडाई ॥ इतनो बचन सुगयो रुकमयइयो  
 ऐसो मतो उपायो ॥ जमी दोचकर द्यूं भिडवा ल्यातौ भीषमको जा  
 यो ॥४॥ लिखतां लगन कै बरनहिं पैंटी को मत पठायो ॥ पदम भणेंडा  
 हल अभिमानी ऐस कहत बतलायो ५॥ अब रुकमणी ने ॥ सभावै  
 रागमारु ॥ काजल घालो में हदी लावो कंकन हाथ बंधाई ॥ तेल फु

तेलउवटगोल्यावौयंसमभावेमाई१यंसमभावसायरुकमणी  
कह्यौहमारौकीजे॥जिणकीकन्याकुलतेधीटी जिनकोकौनप  
तीजे२राणींभणैअंबिकापूजणु बाईजातकैवारी॥ अपणैकुल  
कीरीतपरापरी सावौहोतअंवारी ।३। पूगौहुकमनगरकेमाहीं  
सखियनसहसबुलार्दखवरभईचहुओरअंबिकाजातरुकमणी  
बाई॥४॥छद्द॥भवनभवनतैंकामणआइ चलीभंगलगावती  
हारडौरगलपहरसुंदर दीखेसकलमनभावती॥५॥ केशरअगर  
कपूरछिरके चंदनचौकपुराइये॥बरदेवीअंबिकामोहिंकृष्णसौ  
बरपाइये ॥६॥रागजंगलौ सबसखीसहेलयांप्यारी रुकमणकुं  
बहुतसिंगारी॥टेक॥शिरफूलगुथदिया ॥ छविभानुकीसीलीयां  
मस्तकपैआडुमारी छविदेखकेबलिहारी ॥७॥ मीढीअवली

डारी ॥ मानूनागनीसीकारी ॥ साथेजोबिंदलोसोहै ॥ जनुचंद  
सोमनमोहै ॥ २ ॥ नैननमेंसरमौसास्थौ ॥ भौहैभानुधनु  
पधार्यौ ॥ नकबेसरीजनुसोहै ॥ छबिदेखिमनमोहै ॥ ३ ॥ जर  
कसीलैहगोपहर्यौआठयोजरकसीलहर्यौ ॥ जामेहीरामोती  
जारिया ॥ रबिकोतिछबिकंहूरिया ॥ ४ ॥ करनफूलसोहैभारी ॥  
जुलफयौजुनागनसीकारी ॥ रबिरतराकीछबिहारी ॥ इतचंदकी  
उजियारीपूकंचनकंचुकीपाटी ॥ छबिदामिनीकीडाटीबरनेक  
बिकहोकैसै ॥ रुकमनसिंगारियेसै ॥ ६ ॥ गलहीरहारजुभारी ॥ जा  
देपदमभगतवालिहारी ॥ ७ ॥ रागजंगला ॥ जावोजावोसहेल्या  
मोरी ॥ देवीजीनेपूजआवौरी ॥ टेक ॥ देवीजीकेदरशणजावौ ॥  
सबसखियांकौकबुलावौ ॥ गावोभामनीसबगीता ॥ सखियां

जम्हेजगजीता ॥ १ ॥ मोतियनसँथालसाज्यौ ॥ राविचंदसैछवि  
छाज्यौ ॥ छविअंतसबहीसाँहै ॥ जाकुंबर्णनकराबिकोहै ॥ २ ॥  
जुरेगजरएताजिथाटा ॥ छाविछायोराजबाटा ॥ मानोखिलीफूल  
नक्यारी ॥ भइदेवीपूजवाकीत्यारी ॥ ३ ॥ रागचरचरी ॥ कैवारि  
आंबिकाजासीबाईजीकैवारिआंबिकाजासी ॥ टेक ॥ सोलासदूस  
साखिनकेभुमके गजगतचालचलासी १ सोलाकलाचंद्रमाऊ  
गौ मानोइंद्रघटासी २ ॥ भलकेचौराबिविधसखियनकेफुलरहीब  
नरासी ॥ ३ ॥ नवलखतारांबीचरुकमणीपूरणचंद्रछटासी ॥ ४ ॥  
छोहणपांचचढोपाखरिया जरासिंधयूंभासी ॥ ५ ॥ काल्यो  
गवालभपटलेजासीकुंलकूकाठलगसी ॥ ६ ॥ जवाशिशुपालौ  
सुभटबुलायाबिगचढोबनरासी ॥ ७ ॥ गवाल्योकुबदकरेइगअवस

र ॥ फिर मी छे पसतासी ॥ ८ ॥ एक मया अरज करे अंबे सं हूँ गिर धर  
की दासी ॥ ९ ॥ पद मर्यां म सुख दा अकना अकन रपा ऊँ अ निना सी  
॥ १० ॥ राग दंडक ॥ अंबिका पूजन कै वरी चाली ॥ टोक ॥ उमा की  
भेट पकवान श्री फल लियां वस्त्र भर मोति आसा जाली ॥ ११ ॥ म  
वन की पौर पर आया ठाढी भई चार लख संग लियां सुखर आली  
॥ १२ ॥ चहुँ दिस आंकती अग रने चालती चतुरवर नारि पिया पंथ हा  
ली ॥ १३ ॥ मामन्यां में मिली दा मिनी सी दीपै कोटिक दर्प दुति देखि  
लाजे ॥ १४ ॥ मंगल चार उचार करै सहचरी भेरि अरु तरनि सांगवा  
जे ॥ १५ ॥ मिली द्विज नारि गुन गारि पुर नारि जु थहर ख उछाह मन  
माहि मारी ॥ १६ ॥ आपने धाम ते निकर आवत भंडूँ कै वारिके संग की  
करत यारी सुवाके चोच सीना सिका पेखिये इंद्र अहरापती चाल

चौरी ८ लेटणीं नागनी भगजिये ओ पमा केहरी लंक कटिलाय  
गौरी ॥ ९ ॥ श्रीफल सारिखा उरजहि बडेलसी सौवनी कंचुकी  
चीर भोगौ ॥ १० ॥ केस सोती भलक मांगकुँ भरी भाल परसोह  
ती दीप बीखै ॥ ११ ॥ पांवकी आंगली बिछिया बाजगां मुरा चिया  
नें वर्यां नाद भारी ॥ १२ ॥ पहर पठौ लगणीं हीरकी चौलखीं नारके  
लौयगां भृगहारी ॥ १३ ॥ रतन मगिरा खडी वेणी बासक लडी  
बांहरा भुज वरं लंक लेले ॥ १४ ॥ दुज को चंद्रमा मुख पर पोखिये च  
ली बर अंगना सयत मेले ॥ १५ ॥ आय जब रुक मणीं द्वार ठाढी भई  
असुरा शिछु पाल पाठिये अफूटा ॥ १६ ॥ कृष्ण पगधार के जुगल जो  
डोबणीं पदम के स्वा मि कूनां थतूठा ॥ १७ ॥ अराग वरवौ ताल ठूमरी ॥  
देवी जीने पूजवाचली राजा भीषम जीरी अली टेक ॥ और संखा गु



लाबकीहोरुक्मयाचंपाकाकली१ चोवाचंदनअगारअरगजाहो  
छिडकताअलीगली।पदमइयोस्वामीभणौहोअसुरनरोकिगली  
इरागधनाश्री॥अरेरथवानरथहांकंदरेभाई॥टेक॥क्रियासिंगार  
रथबैठीसुरजकिरणसावई ॥ जिततितचितवेरुकमणी भूष  
पगिरदहायजाई ॥ नैनबानतीखालगे घावकोऊकनाहीं ॥ प  
दमकहैरुक्मभगिणबडभागनदुरगापूजगजाहौं॥२॥लाचनी।ब  
इरुक्मभगिणराजकैवारअंबकापूजगचालिसंगसखिनकोटेकाबर  
बालकउम्भरबालनरमतचंचलपरमहटीली॥बरकंचनकीसी  
बेलसुरतमनमोहैनघनगरवीली॥नवदुलहिनभेषसैवार भाल  
बिंदीकुललाजलजीली॥करकंचनथालविशालजाटितमणिअ  
नुमादिकचारचीली॥भेला॥सौगुनरातिरूपरंगीली॥चाखिचि

तमनअतिचटकीली ॥ अंजनअनपमगमनिमधुपगंजनइमद  
सबहीकेबाह ०१ रुकमइयेदुरमातिजतनकरनचहुँदिसबहुसुभ  
टपठाये ॥ बलप्रबलबीररगाधीरश्रवणसुंण अनुसाशनउठिधा  
ये ॥ शिशुपालकुटिलकीसैन्यसनकरशरकोदंडचढायोबरनरम  
चरमकरसूलशक्तधरजनमंडलमेछायो ॥ भेला ॥ सवनेगुरुद्व  
मनायेगजरथहयबेगमैगायो ॥ पैदलअनंतउनमंतलियेकरखड  
चलेसइनके ॥ बाह ० २ ॥ गुरुजनयुवतिनकेमध्यगमनकरिभीष  
मननृपतिकेशोरी ॥ जलधूपदीपनैवेद्यअग्निघनसारपुष्पदलरोरी  
भंगलधुनिगावतबारमुखीबाजतनिसानचहुँओरी ॥ तनकृष्णद  
रसलालसालगीमनचिंतवतचंदचकोरी ॥ भेला ॥ शोभाबिसा  
लभतिभोरी ॥ कविबरनेसोइछ्छेबिथारी ॥ शिवसदनसिधारीकरि

प्रनाममननंदबढ्यौदुलहनके ॥ बाइरु ० ॥ ३ ॥ करकमलपद्म  
जलपद्मछालिअचवनकरकैवरनवेली। गनपतिपूजेपुनिगवर  
पतीसंगपूजवतिकुंवरिसहेली ॥ आरतीकरनकपूरलियेकरदल  
जनुकमलचमेली ॥ बरमांगतकुष्माण्डमहेशशेषगिरजातथास्तु  
धुनपेली ॥ भेला ॥ मतिगतिशिवपायनवेली ॥ निकसतभइआ  
वाकअकेली ॥ अनअनकअनकारपगननुपूरबजिकनक  
मनिनके ॥ बाइ ० ॥ ४ ॥ नभचांद्रकिरणमनहरणाचारणजावकये  
डिनअरुणार्द्र ॥ चलेचालचपलबालकमरालछबिपिडलीगोल  
गुलार्द्र ॥ किंकिनअनपधुनललितलंकलचकनिलखितिसर  
मार्द्र ॥ सुभाचित्रबिचित्रीतिचारचारुमलंकचुकुचछबिछार्द्र ॥  
भेला ॥ करकंकनअतिद्युतपार्द्र ॥ वरणतकबियुक्तलखार्द्र ॥ हसली

हमेलगलहरिमालंहीराविसालमोतिनके ॥ बाइरुकमगाअर  
विंदमधुरमुखअधंराभृतदाडभकगादंतवतीसी।नासांसुढारवेस  
रबुलाकलटकनतारूपरतीसी ॥ द्रगसीलसर्भंअजनसुरेखमहि  
माजलमीनगतीसी॥भकुटीपिनाककरुणावतंसपन्नगीचपल  
चलतीसी ॥ भेला ॥ हरिजनमुनिग्यानभतीसी ॥ सुरगगालखी  
अदितिसी॥ भेला ॥ हरिजनमुनिग्यानसतीसी॥ सुरगगालखीन  
के ॥ बाइरुकमगाराजकैवार अबापू ॥ ६ ॥ रागचरचारी ॥ भो  
रमथोजबचलीअंबिकापूजनराजदुलारी।टेकासामग्रीकेथाल  
भरायेगंगालकीभारी ॥ धूपदीपपुनकीमाला डौडा।लूंगसु  
पारी ॥ १ ॥ रथनकीसाजतमंगवाई लियागजादललारी ॥ घु  
डलांगूधरमालगलायेहसत्या ॥ बाबारीरछौहणपांचसातसंग

दीन्हीं फौज जरा सिधलारी। काल्योग्वालफिरे अभिमानी रखि  
यो बड्डुतहु स्या ॥३॥ जरा सिंधवशि शुपाल चढावै संग सुभट अति  
भारी। चहुं और जो धा जो शबर चतुरंगी असवारी ॥४॥ रथ में बैठरु  
कमणी चाली। मन में सकुन विचारी। पदम कहै बाँचौ अंग फरकै मि  
लसी कृष्ण मुरारी। प्रादोहा। सकुन मन न वै रुक मणी, मन में हरव  
मनाय ॥ कृष्ण मिले संकठ टले, ए सो बर दे माय १ राग मारु ॥ रुक  
माणे भगों सुनोरी देवी काटौ जम की फाँसी ॥ दीनानाथ मिली बौ  
मो कंजन मजन मथरी दासी १ येक दिनारे जनक घर होती जनक  
सुतारे कहानी ॥ संकठ में भव संकठ काटयो ॥ धार्यो रूप भवानी ॥  
१। काहे कं मेरे पाव परत हो हे म तुम कहा डुरानी ॥ दीनानाथ दया  
ल कृपानिधि चढसी और तिहानी ३ सोलह सहसहे ली सो हे मां

नौंघटासी॥घूंघटकापटखोदियाजबकोटिभानपरकासी॥४॥  
आतुरहोयरुकमणीबोलीकाटैजमकीफांसी॥पदमस्यामसुख  
दायकनायकवरपाऊँअबिनासी॥५॥दोहा॥रुकमणिपूजअ  
बिका,भरमोतियनकोथालामथुरापाऊँसासरो,बरपाऊँगोपाल  
॥१॥रागसोरठठूमरी॥भवानीम्हानेनंदनंपरणाथ॥टेक॥  
करजोड्यांकंखंबिनतीसुनोअंबिकामाय।तूकहियेनिभुवनकी  
माता बरदीज्योयदुराय॥१॥माताआतडाहलबरहेरयोसुनज  
गंदबामाय।राजाभींवकृष्णबरथरप्यौआयेकुंदनपुरमांया॥२॥  
मोमननसेसौहितुमजानत बरदेयादवराय॥सुनजगदंबेदेरकरो  
जिनजलदीदयाममिलाय।आतिआतुरभइरुकमणिपरीगोदमें  
जायापदमकेस्वामिकृष्णमिल।वोदेवामंदिरमायारागहोरीता

लदीपचंदी॥ राखौला जगु सायां मेरी राखौ ० टेक ॥ जो रदूल शिशु  
पाल आयौ असुर अंबिका धेरी ॥ १ ॥ नेता युग में तम किये अब संग  
सखा बहुरी ॥ तुम तो काहियौ बड बिसवासी ॥ साख जहां तहां ते  
री ३ अंबा ऊपर मारग जां जां बांटा तिहारी ४ पदम भगों प्रगंभे  
पाये लागुं जन्म जनम की चरी ॥ ५ ॥ रागर खता ॥ डरी भै देख के दा  
नां कहा तुम देखै कीन्हौ ॥ टेक ॥ नारद के चवन सच जोई ॥ मिले ब  
र अंबका सोई ॥ कहा ये देखे भूठे ॥ केलखि अब गुन फिर पठे ॥ के  
डाहल संकमन आई ॥ कहीं परब सपरे जाई ॥ भरो सो ये कह भारी ॥  
आबि गे बेग बनवारी ॥ अबिका पूजन आई ॥ देखै नही ने नय दुराई  
अब सरय हफेर नौ पावो ॥ पदम के नाथ अब आवो ॥ ३ ॥ रागर  
खता ॥ दरस बिन बहुत अकलाती ॥ बिरह का बाण जु खाती ॥ टेक ॥

जरदीरंगतनहुवा॥ जपुंतु जनाँ वज्रै सुवा॥ हमारी लाज अब तौ कै  
॥ बहुत दुख हरि ह्यो मोकू ॥ १ ॥ सिलाग जगी धतेतारे ॥ केसी  
कंस को मारे ॥ बयै आइ लाज अप्यारे ॥ देख दल दैत्य के भारे ॥ १ ॥  
अब हरि बेग तुम आवौ ॥ मोकू अब दरसा देख लावौ ॥ कहां अब जा  
यगो मेरो ॥ लजै गो बिरद है तेरो ॥ ३ ॥ भोंवतु मको बताये है ॥ तुमी से  
ध्यान लाने है ॥ सुनौ अब बीनती मेरी ॥ रहै मै चरण की चरी ॥ ४ ॥  
पदम जन दास है तेरो ॥ रखौ मोय चरण को चरी ॥ निथा कय दै तहो  
मन कू ॥ मिलौ अब बगरु कमन कू ॥ ५ ॥ राग देसी ॥ माधौ जी आ  
यौ राजसरे ॥ टेक ॥ बहु साखिय न बिचरा जकै चारी ॥ विलखे व  
दना फिरे ॥ १ ॥ शठ रुकम दूयो कह्यौ न माने कुडी साख भरे ॥ २ ॥ ज  
ल मै राख अगन मै राखी नरसिंघ रू पधरे ॥ ३ ॥ बलिराजा के भवन



पधारे बावनरूपकरे ॥४॥ भारतमें भवरी डूँडा घंटा टूट परे ॥५॥  
जहँ ताहँ भीरपरो भक्तनमें रक्षा आयकरे ॥ ६ ॥ बानों की पताराख  
सौवरा रुकमागि अरजकरे ॥ ७ ॥ पदमके स्वामी आनन भवौहि  
रदे अगनजरोदाराग बिहाग ॥ सौवरी बयँ नलई सुधमेरी ॥ भूँतोच  
रग कमलकी चरी ॥ टेक ॥ गज अरु गहल रजत्व भीतर काटी जम  
की बेरी ॥ १ ॥ भारतमें भवरी के अंडा गजकी घंटा गौरी ॥ २ ॥ ऐसीच  
क कहा प्रभु मोमें असुर अंबिका घेरी ॥ ३ ॥ दासपदम पर किरपा की  
ज्यौ जनम जनम की चरी ॥ दोहा ॥ केद बल चढा गिर पडुं देऊं देह ज  
लाया सो सधरुँ शिवसामने मरुँ कटारी खाया १ ॥ हूँ अवनल अथ सब  
लहौँ कित गयो मेरी वार बडा बिडव आगो किया प्रगट वेद बिस्तार ॥  
॥ स्या गै जत बगुहने डूबत सारी देह ॥ सुंदर ही बाहर तन क कियो

जुथांसूनेह॥३॥तो कं पजुँ आं बिका कृष्णा मिलन के काजा बायो अं  
गफरूकतौ आज मिले बूजराज॥४॥ अब सुधल्यौ सुतनंद का बि  
नती करूं कर जो रदैत्य दलन रुकमणि मिलन आवा नंद किशोर  
॥५॥ छंद-रुकमणी पटदूर कीन्हों सैन्य सब मुरछत भई। अब दी  
नाना थजा दवयह अवसर पाऊँ सही॥६॥ रागलावनी ताल चौता  
ला॥ कर करूणा बहुत बिलाप ताप देखन लनि और गगन के टिक॥  
पुनि टेरत करूणा बचन कान करूणा निधान सुन मेरी॥ गजराज गर  
ज आतुर पथान ज्यं मृगी अहेरि न घेरी॥ बिरहा कुल करत बिलाप हा  
य महे जनम जनम की चेरी॥ दरसन द्यौ दीन दया ल काटित न कं कठ  
विकट पडे ली॥ भोला॥ हाना थल गी कहैं देरी॥ बगुं सुरत बिसारी  
मेरी॥ स्थंद न समेत खग के तनिक टमगट हरि पति गोपिन के॥ कर

रुक्मिणी ० ॥ १ ॥ जब देखे सुंदर दया मसरौ रह नैन मुकुट शिर सौ है ॥  
अकुटी विशाल कुंडल कपोल मुख चंद मुनि न मन मोह ॥ बदन माल  
पीत पटकटिल पोटि उपमा कह सक कहि ॥ कुंदन पुरवा सी देख  
चकित भये सब काम न लख्यो है ॥ भेला ॥ रुक्मिणी चरण चित  
जा है हरि गुन में मन मोह ॥ गुण गिरा ग्यान गोती त प्रेम सुख कहि  
न जायति हा छिन के ॥ कर रुक्म मण ० ॥ २ ॥ बृज मोहन बाल पतंग  
उदय लखि खिल गार्द क मल कली सी ॥ भये सकल मन रीथा सिद्ध  
अंग जानु चंपक बेलि फली सी ॥ द्वपति समीप अति दिव्य दिपति ह्य  
तिदम कनधन बिजली सी ॥ हरियथा सुतता द्विस्थ रुक्मनी राजत  
कनक कदली सी ॥ भेला ॥ सुख सोभा सी लभली सी चंद चकोर अव  
ली सी ॥ कर पकरि अंक भरि थचढाय हं के करि वेग पवन के ॥ कर

रुकमणा ॥३॥ चहुँ और भयौ अति शोर रुकमणी हरि श्री कृष्ण प  
यानै ॥ रुकमइयानि जदल सहित तेज बल साहस सकल जानै  
भट बृथा कलषना दंतवक्र शिशुपाल उलूक लुकाने ॥ मगरा की करी  
रण कहत भये सब निज निज बल अनुमानै ॥ भेला ॥ सब भुजा उठा  
इ प्रगाठाने ॥ कर धनुष बांग संधानै ॥ हर नारायन कृत हरि चरित्र सुन  
त गये गर्व अरि न के ॥ मन रुकमन बहुत बिलाप ॥ ४ ॥ दोहा ॥ द्विष्ट बाँध  
कर हरि हुरे, लखे न ही नर नारायै ॥ जब धावण भगत की, लिये मनुज  
अनतार ॥ १ ॥ राग बरवौ ॥ सुकुट की भाई परी ॥ अंबिका के मंदिर माह  
टेक ॥ धाये हरजी बिगप धारो ॥ इच्छा फल दातार १ पूज अंबिका बा  
हर निकसी सीतल नजर निहार ॥ २ ॥ अचरे कापट दूर किया ज  
बहुष्ट गये सब हार ॥ ३ ॥ रथ चढिया यादव पति आया हुवा जै जै कार

रुक्मण ० ॥ १ ॥ जब देखे सुंदर दया मसरौ रह नैन मुकुट शिर सौ है ॥  
अकुटी बिशाल कुंडल कपोल मुख चंद मुनि न मन मोह ॥ मन माल  
पीत पटकटिल पीटि उपमा कह सक विकी है ॥ कुंदन पुरवा सी देख  
चाकित भये सब को मन लल च्यो है ॥ भूला ॥ रुक्मणी चरण चित  
जा है हरि गुन में मन मोह ॥ गुण गिरा ग्यान गोती त प्रेम सुख कहि  
न जायति हा छिन के ॥ कर रुक्मण ० ॥ २ ॥ बृज मोहि न बाल पतंग  
उदय लखि खिल गर्द क मल कली सी ॥ भये सकल मनोरथा सिद्ध  
अंग जन चंपक बेलि फली सी ॥ दंपति समीप अति दिव्य दिपति ह्यु  
ति दमक न घन बिजली सी ॥ हरि यथा सुत ताद्रि स्थ रुक्मणी राजत  
कनक कदली सी ॥ भूला ॥ सुख सोभा सी लभली सी चंद चकोर अव  
ली सी ॥ कर पकरि अंक भरि रथ चढाय हां के करि वेग पवन के ॥ कर

रुक्मण ॥३॥ चहुँओरभयौअतिशोररुक्मणीहरिश्रीकृष्णप  
यानै॥रुक्मइयानिजदलसहिततेजबलसाहससकललजानै॥  
भटबृथाकलषनादंतवक्रशिशुपालउलूकलूकानै॥मगराकिंकिरी  
रणकहतभयेसबानिजनिजबलअनुमानै॥भेलासबभुजाउठा  
इप्रणठानै॥करधनुषबांगसंधानै॥हरनारायनकृतहरिचरित्रसुन  
तगयेगर्वअरिन्कोमनरुक्मसनबहुतबिलापा॥४॥ द्रोहाद्रिष्टबाँध  
करहरिदुरे, लखेनहींनरनारापैजबैधावणभगतकी, लियेमनुज  
अवतार॥१॥ रागबरवौ॥मुकुटकीभाईपरीअंबिकाकेमंदिरमाह  
टेक॥धायेहरजीबिगपधारे॥इच्छाफलदातार १ पूजआंबिकाबा  
हरनिकसी सीतलनजरनिहार॥२॥ अचरेकापटदूरकियाज  
बहुष्टगयेसबहारा॥३॥ रथचढियायादवपतिआयाहुवाजैजैकार

॥४॥ रथतेयादबजबहारिउतरे लंबीभुजापसार ॥५॥ भुजापकर  
केलईरुकमणीलीबिमानबैठारारुकमणिहारिकादरसयाकीन्हां  
मुक्तीफलदातार ॥७॥ दासपदमबिनतीकरविनवे दानौकरौसं  
घार ॥८॥ दोहा ॥ रथबैठाश्रीकृष्णजी, अरजुनसेरथवान ॥ भक्त  
सायकेकारणें, आयेंश्रीभगवान ॥ १ ॥ रागमारु ॥ इतनीसुनरथ  
आयौप्रभुजीको देखतसेनासारी ॥ अंबिकाकीपौरखडीसबस  
खियां निरखतहैंसेमुरारी ॥ १ ॥ करगहरुकमणिरथबैठाईसेना  
सबमुरभाई ॥ हाहाकरतसकलभिडभांगे नेकजनरनहिआई ॥  
॥२॥ फौडमंडखडीसबसेना आपसलेतलवारा ॥ रुकमणदलके  
बीचउठाईअंबिकाकेदरबारा ॥३॥ चाकितभयेरहैभिडरौवतक  
होअबवयाकीजो ॥ मुखअबकहादिखावैउनकोआपघातसबकी

जै॥४॥प्रणराखणभीषमकेकारणआयेकृष्णमुरारी॥पदमभगो  
सखियनकोरुकमणयहसमाचारउचारी॥३॥दोहा॥रथचढती  
रुकमणि कहै, सुणसखिम्हारीबाताजायकहैबिंधुमातनैरुकम  
णि कृष्णलेजात१ रागधनाश्री॥कहियोसखिमाताजीसेजाय।  
टेक॥जायकहैबिंधुमातसेजील्यावोदैत्यचढाय॥रथबैठाईरुक  
मणीसेनापरीमुरभाया१।दौडसखियांरुकमणतणीजीसगले  
खबरकराय॥रुकमणीहरलेगयादासपदमबलिजाय ॥२॥  
॥दोहा॥नरनारीसबहाकिहदैरसार्दयोनंदलाल॥दैत्यदलनरु  
कमणिमितलनलेगयेश्रीगोपाल॥१॥पांचक्षोहणदलभाग  
केगयेडरंकेमाय॥हरीरुकमणीगवालने, अबकोइकरौडयाय॥  
॥२॥रागधनाश्री॥दौडोदौडोरंगवाल्योलियेजायरे॥टेक॥



रावजरासिंध्याऔरद्वतावरसन्धमग्नकेलोआया १ रुक्मकैवरऐसे  
 उठबोल्यौकुलकोधरमघटाग्र २ रुक्मभगीनेमभुअथैठारिभीष  
 ममनहरलाया ३ पदमभगोंप्रणामेंपायेलागंलेगायेथाद्वराअ ॥  
 ४॥ दोहा सुनौकैवरमंत्रिकहै, रुक्मभगालेगाथौगवालानैधेकंगरा  
 डाहलरह्यौ, होसीकौनहवाल ॥ १ ॥ रागजंगलो ॥ लेगाथौरुक्म  
 णीहरिके ॥ सांवरिथौजादूकरके ॥ टेक ॥ सुनशिखपालोअतिव्या  
 कुलभयौउठगईचितमैंसबके ॥ १ ॥ जरासिंधसेजोधाचढिया  
 धनुषबानकरधरके ॥ २ ॥ काल्यौगवालभागनहिंजावैलावोबेग  
 पकरके ॥ ३ ॥ बडेबडेरानशिरमगधरलेगाथोरपटभपटके ४ पद  
 मभगोंप्रणामेंपायेलागूंवारवारयदुवरके ५ दोहा ॥ लछमीपतल  
 छमीलिई, देवीतणेदिवाण ॥ खबरभईशिशुपालने, हुईपिलाण

पिलांण १ ढोलमामाबाजिया, कसनेलागाबाणा। सूरारलीवैधा  
वणां, कायरतंजेपिरांण। २ भालरबाज्यांहरिभगतारिणबाज्यां  
रजपूत। इतनीसुणनहिंउठचले, आठौगांठकपूत। ३ गलियारां  
बांकाफिरे, गेंदढालकायढला। जबरणबाजैलोहरांसूरबीरहरखा  
या॥ ४॥ सूरारांधरसिखरहै, बाजेअनहदतूर॥ सारबहंतापराखिये  
बहकायरबहसूरपू। औररागसबरानगणीं, सिंधुडोलसुलतानासिं  
धुडाजवेअलापिये, धुडलांपडेपलाणा॥ ६॥ अथफौजकीचढाई  
दाहाधीरौरहरैगवालिया, थारीआयुपहूँचीआय। महीनहीगो  
कुलतणौ, चोरचोरकरखाय॥ १॥ रागमारू॥ बालपनाकोबा  
ननभूलौ चोरचोरदधिखातौ॥ यातौकिसीकुंजकीगोपी बौहप  
कडलैजातौ॥ १॥ धूजीधराशेषदलकंभ्यौ चहुँदिसमाच्योचा

लौ॥ माथेहीं सपडी निसाणां चढ्यौरा विशिशुपालौ ॥ २ ॥ सेनाच  
ढी देख दूल्हाने राव परे वाबोजे ॥ सेवगच्छतां स्यामकयं भालेयुं दूता  
धरबोलो ॥ ३ ॥ दलभंजन राजा यो बोलै इसी बात काई भारी ॥ माख  
न चोरता होके ऊपर थे काईं कै रौ सवारी ॥ ४ ॥ देखौ हाथ खडा भर  
दों कां म्हें भारतें में जावां ॥ रुकमणि सहित पकड भिडवा ल्यौ आन  
नजर गुदरावां ॥ ५ ॥ लोचन रगत धूमकर चढियाहु आबागुटंका  
रा ॥ नेजा फरेकसूभयकंपे दरस्याकादवारा ॥ ६ ॥ औं भडभडी  
सिंधुथर हरिया भयन वखंडे जाणी ॥ उकली कला अगन बजऊ  
ठीरविताईरामाणी ॥ ७ ॥ फौजां सिरफौज कोलाडौ पाखरसे  
लसमावै ॥ बीडाद्यौ दलनाथ कराजा यादव जाणन पावै ॥ ८ ॥  
दाना लिख भेजे हलधर को बिंदामती होय जाज्यौ ॥ यौ अवसर

भागनकोनहींसनमुखयधमेंआज्यौ ॥ ९ ॥ लखसंधानी  
अरजुनबोलैमैतोसिलेसवारी ॥ थेदलनायकआगेआवोम्हारि  
सभीतयारी ॥ १० ॥ सेनापतिकेसौपेआयेबीडाद्यौबनवारी  
सनमुखहोयकरमस्तकमेल्यौक्यामरजीहिथारी ॥ १ ॥ केशौ  
रावकहैदेवनतेअवकीबेरतुह्यारी ॥ सारसंभावौजुधमेंजावौ  
होसीफतौतिहारी ॥ १२ ॥ बाजतधौसामानोधनगाजेसीवकरणा  
यैछूटा ॥ सहसअठासीरख्यांतणांदलनेमनाथरेपूठा ॥ १३ ॥  
बावेनेमनाथदलसोहैदाहनेलखसंधाणीछुपनकोटियादबले  
लारेहलधरजीअगवाणी १४ बिधिविधतणांअरावाछूटेहुईमा  
डकीधाणी ॥ रोसभन्यादानवऔलरियामचीरावघमसाणी  
॥ १५ ॥ आभचंदसूरजनहिंसूभेनिसबासरगमनाहीं ॥ देवदलां

दानवऔलरियामहामलनकीनाहीं १६ ओलाज्योगोलाओ  
लरियामारपडीदलहस्तां॥नायकमंड्यारवडाहलकाहौदाकर  
दियाचस्तां॥१७॥ फरचटघगींतीरऔलरियासेलगदागुपता  
नी॥चक्रबांधकरणभूमीमेंपरतकलडसवानी ॥१८॥ ओंभड  
रूपभडापडभाची अगनीबानसैपाडे ॥ धूजीधराधमाधममा  
ची मैडियामल्लअखाडे॥१९॥ सरसलडसंग्रामसूरवांडाहलका  
अभिमानी॥छलकायुद्धलडेमहमंताचक्रबहैअसमानी॥२०॥  
बेटोदग्गमघोपराजाकोकुम्भकरणज्योऊठ्यो।भणोपदमदेवांके  
बाणांजैसेबरखानूठ्यो॥ २१॥ दोहा ॥ चौकदिसादलबधिया  
बाजेशंखसमाज॥ देवांदलसिंधूहुवा, मानौइंद्रअवाज ॥ १ ॥  
॥ रागमारु। इंद्रअवाजगगनरजलागी छिपगयेचंद्रभाणां

लंकालोटारामदललागेवहदलबहसुननाणां॥१॥रामचंद्रअव  
तारकृष्णहैलछमणहैबलराजा॥किष्किधकेसोपंडवाकेबाजैनो  
बतबाजा॥२॥धीरजनायधरेमहमंताजादूमस्तुलजठाडे॥सतरे  
वारकावदलामाँगा अवकेधरांखाडे ॥३॥ चढसंगरामसताबी  
आयास्यामतगांदलकेवा॥दंतरायदानानलदानालियासांक  
डेदेवा॥४॥जबकिलकारउठचौबनवारिश्यामसुधारणकाजा॥  
अरजुनआनचौहटेधेन्योदंतधराकेराजा॥५॥गदाचक्रत्रिशूल  
बमके खडगांतीरकबाणी ॥ रोदरहुवाराकसांबीधा सिंगरू  
पयंजाणी॥६॥कालकंठहोयकालाचमकयासरसायलभयमा  
नी॥देवचढयाधौलागिरकंप्यासंकयाडाहलअनी॥७॥सुरदल  
चढयाअसुरदलकंप्यासांवतसूरसभेल॥अरजनकहैदिलीपत

राजाकरोडाहलामेला ॥ ८ ॥ नौहेनाथचौरासीसिद्धाकालेबाणा  
समहाले ॥ हलधरजीहथियारसमावे हलमूसलकरआले ॥ ९ ॥  
छोहणयेकथेकहलमाहीहलधरजीसंहारे ॥ दानाआयपड्याध  
रणीपरराणीवचनचितारे १० धौकलधस्याभीवभारतममंडग  
याहात्यांमाही ॥ मोडिसंडबधावैहाथीयुद्धमंड्यौरविताई ॥ ११ ॥  
लखसंधाणीअरजनजोडिबाणांतणांचपेटा विछडगयाडाहल  
महमंतासूरकिरणकीकेटा ॥ १२ ॥ सहसअठासीरिण्यांतणांदल  
मच्याबाणधमसाणां ॥ हौदाआयपन्याडाहलका नेमनाथर  
बांणां ॥ १३ ॥ फौजांसिरेफौजकोलाडौ पाखरसिलेसैवारी ॥  
राजाजुंफपन्यौधरणीमेंदंतधरारणभारी ॥ १४ ॥ राजापडियार  
णथैभवाज्याफतेजादवांपाई ॥ हाथेखप्परत्रिसूललियांकरखेत

जोगरया आई ॥ १५ ॥ जोधा मिल्यारावडाहलका आयु फेरू भा  
लौ ॥ यो अवसर जीतण को नाहीं चंदेरी ने चालौ ॥ १६ ॥ हा न्या फिरे  
रावडाहलिया जीत्या है बजबासी ॥ कह पदम इयोहारडाहलकी  
हुई जगत में हांसी ॥ १७ ॥ दोहा ॥ खबरहुई शिशुपालने, दंताघर  
पडसाथ ॥ छोहण पांचू खपगई, खेतयादवां हाथ ॥ १ ॥ बंधूमर  
तां बिगडगई सबी जानकी बहार ॥ मेलचल्यो कुंदनपुरी, भाभी  
को सिणगारा ॥ १ ॥ दोहा ॥ रोसभ न्यो शिशुपालजी, लाचनलाल  
गुलाल ॥ बेरबहौ डूंदतरी, तौराजा शिशुपाल ॥ १ ॥ दारूदेवाकर  
रह्यो, भुजापटके दूत ॥ चुंगचुगमां रूखादवां, दम्भघोषरोपुत  
॥ २ ॥ केमरबो कहमारवो, मरवौ ये कणवार ॥ मेलचल्या कुंदनपुरी  
भाभी तणों सिगारा ॥ ३ ॥ बंधूपटतां जानकी, उतरगई सब बहार ॥



माभीहंदाबोलणानिकलकलेजापार४ हांसीहुईतिहुँलोकमे  
श्रवणासुनीडाहालसैननतेंबिनतीकरधृक् धृक् धृक् शिशुपाल  
॥५॥ रागमारुधृक् धृक् धृक् शिशुपालडाहलाकुठाबांणसंभवे  
मजापटकऊठ्योभिडदानौफूल्योअंगनमावे ॥ १ ॥ हाथेनैबा  
थेबलवंतौसिंहजांणदधकारी ॥ मारमारकरतौअभिमानीस  
रसारकरडारी ॥२॥ देखोआजकेहडीकरहुँबरदंतरोसारुँ ॥ क  
णकणदलकरहुँभिडवाल्यसायरलगसंघारुँ ॥३॥ पेटीसांधत  
नकरधसियाआयलगयाजमदाना ॥ औअडपड्याथाटधाडा  
जौणहुवाकेकाणां ॥४॥ जबधैसपेडजंगकेमार्हीदारुंधीकचि  
काना ॥ लूडतडकतातौ हुयटूटौछटाकेहरिजाना ॥५॥ कलक  
लहुईकालदलचाडियाधूमकोटचौफेरां ॥ तातातुरीकुदावतचा

ल्याआणदियाजमघेरा ॥६॥ ठलकेढालफरकेनेजापूरवकीप  
तस्याई॥ छोहणतीसजलंधरबगतनखचखसेजिडिआई॥७॥  
छूटेबांणउछूटेदारूधूमकोटदरवाजापेलदियारिखकेदलऊपर  
कालकंधराजा ॥८॥ छत्र्यांतणींखोहणचढजानेहुवाजबर  
घमस्याना ॥ सैन्याचढीलाखजंभीरांमदपेल्यामस्ताना॥९॥  
चकदललपटचपटचहुआंरंरुक्कयांपंथचहुकेरादेवीमासुलेक  
रभागौअबपडजासीबेरा ॥१०॥ भारतभावभेदसूँकीड्यादाने  
बुद्धिसिखाई ॥ छलकरजायभाजभिडवाल्यांयोक्लजानका  
ई ॥११॥ सतरवारभागगयोआगेयाकीकौनबडाई ॥ अबकेक  
रूकालसेमेलानिकलजायगुमराई॥१२॥ हलहलकराशिगुपा  
लौहाल्यौठेलदियाभिडदानौ॥ कूदपडयोदेवांकेऊपरबागछोड

मरदानौ॥ १३॥ हाथी ठेल दिया भारत में मेली अंबावाडी ॥ तार्के  
माहिं छत्र पतिराजा सूरज किरण संधारी ॥ १४॥ जबराना जोरा  
वरभूषण की पटी काल बंताला ॥ अरजुन भी वतणौ दल देख्यो ह्यो  
बीडा शिशुपाला ॥ १५॥ राजपूत जमराजा बोले हम पेजमर्की फां  
सी ॥ छप्पन कोटने अचवन करल्यां तौ मेरानौ वनिकासी ॥ १६॥  
नर अंतरद्वामे अंतर रगत पीवती हारी ॥ मुरड चल्या हल धरके  
ऊपर रावण को अवतारी १७॥ कुण्ड है कृष्ण कौन है हल धरको है पां  
डवराजा ॥ मोहोरे आनमिल्या डाहल केहतना पुरकाराजा ॥ १८॥  
हम हौं कृष्ण हम हौं हल धर है हम हौं केसौ राजा ॥ तुम तौ मौड़ बंधे  
फिर जावौ हम हतना पुरराजा १९॥ चीकर भागि डालि गया तो मर  
टूटी बीच ठिकारणी ॥ फरसी जाय खती धरनी में वे पांडव परवाणी ॥

॥२०॥ घूकसिंधस्याधरणबीधूजीशिवशंकरभयमाना ॥ भक्तिग  
योवाणां अतीपतीसौधनुषमाहिंभरमाना ॥२१॥ अरजुनबाण  
गदाभीसमकीदायनआयोरानौ ॥ फरसीजायखतीकुंजरकेमा  
गगयौमुडुदानौ ॥२२॥ फिरतौफिरेदिवाणेंआयौबलहंतौशिष्ट  
पालौ ॥ दुसैंदसराजाचढिआवौनहींजुधधकोटालौ ॥२३॥ बाजे  
नादभुजाफरकंतीजालमधनुषचढायौ ॥ कानकानकरतौशिष्ट  
पालौदवतणेंदलआयो ॥२४॥ लछमणसेसवेसअवतारीआवक  
कहंतौआयौ ॥ हलमूसललेकरधकाज्योसूतौसिंधजगार्यौ ॥  
॥२५॥ सिंधरूपहालेनाचालेभरभादौज्यैबाणां ॥ मुरडुचल्यौहु  
सासनसूधौनेमनाथनिस्साणां ॥२६॥ भलमलमचीअगनभ  
लपाटेनेमानाथदलमार्हीतबहीइंद्रशबलेपहुंचेलेतौकालउठा

हैं ॥ २७ ॥ धृज्जीधरा अंवर अरदौ नै पाखर वांग कुभेरा ॥ बगतर पहर  
मैं ड्यौ शिशुपालौ लागी लाय सुमरा ॥ २८ ॥ जभर ह्यादो नौ दलमा  
हैं वावघणोरा घाले ॥ सवल तेगा शिशुपाल वली की नाथ बिना कुं  
भाले ॥ २९ ॥ शंकाहुई देवदल माहीं पारब्रह्म परचायौ ॥ सुरगुरु  
भीरपरीजबसिखमें परमधामसे आयौ ॥ ३० ॥ सुरगुरु कह देवनकुं  
ध्यावौ और उपाय न कोई लंकान्धकरी ते तीसो दानव है योई ॥ ३१ ॥  
सर्वदेव अस्तु तीकरत है स्यामहि दश्यामपुकारो ॥ धनुषधरिकरु  
गा निधि ऊठ्यौ पदमतणौ आधारो ॥ ३२ ॥ दोहा ॥ बुधभगें बृस्प  
तिगुरु भौ सिरमोटा डाव । तीनों भगडा भालसो रिख पांडव बल  
राव ॥ १ ॥ भौ वभगें कुंती सुतायौ दल देसां मौड ॥ पीठ दिखावां स्या  
मने आगे मोठी खोड ॥ २ ॥ सारं सभावौ सुरवां घणा साथां बोहोठ

ठा॥ दावानलाशिशापालपैवहपांडवगहगठठा॥ ३॥ पांडवदलसिंधू  
हुवासाकांवेरदभदेस॥ छरालगतहैपांडुनेदिल्लीदीपनरेस॥ ४॥  
हुखभंजनभयभंजना बृहस्पतिकहैबनाय॥ दानवदेवभिडाय  
कैसूतौलंकलगाय॥ ५॥ रागमारू॥ सारंगधनुषसाजिबन  
माली मुरनरसबैबुलाया॥ पाटपीतपरतिज्ञापूरण हैसिहैंसि  
कंठलंगाया॥ १॥ चिंतातजौदेवदलनायकधवलछत्रशिरधारू॥  
केवलकंधकरू असुरांकाभूकोभारउतारू॥ २॥ तडभडहुईतंत  
कावाज्यानेमनाथदलमाहौ॥ हलधरजायभिडौअसुरांसे प  
छेकरौलाकाई॥ ३॥ बाजेशंखधुरेरणभिंगा॥ रिख्यातगांदलकं  
प्या॥ नौबतबाजरहीनोनाथांस्यामदललेवरसंप्या॥ ४॥ रिखपर  
रीगिरेहेबनवारीआंदरकरेलीन्हआपनेकरकावाणकृष्णजी

नेमनाथनेदीन्हा ॥५॥ माभीगाजरह्याभरतमेंअरजुनभीवम  
लाईवहपांडवहस्तिनापुरवालापहुँच्याहात्यांमाही दहोदाहा  
किलियाहात्यांकासैन्यचढीमतवारी॥जिणबेलापांडुराजानेबी  
डादेवनवारी७मिसलतइसीकरासिरदारंसबहीसारसंभाया ॥  
दत्तसूभयांतेंऊधाकरद्यांतोकुंतीकाजाया॥८॥पांडवदलचाढिया  
महंमंताअरजुनभीवउपाया ॥ कूदच्यालंकामेंजैसे कपिकिस  
किंघावाला ॥ ९ ॥ कारजआजस्याममुखआगे कहेंभीवमह  
मंता॥बीडाभालदिल्लीपतचाल्या उग्रलंकामेंहनुमंता ॥१०॥  
बिकरालीकोपीवलवंतीचारसुजामुकलाती॥ बावनभैरूचौस  
सठजोगणीकिरेअसुरदलखाती॥११॥द्रोहा॥गिरीसिखाजलऊ  
भल्या छिपगयाचंदरुसुर॥ मानोंगोवरधनऊपरइंद्रचढ्याअक

रुर ॥ १ ॥ रागमाला॥ इंद्र चढ्या अकरूरस्यामदलनवगहनौ बत  
खान ॥ कहबलदेव उधार किसी ज्यो किल कारे हनुमान ॥ १ ॥  
कौसअसीमार्हियादवदलगजकरमोगरठाटौ । मुरडचल्यामे  
लाहोयजानी ऊजडगिणनबाटौ ॥ २ ॥ अपरमपारसाथसुथरा  
बिबलदाहकेवान ॥ हिंडतहार्थीदलकेसाथेभारतदेबरुदाना ॥ ३ ॥  
सुरदलचढ्या असुरदलकंप्या भुकिगयादेवदेवाना ॥ बारहक्षौ  
हणलेबलभद्र यादवहुवारवाना ॥ ४ ॥ बरसैलोहसारघनट्टे  
मुगदरमुसलपेलो ॥ आपैखायपडेमुरछागत हलकीत्रासनकेली  
॥ ५ ॥ पटकेखौन आंगलीखूनी सैनदईपलकारी ॥ हौंदेजायखली  
डाहलकेकेशौतणीकटारी ॥ अपटीकरेगणेशाधमसंगलमारमु  
केरे ॥ बलकरछत्रसीसंतोडेमहिकरफरसीकेरे ॥ ७ ॥ अर



जुनहाथसाथरासुथरा डाहलरूपसंमान॥ येकबागातारवांदल  
साथेपडतादीखेदानाद दातामाहिचढगयायादवरगताकीचड  
मातौवरषेबाणभेघकीनाईदिनसेहेगइरातौ९ लपटभपटहुवा  
सवजुकेमेहुवाबासकाताई ॥ तिरताकिरेछत्रलोहूमैज्यौनौका  
जलमाहीं १० गजशिरबरषेसेलकटारीनौनेजातहंपाणो॥ फूटी  
पालभेलमरजादा मानसरोवरजाणी ॥ ११ ॥ भेलदियोजसुरा  
दलमातौनटवरभेघगवाल्या ॥ लसकरलूटिलियौडाहलकी  
गोकुलकीभिडवाल्या ॥ १२ ॥ कुंजरपड्यालाखनबडूणागमनां  
हैंकेकाया ॥ देसदेसराजाकेदेखतपड्यारह्यानिसायां ॥ १३ ॥  
कहताघणीसरीनहिंएकौशिरधूणेशिशुपालौ॥ लाडीमईलाज  
बीलेगईमूडौकणइकालौ १४ वहमसलाभीमाकाआवैखोय

दइलाजबडार्इमेलचल्याकुंदनपुरआगेदंतरायसामाई १५५  
गाहोयशिशुपालौभाग्योकिसीकपरयांप्यारीमेलचल्योशि  
शुपालपाघडी दम्भघोषराजारी॥ १६॥ हलधर कहै सर्वदेवनसेवे  
गकरौअसवारी ॥ उलटाबोहडअखाडैलयाओफेरकरांगामारी॥  
१७॥ अरजुननेमनाथहलधरसे कहैसिरीपतराजा ॥ भागोला  
रघावनहिंघालांछैआपानेलाजां॥ १८॥ नेजाछांडगयाकरकंता  
नौबतसहताबाजा ॥ पदमभरणेभारतमेंभागोचंदेरीकोराजा ॥  
१९॥ दोहा॥ सुणभाग्योशिशुपालने तनमनलागीलाय॥ जरा  
सिंधअजरायलौ मारह्योबिलयाय ॥ १॥ धरअंबरधूजान  
होतडभडहुवानदेव॥ जरासिंधऊमाथकांकाहाजीत्योबिलदेव  
॥ २॥ रागमारु ॥ कहाजीत्योबलदेवखडारह सिंधपहुँच्याआ

ईदंतारायसोमौकोजाणीकहैजरासिंधराई १ फिरगईफेसमुद्रा  
ताईबाज्याअनहदबाजा ॥ लौमैबैरकंसकोभांगूयेकपंथदीयका  
जा ॥ २ ॥ होयतडाभडसैन्याउमडी कालजमनदरसाया ॥ दाना  
तेगअटापटऊठे धरअंबरथरराया ॥ ३ ॥ जमकैरूपजरासिंध  
आयो नैजाधजाचढाई ॥ खड्गनिशूलभडकैभाला जयंदासन  
दानमाहीं ४ नारदनाचिरह्यामंडलमें खयालरच्यौधारजाणी ॥  
दलभंजनराजाजबआयो साकौभयोदिवाणी ॥ ५ ॥ कायाचजर  
बजरकेहार्थीबजरवाणदलजोई ॥ जरासिंधराजाकेआकेसनमु  
खबलीनमंडकोई ६ कलहदानकुंदनपूरहूवा बाजरह्यारणतूरा ॥  
थंभगयारथसूरजाराजका देखतमासासूरा ॥ ७ ॥ चहुँदिशिचक्रब  
हैदानवकावाजेअनहदबाजा ॥ मानौजलंधरशंकरजैसोमैंडिया

महासमाजा ॥ ८ ॥ धूर्जधरागगनवीधुजे शेषनागथराया ॥  
मानौकुम्भकरणलंकासोइणअवसरचढिआया ९ जबदेवांका  
हिरदाकंप्याधनुषबाणलेनार्हीदेवांदलानवांजभोजुरारली  
तामाहीं ॥ १० ॥ लांबीभुजासहसरधुवरकीबाकीशरणबिचारौ ॥  
पदभभणेंप्रणमैपायेलागंध्यानचतुरजधारौ ॥ ११ ॥ दोहा ॥  
गुधमैंबाजाबाजिया जरापहूंचीआय ॥ केताकजोधगिगटगई  
किंताकमुखकेमांय ॥ १॥ रागमारू ॥ बीसजोजनमैंपांवजुराकी  
दसजोजनमैंहातौ ॥ पांचजोजनमैंसासभणीजे दोयजोजन  
मैंद्वंता ॥ १ ॥ नेमनाथराहलकामलकाजाकेसन्मुखधाई ॥  
भाजपड्यासवमूढाअगिरांडडाकणींआई ॥ ३ ॥ गौरीसहितस  
दाशिवभागाभाग्यायाद्वराई ॥ सुरतेतीसोंरणभाग्याजुरापहू

तो आर्द्र ॥ ४ ॥ रणा संग्राम के दैन हिं हारवा कहे न हार खांडे ॥ दाना  
सौ ह मय ध कर जी । त्या । मार्या मौ डी रांडे ॥ ५ ॥ हरि हल धर ने हु क  
मी क यो है जु राव्या धि ने मारी ॥ आ ते थारौ डा वन आ वै दू री दे ह ब  
घारौ ॥ ६ ॥ हल धर ले हल मु सल चाल्यौ जु रा साम ने आर्द्र ॥ हल ते  
ब्या ध अ फूटी फेरी मु सल शिर ठ ह कांई ॥ ७ ॥ जुरा मार नृ त्य मंडल  
गेरी सुरां पुष्प वर सांई ॥ कृष्ण कै वर दुल हा के ऊपर दा स पद म बालि  
जांई ॥ ८ ॥ दोहा । देवां रा दल जम सुता हरि जन मानेरी स ॥ भीरव  
ढ्यौ बल देव की गरुड चढ्यौ जग दीस ॥ ९ ॥ राग माह ॥ गरुड च  
ढ्यौ जग दीस धनुष धर चंद्र बांण कर धारी । दस मस्त कबी सौ भुज  
भंजन राम रूप बालि हारी १ छप्पन कोटि याद वचलि आया बडा  
छत्र की छाया ॥ शरणा शरणा ते तीसों लाखां चरणा शीसन वाया ॥

॥२॥ ब्रह्मां सुत नारदं युबोले अरजहमारीलीजै ॥ जिणवरतेदानां  
येजीत्यासौबरह्मां नेंदीजै ॥३॥ सनमुखहुवाजगतपतिनायकव  
रेदेवां नेंदी न्हं। संकटमें ज्यैसहै यहरि की न्हं। जुराजौरहरली न्हं।  
४ सुरते तीसहुवा दलनायक सैन्यां सवचढि आई इतते दल देवन  
काचढिया उलें जुरा सिंधराई। पुलकापात अगन जब ऊठी भार  
अठारै धूजे। अष्टकुलीकानायक चाल्या चंदसूरजनहिंसुको ॥६॥  
अष्टसिद्ध अरु नवनिधिराणी कुलीनागन वन्याराच्या खंभें दादि  
रगपालां सुं आन पड्या शिरभारा ७ पाटपती दोनै दल मिलिया  
रोकिलियारे नि संगां ॥ लंकाकोटरा भदल लागवह दल वेही बा  
रां ॥ दाहस्तिना पुरकारा जाबोले सुगवसुदेव कुंमारा ॥ भाग्यादू  
रद्वारिकानगरी कोज्ये कौण बिचारा ॥ ९ ॥ मिसलतहुई देवदल मां

ह्रीं सुरनरमुनिसब आया । सिंह रूपदानां केसनमुख अरजुनभी  
बखिनाया ॥ १० ॥ बांकी अणीबंकफौजा कीनेमनाथ भेलौ ॥  
हलधर कहै हनुकमकेसौका रियांतणां हलपेलौ ॥ ११ ॥ धरमपुत्र  
राजायैबौल्यौ धरममिं डगयासाका ॥ पहलेचौट अरजुनसोभि  
डिया कियाजादवांहांका ॥ १२ ॥ अरजुनबाँणरुगदाभावकीचूर  
कियादयोधा ॥ गेरदियाहसत्यां ऊपरसेजरासिंधकाजोधा ॥  
॥ १३ ॥ आयुधवणां हाथनहिंचलैनेमनाथदलजोडा ॥ घोडाऊठ  
रथाहात्यांकाटूकियायेकठौडा ॥ १४ ॥ हाथीपेलदियाभराथमे  
फौजांचढहंकारी ॥ हलमूसलदानां परटूटेमहाप्रलैकडगरी ॥ १५ ॥  
सुरपतिरावबजरंबाडेमानौबीजचमक्कोशिरबराहपातालशेष  
केमाथेजायठमक्के ॥ १६ ॥ औलाज्यैगोलाऔलरिया मारपडी

दलहाली। नायक पड्यारा वडाहल काहौ दाकर दिया खाली १७  
गौरी सुत बिन्नायकरा जा शिव का वज्र संभावे ॥ रापटरोल करे सु  
डालो पकडै सुँड घुमावे ॥ १८ ॥ गुपती चक्र चलेना थांका कोइ गु  
पत कोइ छाने ॥ कैलाशी शंकर का गणपत कह्यो न किह कोमाने ॥  
१९ ॥ नारद मुनी गरुड ब्रह्मा का काल बाण इमि धारे। मानौ हनुमान  
लंका को चहुँ ओर सुँजारि ॥ २० ॥ चहुँ दिशि चक्र बहे चंडी कालूग  
डियौ अगवाणी ॥ बांध्या चक्र यूँ सैन्या ऊपर नगर को टकी राणी ॥  
२१ ॥ किले के कोप करे बलवंती बावन चौ सल न्यारा ॥ बिकराली  
दाना दल वेगी आनपरी जम द्वारा २२ ॥ टूट छत्र बगतरां फूट ध्वजा  
सबे दल आई ॥ ससतर सबे बहे चो धारा पडी नो पतावाई ॥ २३ ॥ भट  
काहो यवत कत न टूट टूटे पाखर घोडा ॥ लटपट सी सपरै दानां काग



राहुवायेकठोरा २४ खेतारगतबहेदानांको नदीभादवमांहीं ॥  
 जोजनसातपांचभडपडिया गलगोटागलवाहीं २५ हातीहस  
 तारह्याधवलहरऔरसावनींसाजाचोटीआनैदकुंदनपुरदशुदि  
 साकेराजा ॥ २६ ॥ आग्निबौणावमचक्रांचालेछूटयंत्रहवाई ॥ हा  
 तांखप्परनिशूललियाशिवरिणमेंजोगाआआई २७ खेचरिभू  
 चारिऔरशंखगिंगिरजसवेचढधार्इ । त्रैगुण्युगाशोशसदाशिव  
 शंकररुंडमालढलकाई ॥ २८ ॥ लोटपडेतातडऊठेरोकलियार  
 उथागां ॥ सतरेलाखसखतपाखरियाखालीहुनापिलागं ॥ २९ ॥  
 बावनभूपधजाबंधराजा सैन्याकीगमनाहीं ॥ लाखांपतीकिरो  
 डाहार्थी जायपडाजंगमांहीं ॥ ३० ॥ घरेहांराहासीजगमांहीं  
 वातच्यारजुगचालीग्यारहलाखपालखीडाहलकीहुईखेतमें

खाली ॥३१॥ भागचलाचलहुईचंदेरी घणींरथांकार्बिता॥ सा  
तलाखतौरथघौडांकाहुवाखेतमैराती॥३२॥ तोबात्राहमचीडा  
हलकेपाडियघायलकंपै॥ मांगेनीरबोकनहिंमंडेमुखसूबैगुनजं  
पै॥३३॥ भूमेंपड्यारावडाहलका कायरयुंनतलाया ॥ छटीरा  
तकालेखटलेनादाणापाणील्याया३४कोटउपायकरीबलवंता  
पेचएकनांडाग्यो॥ चंद्रवाणकेसौकरदेख्योजुरासिंधवीभाग्यो  
३५॥ भलीभांतकीजानखपाईभूपमरायासारा । रावजुरासिंध  
जबहीभगचाल्याऊंधापड्यानगारा३६जहांतहांजाद्वाराजा  
काबाजेनौवतबाजा। पदमभरणेंतिहुंलोकामाहींशंखपचायण  
बाजा ॥३७॥ दोहा॥ शंखपचायणबाचताराजाधणौउछारा॥  
पतराखीमहराजनै असुरांकियोसंधारा॥१॥ रागमारु॥ असुरां

कियासंहारस्यामदलजीत्यानिभुवनराई॥आगगयाशिशुपा  
लजुरासिंध खबरकैवरपैआई॥१॥कोप्योकैवरभींवराजाकोस  
बहीभूपबुलाया॥चौपरकरौबेगचढवाकीजुधसामानभराया  
॥२॥मिसलतहुईकैवरद्वारामंत्रीकरेबिचारा॥पारब्रह्मसौजी  
तांनाहींधीरजभलीकैवारा॥२॥कवकोभूपभयोभिडवाल्या  
नदमहरकोपाल्यौ॥बाणविद्याकबहूतेंसीख्योगायांतगौगवा  
ल्यौ॥४॥भागौकालजमनकेआगेजलमेंजायबासायौ॥ला  
जनमरसरमनायाकेफेरबिवाहनआयौ॥५॥सरभयोशिशुपा  
लभागतांहमतेमांड्योपालो॥रुकमैकवरकोनामसुगुंतांमिटै  
जायकालअकालो॥६॥राजभेदतेरुकमाणिलेगयासूतौसिंह  
जगायो॥जमौदौसकरद्यूंभिडवाल्यातोभीषमकोजायौ॥७॥

फौजां धर्णी हलीला इहार्थी रविरथच्छा यो बाणां ॥ जो जन सातमा  
हिंसा चारियो कैवरतणां दलपाणां ॥ दती सलाख पवनां धरपाख  
रइसी साखती जांणी ॥ कैवर चढ्या सायरकाटूट्या जो जन जो  
जन पांणी ॥ ९ ॥ चांपर करौ बेग चढवा की सांतर सबे सैवारी ॥ भाग  
जाय जादू भिडवा ल्यौ बेग करो असवारी ॥ १० ॥ दल में जांप  
हुँ च्यो टूसासन जांणा इंद्रधरा यौ खबर करो भिडवा ल्या सेतीरु  
कम कैवर चढि आयो ॥ ११ ॥ चहुँ दिशि चक्र बहे कैवरां कानभको  
छूटो तारो ॥ सनमुख कैवर लडे भीषमको सारबहे चौधारो ॥ १२ ॥  
चाले बाण जै रीरा गोला उलटपलट अंधियारो ॥ मच्च्यो रीठ कृष्ण  
दल माहो निकस गयो दलपारो ॥ ३ ॥ इंद्रजीतराजा भीषमको  
काल पहुँच्यो आई ॥ सनमुख गदा उठाय कैवरजी जायथ परबा

ई॥१४॥दूजीगदासांधकेबाई धवजासाथढालिआई ॥ तीनलो  
ककेकरताहरता उन्नीवीसंकयागवाई॥१५॥कुणाभेलेरुक्मालाकै  
वरकी पारब्रह्मनिनधार॥भींवधरांअहडाई साजो समंतगांअब  
तारा॥१६॥ सांधरह्यासबहीकरवंध्या ॥ छपनकोटदूलाबायां ॥  
अनाविनमारथनांभेले सूरजसाखिभायां ॥ १७ ॥ जबह  
लघरजीयेसेबोल्या बीडाचोजतुराई ॥ हलसंपकडधरूमूस  
लकी खोयद्युमानबडाई ॥ १८ ॥ केशोकहेहुकमनाचांनैरच  
भींवघरचालो॥रुकमइयानेम्हेनहिंमारांभहारोलागेसालो१९।  
करजोड्यांकैवलाकेशवसेअरजकरतहैराणीं॥रुकमकैवरकेहा  
धनल्यावो परतंग्याम्हेजाणीं ॥२०॥ कविवाक्य ॥रंगनमांही  
कियोविछंगनअबलामानवधायो॥मूडमूँछअरुमस्तकमुड्यो

रथकीपीठबैधायो ॥२१॥ मारथ्योमानकैवरनामारथ्यो दानैबात  
उबारी ॥ कहैपदमराजाभीषमको पकरलियोबलकारी ॥२२॥  
॥ दोहा ॥ खेतसम्हालोलखपती, नैनभेरशिशुपाल ॥ छोहणपि  
च्याणबैदलहत्यो, पडयोधरणबैहाल ॥२॥ रागमारू ॥ पडयो  
रणबैहालसबैदलधीरजकौणबधवै ॥ म्हारोचलणोनहींचंदरी  
जरासिंधचढिजावै ॥ १ ॥ उणमाहींबहुरावतणांदल सौदकरे  
शिशुपालौकुणकुणलडियकुणकुणभागामंभ्याखेतसम्हाली  
॥२॥ सावधानमंभीसांचरिया आयारावगुदराई ॥ छोहणपाँच  
अंबिकाऊपरपड्योदंतधरभाई ॥ ३ ॥ छोहणिसातजडीबगतरकी  
देसबंगालेबांको ॥ भटपडियाचूडोऊधैदानारह्योथेकनाफाको  
॥ ४ ॥ नेजाभलकंताईरहगया रहगयानौबतराजा ॥ अरजनके

रेहाथउतरयो भांराकच्छकोराजा॥५॥असीलाखकुंजजरक्ष  
डियानिबैलाखकेकाणां॥भींवसेनकेरह्यामोरचे संगलदीपका  
राणांदमंडपडयौरावमेवाडौपागदेसनेचाली । मैनीपडोकचे  
रीजिनकांजाजमहोगइखाली ७देखौकौराहुइदलमाहींहोगइ  
खेलबिनाणी॥बिनभरतारांस सीहोगइमंडौवरकीराणी८जान  
गयाशिशुपालरावकी मचीरावगाधाणी । तारातखतंतचौलप  
तीकी घरांबिलखैराणी ९सिंहरावशिशुपालसरखौखबरक  
नौजखिनावौ॥नवीघरथपनाकरोतखतकीबालकियाबैठावौ॥  
गाहितहुइगरकसगफौजां यांत्रियांनेछाजे ॥ बखतभांणामुल  
तानपतीके नवाघडायाबाजे ११ दानांफिरभागताआगेबुरीब  
लायनेछेडयो॥लांबीसूडसदाशिवालौ सारौकटकनवेरयो १३

चांपबांधिहलघरजंगमाहीं महाभास्थपरभारी॥रूमसूमरोता  
समदानौ पुरीकरदइसारी॥१३॥ हलकीत्रासदेखनेभागौराव  
औडिसेवालो॥ नौपतकौसलईभिडवाल्हेघरजायकियोउजा  
लौ॥ मरखप्परकालीकिलकाणींनिरपलतीचकराणी॥बारा  
छोहणफौजमतवालीअचवनकरगइपाणीं॥१६॥ बलखब  
खारेकाबलवंताउजबखलाखअठारा॥त्रियादीपकाशजापडि  
या नौछोहणसून्यारा॥१७॥ मंत्रीआयाकह्यौराजासे खबर  
औरबीआई॥ पकडालियौरुकमालकैवरने दुईघणीहलकाई  
॥१८॥मुड्यौशीशमूछबीमूंडीखोयदईसबमानबड़ाई॥कृष्ण  
छांडिशिशुपालकियोबरथांमाकरआपाई॥१९॥ भलीहु  
ईतीनूं ऊवरिया बहुतभईकुसलाई॥ रातसमेंचंदेरीचालो



द्वौचौकीबैठाई ॥ २० ॥ दसूँदेसकाराजापड़िया करता बहुत  
उबारो ॥ पदमभगौंशिशुपालकहै मेरोजीवतमंडगयो सारो  
॥ २१ ॥ रागकालिंगडौ ॥ येदलदानवरेलालयोधासबैपड्यामुख  
मौड ॥ टेक ॥ भाखणखातौछिनकमेरेदेतोमटकीफोड ॥ नंदमहर  
कोकानडोरेअबतोदेबालगोदौड ॥ १ ॥ आयाथाकछु औरनेरे  
होगईकछऔर ॥ कपरेफारेगांठकरे अबदेखचल्योयाठौर ॥ २ ॥  
निनाणवैराजामेरे हस्तीलाखकरोर ॥ रावसांडियोभेजीयो  
रेघरेथकुसलकहौम्हारीऔर ॥ तैराजामूलोककोरे डाहलको  
मतकोईकराउपाय ॥ रुकमणिसीथारेगणीरेउगनैपड्यागवाल  
लजाय ॥ ४ ॥ बुरीहुईशिशुपालमेरे देख्योकुंदनपुरकीकूटाबछव  
णआवैखाणनैरेबाकेलागभाडरबूट ॥ हरिनिदाफलपावियोरेमू

रखकरतोबचनकठोर ॥ पदमकहै शिशुपाल डाहलारेतेरोकुजस  
छायोचहुँ ओर ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ होजीहरीबीरम्हारोअतीदुख  
पावै ॥ टेक ॥ भीषमनृपकोरावरुकइमयौअबयाकूँकौनछुडावै ॥  
॥ १ ॥ बंधूम्हारोबांध्योहैहरने कौनखबरपहुँचावै ॥ २ ॥ जबव  
होखबरसुनेपितुमेरोशठकोआनछुडावै ॥ ६ ॥ करुणाभरीरुकम  
गोंठाढीनैनानीरबहावै ॥ ४ ॥ हाथजोडरथनीचेआईहरिजीकी  
ओरलखावै ॥ ५ ॥ होबृजराजलाजमोरिराखोयेजगभोग्यबुरावै  
॥ ६ ॥ पदमस्यामप्रभमनमेंहरखेबचनसुनतसकुचावै ॥ ७ ॥ दोहा  
रोसभरीराणीरुकमणी, रथसेउतरिआय । बंधुहमारोबांधियो  
कोईनसकेछुडाय १ रागभैरवीकाफी ॥ म्हानेलगोबीरकतीर  
येमतमारोहलधरकाबीर ॥ टंक ॥ बांहडाहलकीरुकमइयाकी

आखरम्हारोबीर॥१॥साखनहींथारेआंखलाजनहिंनहिंजागो  
परपीर॥२॥बरजरहीबरज्योनहिंमानौआखिरजातअहीर॥३॥  
पदमभगोप्रणामेंपायेलागूँनैणांखलकयोनीर॥४॥दोहा।हलधर  
देखीरुकमणी, विलखीराजकैवार॥अरजुनकुचौभागतसहिजे  
सेकहेंबिचारा॥१॥अरजुनकुचोभगतसे, विसटालादियापठाय।  
विसटालांरीबीनती, प्रभुसुनियोयाद्वराय॥२॥इशाराहातकि  
सीबिधछूटेहातांबायोसार। कह्योनमान्योराजाभींवकोरुकम  
बडोजभारा॥३॥इणहातकिसीबिधछूटे घणांबजायकनोल ॥  
कह्योनमानूँभगतांथारो म्हानेंवणांजबोल्याबोल॥४॥रागमारू  
शठकीनाशठताईदेखोरुकमणिओरनिहारोभगतकरेछेबीन  
तीजीरावरोबिरदबिचारो ॥१॥भगतारीहारमानीबिनतीरुक

मइयोमुकलायौ॥ भुजापकरिकेआगेलीन्होंचरणाआपलगा  
यो ॥२॥ म्हेंअपराधीकयो नमान्योसहीजगोकुलकानै ॥ भव  
सेनतोबरजरह्योछौ म्हेंहरिमरमनजानौ ॥३॥ म्हेंजान्यौजग  
दीशसनातनपारब्रह्मनहिछानौ॥ पदमभणेंप्रणमैपायेलागुअब  
तोठाकुरमानौ ॥४॥ अथचंदरीकीकथाप्रारंभ ॥ दोहा ॥ सर्वा  
संगभाभीभणेंमोमनघणौउदास॥ बिलखिछैरंगमाल्हियाजागु  
बिलखाछैरणावास ॥१॥ चंदरीसूनीपडी, फरफरकदागींगात  
कांसैभोजनचाषियोघरैनाहौकुशलतात महैलचढीशिशुपालक  
चहुंजोवेअकुलता॥ तखतचंदरीराजवीमानोंघेरपधारचारात॥  
॥३॥ अबकुंदनपुरकी कथा॥ दोहा ॥ शिशुपालोबिलखोभयो,  
सगलीजानखपाय॥ जरासिंध्यसेयो कहै, मरुंकटारीखाय ॥

॥१॥ रागमाह ॥ छुरीकटारीनेगमैगानोखायरछीमरजाऊं ॥ व  
रमैभाभीसुगणीभावज भूडोकठेदिसाऊं ॥१॥ कहैनेवगीसुग्या  
सिरदारौमिसलतइसीलगावो ॥ आरेकुभीनहींकाहेकी सांगत  
औरमैगानो ॥ २ ॥ लेयबधार्दचलेनेवगी डोहयाभीरिआयो ॥  
सेनभगतनेदेखआवतो पटराणीबतलायो ॥३॥ काईकाईतौथा  
नेदियोकैवररौकाईसाम्हेंसेपायो ॥ काईतौहतलेबेदीन्हौकाईस  
मठूणीआयो ॥४॥ कौरवरौराणीमंसलदीन्हौ साम्हेंलाबाल्या  
यो ॥ समठूणी परपडीबीजली हतलेवैहरिआयो ॥५॥ हलसुंतो  
ह्वारिहुईआरतीमशलशैलमचार्द ॥ कहैनेवगीसुगपटराणीसग  
लीजानखपार्द ॥ ६ ॥ पहेसगौलेउडीसीघडी दूजेचिरागछुडार्द ॥ ७ ॥ प  
दमभरणेप्रणमैपायेलागैहुईघणीहलकाई ॥ ८ ॥ दोहा ॥ अतिआ

तुरशिशुपालकौजुरासिंध्यदेधीर। जीतहारयेकठौरनहिंफिरती  
रहभटबोर ॥ १ ॥ कहैजुरासिंघरावयुंघरचालोशिशुपाल ॥ इगा  
अवसरजीतांनहीं सानकूलहैकाल ॥ २ ॥ रागसोरठरेखता ॥  
कांईकरैरीमइयाभौरीकैसैजाऊंचंदरी ॥ टेक ॥ म्हेंनौजकुंदनपुर  
आयौ ॥ म्हारोसगलौसाथखपायो ॥ ३ ॥ म्हानूभाभीबिहुतसम  
आयो ॥ म्हारेदाययेकनहिंआयो ॥ २ ॥ आगेभाभीसुलखणाना  
री ॥ मनैदेखतदेसीगारी ॥ ३ ॥ योतोरतपड्यांघरआयौ ॥ खिड  
कीमेंमूंहाछिपायौ ॥ ४ ॥ भाभीभुंकहकेबतलायौ ॥ ज्यारोपदम  
भगतयशगायौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥ रातपड्यांघरआविचौ पडुदादि  
याखैचाय ॥ मुखांकैवरबोलेनहीं अनपाणींनहिंखाय ॥ १ ॥ जे  
सपनैसाचोभयौभाभीकरेउपाय। संगलेसखीसहेलियांमहल

बनांकेजाय २ मुखदिखलावोकेवरिकोदेखतमुखहोयमोय ॥ के  
राबधावारंगलीयूजागेंसबकोय ३ कितोकदीन्होदायजोकांई  
मिअमानिकीनागाजघोडाभूषणबसनबरतनकिताकदीनपूरा  
गमाल ॥ कितरादिनमिअमानोजीम्याकिस्योदायजोलयाया ॥  
दासीदासचरणसेवनकोकिताकसाथखिनाया १ राजाभीवमि  
ल्योकिणबिधसेकिणबिधफेरालीन्हं ॥ कितरोथारोखरचकरा  
यौपैरावणीकांइदीन्हं ॥ २ ॥ सुगथाबचनभाभीमुखसुमनमेंज  
तिपिस्तावोनीचौशीशादियोगोडामेंफिकरजबबजनआवे ॥ ३ ॥  
थांरोमनभावैकुंदनपूरफेरखिनावांजाजे ॥ अबकेफेरकरीऊंता  
बलअबकैढीलगाज्यो ॥ ४ ॥ म्हेतौदेवरसबसुंगपाईआछौजस  
करआयो ॥ पदमभरणमैपायेलागूतीनलोकजसछायो ॥ ५ ॥

दोहा॥घायलडोल्यांदायजाउतरेपुरमैआया रुदनकरैबहुनारि  
यांजांणकमंगलगाय १ रंगरलियांरौवेत्रियेघरघरलैंबीपहर ॥  
घायलडोल्यांदायजोयासुखबिलसेशहर ॥ २ ॥ रंगाछिडक्यो  
चवतोरुधिरजांणकसूमलजौड ॥ घरघरगावेधेरिया दंतीचुड  
लाफौड ॥ ३ ॥ रागमारु ॥ बनडीदेखनआईकैवरजीपडदौपरी  
कराबौ ॥ रंगरैगीलीकाव्याहकैवरजीमुखसुंकेयसुनावौ ॥ १ ॥  
कहैकहैदानदियौरुकमइयेकिस्योकदायजौलियाया ॥ माडवा  
धकेसजेकुंदनपुरकिसीभलीकरआया ॥ ३ ॥ हातघस्याहतले  
बोकीन्हौकितगयोधिरकौताजे ॥ धुकधुकसारौजगतकरतहै  
येहीकैबरथानेछाजे ॥ ३ ॥ हौभ्याठाटबाटघरआया येहीदाय  
जोजानौ ॥ मलीभईघरआयाजीवतायेहिलाडीकरमानौ ॥ ४ ॥



पेसारी जुगतीसूंकी छयौ घरे जीवता आया ॥ सैन्यापतिद्वेतासारा  
जाउन कौं कित छौ छ्याया ॥ ५ ॥ भली करी जादूरा जानें बुधहर  
लीनी थारी ॥ लटपट पाग सेहरो बैधियो लेग योगवाल उत्तारी ॥  
॥ ६ ॥ भूलर कह्यो बुरी मत मानो बेगम जात हमारी ॥ भीं वसु  
ता परणी ज पधारया बोले महलां प्यारी ॥ ७ ॥ म्हं सुं लो गओ ल  
भादै वैहें सहें लौ गल गाई ॥ पदम भणों धुक जीवन डाहल कि सी  
कवन डीयाई दंडका दंता धर कित छौ डशि शूपाल भागिके आय  
हैं सेबहु नारियां की धाहांसी ॥ आपरा कुशल पूछे भाभी आपसूं भी  
मसुत डोल कहो कदी आसी गयाथा अठौं सुं असंकदलदल भेलने  
बाजता सवणनी सांणवाजा ॥ गया जिगाडांण आयनहीं धूमता  
नवल बनडी कोरथ कठेराजा ॥ कोडरा पजाना कितें रेखाया सबेप

रणउदमादअंगसुगंधपीठी ॥ मातावोम्हानैरुक्रमपवारनीदपे  
वाचाहहोनाहिदीठी।नग्रचंदेरीकीहैसेसृगानेगियालौ।डगयाझु  
डामिलगीतमाया।डोलियांघायलाउतरेडा।यजौइअौबीबाहक  
रघरेआया।१।छंदरेखता।सुनौशि।शुपालहौदेवरकहांतेनेखोदि  
यांजेवरसुनौशि।शुपालकीआबी।मुखांयंबौलतीभाबी १ चंदेरी  
आयक्याकियौ ॥जहराबिषखायकिंनालियौ॥सुनौतुमराबशि  
शुपाला॥लगायाबंसकूकाला॥२।मैनेतोयबहुतसमभायौ।सम  
रतेभागकरआयौ॥कबेतुमकियौपेसारौ॥नगरमेंचावथौथारौ॥  
॥३॥कहांतेर।गहनकीबौली ॥ कहांतेरअंगकीचौली॥ कहांतेर  
पांवकीजौडी।कहांतेरीचढणकीघौडी।कहांशिरपावरंगभीनौ।  
काहुनेदानकरिदीनौ।कहांतेराउटअरुघौडा॥कहांतेरपालनी

जोडा ॥ ५ ॥ कहां तेरा जानका सार्थी ॥ कहां द्रुगपाल से हाथी ॥ कि  
स्यौ ये कदा यजौ दानी ॥ कि सी ये कहुई पहरानी ॥ ६ ॥ लक्ष्मी भी वच  
रजाई ॥ कि सेह गंगं मते क्या ही ॥ कहो क्या किया इत आई ॥ मर्या  
नाहिं जहर बिष खाई ॥ सीख मानी नहीं भरी ॥ लगायौ दाग चंदेरी ॥ क  
हां गइ फौज सव तेरी ॥ केहल धरमार सब गेरी ॥ ७ ॥ कहां तेरा सजा  
अरु बाजा ॥ कहां निं न नागें वराजा ॥ कहां तेरा रथ अरु गाडी ॥ कहा  
वारु कमणी लाडी ॥ ८ ॥ महल में बो होत सम आयौ ॥ मुख ते जावन  
हिं आयौ ॥ धराणि में चौ गि शिशु पालौ ॥ मुँढा तो होय गयो कालौ ॥  
॥ ९ ॥ तुच्छ तें गालि यौ जायौ ॥ करतानहीं आप पीछायौ ॥  
हुई क्या होयगी ओरे ॥ मतीनां भूलि यौ मोरे ॥ १० ॥ राज्य सीज  
ग्या जावोगे ॥ वहां सेनाहि आवोगे ॥ चक्रये कबने गोथारि ॥ नमाने

बाततुहारी॥१२॥मानीनिहिवाततुमेरी॥तबेभईयहदसातेरी॥  
पदमकरजोरिकेगावे॥कियोसौआपनोपावे॥१३॥दोहा॥छल  
काणौबोलेनहींनीचाकरलियानैरा॥धरतीतिंगुखासूखिगोमु  
खांनजंपेबैरा१४रागठूमरीअसावरी॥बिनांजीवनरीजावन आ  
इ॥कैसेमहलबैठाई॥टेका॥आसामुखीउदासीसबहीयेतोछघर  
कानाई॥येतोपरगुधय्यालाडीमांगेरेसबधाई॥१॥जुरासिंदध  
केपडीदडादडहलधरजंगमचाई॥रुकमइयाकीमूछमुडाई॥  
अबकलकहांगमाई॥२॥कहांतेरंगकेढोलेकहांरुकमगिंबैठा  
ई॥सवाकोडकोरतनमूदडोदेऊमुखदिखलाई३भाभीदेतउला  
हेणोजीठट्टाकरतधमकाई॥पदमइयोस्वामीभणेंसगरीजान  
खपाई॥४॥रागसोरठ॥तंगीतंगीबचनसुनावोबोलोबोलणां

॥टेका॥वचनथांराघटमांईने भूलांनैभाभीजीराभोलगां ॥१॥  
लाजगईकुंदनपुरआगेबाजताणेंकुनतोलगां॥४॥ पिचागवै  
क्षोहणादलखपियौजायपड्याजोधधरां ॥ ३ ॥ पदमभरणैभा  
भीसैदेवरबचननहींछातीछोलगां॥४॥ रागबरवातालठूमरी॥  
मेढीतुलगायाहीरयोहोशिशुपालदेवरियाटेराहाथांकैमहदी  
पायांकैमहदीजीकजलोसारयांईरयो ॥१॥टेरा॥ बांधसंहरोगयो  
कुंदनापुरजी॥ कांकणबाद्यांईरयो ॥ २ ॥टेरा॥ जेवरपहरचढ्यो  
बोढीपरजी॥बागीपहरखंईरायो ॥३॥ टेरा ॥हुपटो औडबरायो  
तुबनरोजी॥कीलंगीटोगयांईरयो ॥४॥टेरा॥त्रिभुवनपतिकीकरी  
बराबरजीअंगसुवाख्याईरयो ॥५॥ टेरा॥ मेरोकहणोषारोलागयो  
जी॥ईबरुक्रमगाविनाकयूरयो ॥६॥ टेरा पदमभरणेंप्रणमेंपायेला

गाजीलाजगमायां इंरयो ७ होशि शुपाल ० रागसारेठ। जलियां  
नैकाई जलावोहौभावजजलिया ०। टेक॥ तेंबरज्योहेंमानिनां  
हींहोनीकौनमिटावे। १॥ क्षोहणापिचागूं सबदलखपियो मेरोई  
मनापिस्तावोर। पदमभरणेंभाभीकेचरणां शिशुपालोशीशनवा  
वे॥ ३॥ रागकाफीआसावरी॥ तेंतोमोरीमानिनां नहीं शिशुपाला ॥  
जोधाकहांगयेरखवाला ॥ टेक ॥ निभुवनपतिकीकरीबराबर  
चाल्योचालकुचाल॥ तेंतोमोरी। १॥ कहांगयेतरेसांहणाबांहणा  
कहांगयेऊंटरसाल॥ कहांगयेशिरपेचकिलंगी कहुंगइमोतिय  
नमाला॥ २॥ कहांगयेबसनपागसहिजामो कहुंगयेसालहुसा  
ला॥ पदमभरणेंभाभीयुबोलेतीनलोकप्रतिपाला ॥ तेंतोमो  
रीमानि॥ ३॥ अथकुंदनपुरकीकथा ॥ रुकमणीमाता अंदेसौ

करै॥छंद॥कौटिभांगप्रकाससुंदर ग्वालकेसंगकाबने॥देवाजिन  
कालेखलिखिया येहबचनराणीभगों॥१॥ अबकाहेंघरपुजा  
तीजाणहेतीहोनहीं॥येहीअंदेसौरह्योमनमेंचलतरुकमणनाक  
हों॥२॥ प्रीतकीयेकवातसजनीरुकनगणीहमसेकही॥ श्रीद्वारि  
कासेकृष्णआये वाकेसंगरुकमणिगई॥१॥ मांडवौह्मारोरह्योकै  
वारौअबकहोकैसीबने। दासपदमविचारकमनरुदनकरारणोंभ  
ने॥४॥ रागमारू॥ राणीभगोंसुनौराजाजीअबकछुकरोबिचा  
रौ॥कृष्णदेवरुकमणिंलेगयेमांडौरह्योकैवारौ॥१॥ राजाभगो  
सुणोरानीजीह्मारोकाईसारौ॥ कृष्णचंद्रथारेदायनआयोडा  
हललागौप्यारौ॥२॥ राणीभगोंसुणौमहराजाहौणहारकुंगभेटे  
हैंतौहांपडदारामाणसकरमकियाथारंबेटे॥३॥ थारैकह्येसुणौ

राणीजीहैंतोहरिगुणग। योकेरावकृष्णद्वारिकाबासीभगतजां  
गाहरिआयो॥४॥ आगेभीडचढ्या। भगतांकीपणप्रह्लादकेराख्यो  
यदमभगोप्रणमेंपायेलागंवेदपुराणा। भाख्यो॥५॥ दोहाअबहीको  
कौकैवरनेमनकोकपटनिवारद। नानाथदयानहैंबिगडालेतसु  
धार॥ कैवरसताबीकौकियोभींवर। वओराणी। जायपहुंचैहरि  
हलधरकूनिमृतकरमृदुबाणी॥ २ ॥ ह्यारीकहज्योबंदनाहरि  
हलधरसमआया। दासभींवकीबीनती दरसगादेताजाय॥३॥ भै  
पुगतांकारजसुधरयो भलो। सुधारयोकाज॥ अबहरिपरगापधार  
ज्योराखियोह्यारीलाज॥ ४ ॥ लघुकैवरलघुताकरीबेगपहुंचो  
जाय॥ हाथजोडहरिसाह्मने उभाअरजसुनाय॥५॥ छोटाकैवर  
रकीबीनतीसुगज्योयादूराया। व्यावरजावांकैवरिकौपरगारघां



लेजाय ॥ ६ ॥ रागभारू ॥ कामनिकहैकैवारीजायां होयहमारी  
हलकाई ॥ भीबसेनकीपतराखीज्योहैरुक्मणिकाभाई ॥ १ ॥ बा  
इरुक्मणिंकोव्यावरचावांतौरणथंभगडास्यो ॥ साहणबाहण  
हस्तीघोडाभलीभांतमुकलास्यो ॥ २ ॥ कुंवरकहीसोबिनतीमा  
नीत्यारीसबेकराई ॥ कौठार्यानेअग्यादीन्हो मनसाबस्तभरा  
ई ॥ ३ ॥ छप्पनभांतकासीधाआयाऔरधणीइधकाई ॥ भांतभांत  
कीलईमिठाई डेराचोपहुंजाई ॥ ४ ॥ कुंदनपुरश्रीकृष्णपधारवा  
भीवकरेमनुहारीखानपानपकवानमिठाईसबबिधकरीतयारी  
॥ ५ ॥ सीधाक्रोडचारभणीजैगुन्जाफेणीलाडू ॥ बहुत प्रकार  
कीकरीतयारीकरेकलेवाजाडू ॥ ६ ॥ अगवाणीसारीबिधदीन्ही  
कंचनथालिभारपिदमभणैप्रणमेपायेलागुंगलकरैतयारी ॥

रागभारु॥ विसकरमानें तुरत बुलावो बोल्यानि भुवनराई ॥ जैसा  
कुंदन पुरभी वराय काया सें अधिकर चाई ॥ १ ॥ श्री कृष्ण की आज्ञा  
लेकर कंचन पुरी बनावे ॥ सुंदर सुंदर महल बनाया नीका चित्र  
मंडाई ॥ २ ॥ रावितल दूजा और नकोई श्रीपतिकी सरबराई ॥ ऊंची  
ऊंची बनी अठारि खंभारतन जडाई ॥ ३ ॥ हरि पन्ना लाल लगाया  
मोतियन चौक पुराय ॥ राजा भीवको सबही प्रकर माधो पुरमे  
आया ॥ ४ ॥ रुकमणि की मातो संग सखियां हिल मिल मंगल गाय ॥  
चौरासी दरवाजा दीरध मणि मंगल गाय ॥ ५ ॥ सात जो जन  
अरु कुंदन पुर की ये सी शोभा लाई ॥ कंचन पौलबनी अति नीकी रत  
ना की चितराई ॥ ६ ॥ सरस बाटिका भई चंदन की गंधरही महकाई ॥  
घर घर तो रणध्वजा पताका बंदन वार बंधाई ॥ ७ ॥ बैठक मध्य बनी

अतिसुंदरआनंदउरनसमाई॥ अठारेभारनासपतीलेचहूंओर  
लगवाई॥८॥ अतिसुंदरकूपतलावबावडी पंछीबेनसुनाई॥ माधो  
पुरकी अदभुतशांभोजनपदमइयेगार्इ॥ ९॥ दोहा॥ कंकनबांधो  
सुंदरी भीषमराजकैवार ॥ मार्गोनिहारेनित्तही दरसणहोयमु  
राशो॥ भोंवनपतधरमांडवो जादूततकीजानहुलहनिराणीरुक  
मणी हुलहोस्यामसुजान २हुलहोउतरयोबागमैं सबहोसाज  
बणाय॥ कुंदनपुरकीकांमणीहरजिनेंदखणजाय॥ ३॥ पगांजुबा  
जेपैजनीनिरखतचालेछांह॥ रूंगभूणवाजेविछियावाजेअगा  
वटमांय॥ ४॥ मूंगफललीसीआंगली बेलननेवलीवांह॥ दरसणपा  
येस्यामके पापप्रलयहोजांह॥ ५॥ अतिउमग्योउरनिरखिकेनै  
नमिलेजडुराय॥ पदमइयो स्वामीभगेंमं दमंदमुसकाय॥ ६॥

रागवरबाकीठुमरी ॥ चलोसखिदेखनजाइये स्यामरायजादेव  
नां॥टेक॥ मालिनलाईसहरौदुलहाकेशीशोपरानां ॥१॥ बागौ  
सौहिकेशरयासायजादेवनां ॥२॥ वाकेमाथेपचरंगपाघरीसेहरी  
अतिसोहना ॥३॥याजोरिकेऊपरेशारीदासपदमबलिजाना॥  
दोहा॥महलांमहलांरंगहुयासजसोलासिंगार॥ डेरैचालोकु  
ष्माणेवेडधराकीबार॥ रागमारु॥कंचनथारलियो॥मिलिसखि  
याभोजनसरसधलावो ॥ बूराभातमिश्रीकोसीरो हरिनेजाय  
जिमावो ॥२॥ सोलासहससहेलीचालीविडदथालकीत्यारी  
लालेरशमीलहंगासोहैचलैचालमतवारी ॥२॥ चोवाचंदन  
औरअरगजाभारिंगाजलभारी॥ कृष्णबनाकेडेरैचालोशैनम  
गतकीनारी ॥३॥ जायजानेडेरैठाढी भोजनदियोजिमाई ॥

पदमभरणें पायेला गूहरी निरखणाने आई ॥ ४ ॥ गीत सुवाति  
याको ॥ टेर ॥ गोपाल लाल म्है तो थारा डेरा जो बन आई जी बसु  
देवजी रा लाल ॥ म्है तो थारा डेरा निरखण आई जी गोपाल ॥ टेर ॥  
गोपाल लाल म्है तो थारे जन्म जन्म रा दासी जी ॥ बसु देवजी रा ला  
ल ॥ म्है तो थारे जन्म जन्म रा दासी जी गोपाल ॥ १ ॥ गोपाल  
लाल बृज पर इन्द्रको पचढो अति भारी जी बसु देवजी रा लाल ।  
राखलई बृजकर दरगिर वर धारी जी ॥ २ ॥ गोपाल लाल धर पंडु  
वाक्ये आमलडो सोलायो जी ॥ बसु देवजी रा लाल ॥ कृपा भई  
जद भूयो बीज नुगायो जी गोपाल ॥ ३ ॥ गोपाल लाल पदमभ  
गत थारा हितकर के जशग वै जी बसु देवजी रा लाल ॥ म्है तो थारा  
डेरा निरख आई जी गोपाल ॥ ४ ॥ राग देस ॥ कंदन परकी नार

मीहिथेकुंदनपुरकीनाराटेका॥ तुनासाकछुांकेयांम्हांपर नैनन  
सुरमासार॥ १॥ हिलभिलकेबोहो सखियां आई दरसणकिया  
निहार॥ २॥ रूपबिलोकतभईबावरी कुंदनपुरकीनार॥ ३॥  
पदमभरणेंपायेलागूं बसरह्योहिअंमभार॥ ४॥ दोहा॥  
राजासुत भेलाहुवा कौक्यामंनोसार॥ सांभेलासाकतिकरौ  
बिलमनल्यावौबार॥ १॥ इंद्रायणबाजाभींवके राजलौकरु  
णाकार॥ सातजोजनअरुंकंदनपुर घरघरमंगलचार॥ २॥  
रागमारु॥ धूपदीपआरतीउतारेसखियनमंगलगावै॥ राग  
छत्तीस अलापेगंधव जाभापारनवै॥ १॥ नौछावरनानाबिध  
करियेसुभभायकबोहोबानें॥ चौरासीदरवाजादीरघ सकलबं  
ध्याकेसानें॥ २॥ हाटवाटचौहटासिंगारेऔछाडेरबजारांकनक

महलराजाभीषमके जडियानभजुहारं ॥३॥चोवाचंदन और  
अरगजामृगमदकेसर्घोरी। रुकमकवरखेलनलगौछप्पनको  
दसूहोरी४बाजेनौबतघुरदमामा ॥ भींवकरी असवारी ॥ तीस  
लाखमखनाकेऊपर मेलही अंबाबारी ॥ ५ ॥ छडीदारदरवान  
खिजमती सहनार्हरणतूरा॥प्रध्वीरंजगिगनेकलगी दीखणार  
हगयासूरा ॥ ६ ॥ भींवराथमिलवानेचाल्यौ पांचपुत्रबुलाया  
छडीपालखीहुयापयादा जबजादवनतलाया ॥ ७ ॥ भींव  
रायने आंवणदीज्यौकेसौअंबतलाया ॥छप्पनकोटभींवराजा  
के यादवसनमुखआया॥८॥तेजीलाखतुरीअहराखी किरडा  
काछीलीना ॥ रुकमहयराजाभीषमके जायसाम्हलेदीना॥९॥  
गौडकरेघूमंतागाजेअरुमहमंताहाती।सातहजारहार्थीभीषम

जी दीहतरायांमदमार्ती ॥१॥ भौवरायतवपायेलागौ देवपुष्प  
वरषाया ॥ उग्रसेनबसुदेवरायने गादीलेबैठाया ॥१॥ जादूत  
खतभयादेखातेभीवरायकासाजानेमनाथहलधरबतलाया  
बडौधजाबंधराजा ॥१॥ छप्पनकोटजादूजुडबैठासाम्हेलेसब  
राजा ॥ पदमभरणेभपायेलागं बाजेनौबतबाजा ॥३॥ दोहा  
साम्हेलाकीसाखती तौरणकीताकीद ॥ सवाकरसंगोधलूघो  
डीचढावौवीद ॥१॥ चंचलचपलचमकणीचालतअटपटचाल  
मनमोहनमनमोहियो उचकचेढनंदलाल ॥२॥ रागठुमरी  
काफी ॥ बनौवोडीखूबनचावै ॥ वालोधूममचावैहै ॥ टुक ॥  
पगपैजुनठुमठुमकरहो रुमभुमघूरमाल ॥ चाबकसेचिमके  
घणीं ओतोअलबलियोनंदलाल ॥ बनो ० ॥१॥ मस्तकतिलक



सुहावनौहिचंचलनैचकोर । तेंमनमोहिनवसाकेयौआलीचि  
तवनमोंचितचोराबनौ ० २ ॥ अंतपलेटकुंडियेहो नागरनखरेचा  
ला ॥ ठिकाभरेंउतावलीयातोकुदतनोनोतालाबनौ ० ॥ ३ ॥ धिन  
कुदनपुराधिनघडीजीधिनघोडीतुजभागापदमइयामशिवकर  
गामनोहर नृत्यनिरखअनुरागाबनौ ० ॥ ४ ॥ दोहा ॥ सहलेसबमे  
लाहुवा, धरमनिसाणबजायजानिसंगारीरावने, बागाजारवणा  
या ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बागाजरीसावटूचीरा शाखबखअतिलथाया  
साहेलेराजाभीषमजी धरमनिसाणबजाया ॥ १ ॥ दोनंदलज  
बभेलाहुवागाहुईअतिभारी ॥ हलधरखुरीरलावज्यौजीभी  
वतणीअसवारी ॥ २ ॥ छप्पनकोटजादूचढचालयाजानिवासेआ  
या ॥ बह्माआयरलियौसहेलौ साजनकरबैठाय ॥ ३ ॥ आछौ

दूधधेनधौलीकोहरिकाचरणधुवायाकनकथालखंगवालीभा  
रीबडेबडेबधाया ३ उडतगुलालअंबरनहिंदीखे बांहभरीभ  
रजौरी॥कहैपदमहरितोरणआया भीवरायकीपौरीपूरागसोर  
ठातौरणआवियावृजरायटेकाचढदलदेवबिमाणांमांहिंपुष्पा  
बिरखालाय १ कुंदनापुरकीकामनीहरिकोसुंदरबदनलुभाय २  
प्रहलादकीपरतंगयाराखीनरसिंहरूपबनाय ॥३॥ बलराजाके  
द्वारपधारेबावनरूपधराय ॥४॥ धुरेनिसांगत्रमामलगगजे रंग  
भीनीबिबछाय ॥५॥ तौरणचढश्रीकृष्णपधारे दासपदमज  
सगाय ॥ ६ ॥ रागमाड ॥ सखियारे ॥ तौरणआयाहैनंद  
किशोर ॥ टेक ॥ तौरणरतन जडाविया भींवसेनजीरीपौर ॥  
चिरियातोसोहैसौहनी शोहे सुबरणमौर ॥ तौरण ० ॥१॥ हरि

डारिहाजरकरिपुष्पां कलीरैरुहमौर ॥ हरकलिलीहरहातमै उर  
आनंदजौरातौरणा ० ॥ २ ॥ पुरनारीचहुँ औरतें आई मिलकरदौर ॥  
निरखतमानुंचिनसी ॥ जौसेंचदचिकौरातौरणा ० ॥ ३ ॥ जरकस  
बागौपागपैसोहेमोतियनमौरा पदमभगोपुरकामणीलीनौचि  
तचिकौरा ॥ ४ ॥ रागपरवाकाफो ॥ सखीरंगीलानबनानेअधौआवा  
दीज्यौहै ॥ टेक ॥ पुरनाराचढमहलअटारी निरखतनेनसरावा  
दीज्यौहै ॥ १ ॥ मधुरीमुरतबसीउरमेरेटुककियेकयाकोबिलमा  
बादीज्यौहै ॥ २ ॥ पदमभगोप्रणामेंपायलागुआवागमनमिदाबादी  
ज्यौहै ॥ ३ ॥ रागसोरठासमधणआगीआवोकाजलसारनिभुवनऊ  
माथारेद्वाराटेकादांतांमिसीसोहनीमोतियनदियोलिलार ॥ चं  
पासोहैचमणीनथसोहेभलकार ॥ चुडलौहस्तीदांतकोपहर्यौ

बाहपसारा॥कंकनरतनजडावका उरपरहारहजार ॥२॥ छप्पन  
कोटजादवजुड्याआयाकृष्णामुरार॥नैगांरसलूटेपदमकुंदनपु  
रकीनार॥३॥रागकालिंगडो॥कामगकरवाआहिलाडाजोबांवा  
टतुमारीराज॥येसाकांमगाभहाराजादूबरनेसोहैटेकाजिणाका  
मगाहिरणाकुशामान्योनखसुंद्रबिडान्योराजजलसुराखअ  
नगसुराख्यो जनमहलादउबान्योराज ॥ १ ॥ जिणकामगाते  
लंकातोरीसागरसिलातराईराज ॥कुंभकरणमहरावणमारवो  
फेरीरामदुहाईराज ॥२॥जिणकामगासमुद्रबिलोयो वासनके  
ताकीन्हाराजचवेदरतनकाढकरल्यायाबांटसबनकोदीन्हारा  
ज॥जिणकामगासुबलछललीन्हौतीनपैडभरलीन्हाराजचंदा  
सूरकिरेजितनीपै दोगपैडकरदीन्हाराज ॥४॥जिणकामसेकंस

पछारयो जील्यौ भस्म अखांडेराज ॥ कुवलिया पिंडुकं जरकं म  
र्यौ जमलाजुं न पाड्यौ राज ॥ ५ ॥ सातनालकोलागौ ल्याई सा  
तसहेली आईराज ॥ श्रीकृष्णकं न पणालागी नापतदेहबधा  
ईराज ॥ असा ० ॥ येकसहेली येसेबोली सुगाभ्हारी रुकिमगा  
बाईराज। येसाकामकरां कृष्ण पैहाजरहेसदाईराज ॥ ७ ॥ दुजी  
सहेली येसेबोली सुगाभ्हारी रुकमगा बाईराज। येसाकामगा कं  
कृष्ण पै दिन मुलकत जाईराज। दाती जीसहेली थूठबोली  
सुगाभ्हारी रुकमगा बाईराज। माता पिता कबहुं नहिंचावचौ बह्मा  
री बाईराज ॥ ९ ॥ चौथीसहेली कुंदन पुरकी नीचीनीची आईराज  
कृष्ण खडा चहुं दिसनें जाहे बंदतौ डले जाईराज ॥ १० ॥ बंधबंध  
मेकामगा बांधूतौ बाबलकी जाईराज। इतनी बात कृष्णजी सुण

करचटकीदेरउडाईराज ॥ ११ ॥ ऊपरऊपरलेचकफेरातुँइक  
रती आईराज॥थारिकामणकुणकरेथारितीनूलोकदवाईराज॥  
१२ चरखीमोरहवाईछटेनिभुवनतोरणआयाराजासबसखिय  
नमिलमंगलगाथा कुंभकलसंबंधायाराज ॥ १३ ॥ ब्रह्माजी  
नेबेगबुलायामोतियनचौकपुरायाराजब्रह्मांडन्द्रआदिलेभुनि  
जनऊधौचैवरदुरायाराज ॥ १४ ॥ गणपतिसखिचेढेबरातजि  
संभांणादिपावैराज। सुरतेतीसुहरखहुवाजबपुष्पवृष्टिबरषावैरा  
ज॥ १५ ॥ सनजादूबनिरयेबरातीदुलहौकुंवरकन्हआईराज॥ कंच  
नथालधर्योकरऊपरतोरणसीकपुगाईराज ॥ १६ ॥ राणीसाज  
आरत्योआईदिवलेजोतसवाईराज ॥ पांचपदारथादियेआरत्ये  
पदमभगतबलिजाईराज। १७ रागकालिंगडाकीठुमरी॥ जादू

बरनैकामगाकरस्या॥करस्याहैंहेतो नहिंडरस्या॥ जंतरलिल  
पिचरंगपगरीमेंसहियोमेंघरस्या॥ टेर॥ कामनियाशिरपेच  
किलंगीभुकतैतुरसोहे॥ कामनियानोसाकामोती भालतिल  
कमनमोहे॥ अंजनयुतखंजननैननमें मुखवीरीमधुरीबैनन  
मौ॥काननकुंडलशीभाभारी॥ छूटरहीलरधुंघरवारी॥कामाशि  
॥१॥कामनियाहीरेकीकंठीऔरमोतीनकीमाला॥कामनिया  
गरुडासनसोहेऔरबनेसुखपाला॥घनपबानकरकमरकटारि॥  
लखिमहिदीलालनछबिवारे॥ तनुभीणोकेशरियेवागै॥फैटेहु  
पटोघुलघुललागे॥कामानि०॥२॥कामगियाअतलसकीसूथ  
नरेसमनाडेछाजे॥ कामगियाजरजोधाजोडीपावनपरछाबि  
छाजे॥ अबयदुनंदनतोरणआये॥ कारासहेल्योमनकाचाये

आतिसुंदरशोभाकीजोड़ी॥बाधूसवालाखकीघोड़ी॥कामाणि०  
॥ ३ ॥ कामनिया सुरनरपालखीऔरघोडासबहार्थी ॥ काम  
नियारथवाहनसोहेऔरबनडेकेसार्थी॥सुरनरमुनिजनप्रोहित  
घरकेकुलकेदेवसर्भियदुरबरके॥औरसबेड्डेरेडाडेसखबल्और  
खेडेखांडे ॥ काम ० ॥४॥ कामनियाफुलनपरसोहेजेकोइंगुथ  
परावै ॥ कामनियाचोवामेभीनाजकोईअतरलगावै॥नानामा  
मी मामीकार्की ॥ जंत्रमंत्रमेंसबहर्षिपाकी॥औरसहेल्याकीग  
तिन्यारी॥सोदीषिसोकामगणारी॥कामनि०५॥नवलबनीकी  
मुवाबार्हिकरडाकामगणजाणै ॥ रतनजडितकंचनकेपिंजरसूवा  
करबैठाणै॥बनडेकीगतिबनडीजाणै ॥ महलांबैठामंत्रचलावै  
पावपंडितोबनडोआवै ॥ तोकामनकोपरचोपावै ॥ ६ ॥ रतन



पदारथ दिया आरतें यादव डेरें आया ॥ सखीसहेली अन्दर  
आई मनमें हरषसवाया ॥ कुंदनपुर सब कामगुगारो ॥ पदम  
स्याम अबतुम्हही उबारो ॥ जो यह कामगुसुनरुगावै ॥ वसै  
बैकुंठ भोरनहीं आवै ॥ कामिनि ० ॥ ७ ॥ रागकालिंगडो ॥  
कामागियांम्हें नाहिं जाणां ॥ टेक ॥ कामगुगारी बनानी भूवा  
जिनसैं करज्यो अरजी ॥ नंदकै वरबृजराज बनीं पर कंमगारी  
कौंइ मरजी ॥ १ ॥ सातसुईले सातसवागण लीलो डोरोल्याई ॥  
इण्डोरामें वसकर राखां रीभेरु कणवाई ॥ २ ॥ इण्डोरयादव  
बशकरस्यां इणारो अचरज भारी ॥ गुण्डोरामें यह सकलाई बस  
करस्यां गिरधारी ॥ ३ ॥ सटपटमहँदी सोली गटपट गुली सिंदूरम  
गाये ॥ चटपट कंमग करौ वनीं पर भटपट बश होय जाये ॥ ४ ॥

रतनजटितमादलियोल्याई डेरोमांहिभरावा ॥ मदछकिया  
वृजराजबनौनेकानपकडकरल्यावां ॥ भोंवपुरीअतिआनंदउ  
पज्या कविजनकहतनआवै ॥ तीनलोककेनाथबनापरपदम  
भगतबलिजावैपू॥दोहा॥कांकणबाँधिंसुंदरीभीषमराजकैवार  
मांणेनिरन्तरजोहियैप्रतिप्राणअधार ॥ १ ॥ कुंदनपुरको मां  
ढवौजादुपतकौजांन॥दुलहनिराणीरुकमगोदुलहोस्यामसु  
जान ॥ २॥छंद॥रुकमणिमलौउबटगौमेलछुडाइये ॥हंससी  
दरजनलोगतिन्हेंनाहिंपाइये ॥१॥सबसखियनकरोसिंगारकप  
नगटजाइये॥कुम्भसकलसभरवाय भवनमैलयाइये ॥२॥वनि  
ताल्याईदौडचऊँहतलीजियो॥तेलफुलेलरलायमिलूनांकीजि  
ये ॥ ३ ॥ मलियागिरकोपाठअंगनमैबिछाइये ॥ गगजमुन

कानीरुक्रमणींन्हवाइये॥४॥ सजिसौलासिंगगारखुलीचंपा  
कली॥ उरमालकिशोभानिरखिनैनहरकीअली॥५॥ मंगलगा  
वैनारहरखिकेरंगरली॥ पदमइयौछबिहचिररुक्रमनींकीअतिभ  
ली॥६॥ दोहा॥ उछवभयौमाधौपुरी घरघरभंगलचार॥ कुंदन  
पुरकीकामणीं सजिसौलासिंगगार॥१॥ रागमारू॥ सबसखि  
यनमेंनारसयानींनृपभीषमकीनारीबहुदोपककीसजिआरती  
राणीकरीतयारी॥१॥ नृपभीषमम्हारोकरोआरतयौजिनपूरब  
प्रीतापिछाणी॥ नंदगवालकोकरतआरतयौलाजमरेगीराणी२  
पडदेरुक्रमणयेसेबिनबेसुणियोजादूराईराजाभीषमक्युपतरा  
खोयाछैम्हारीमाई॥३॥ तुमतोऔगुणाकोगुणकीन्हैसाखबेद  
मैगाई॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामी चरणकमलबलिजाई॥४॥

दोहा ॥ डेरा आप पधारिया, त्रिभुवन तो रणबाना ॥ घूमत डाग बरे  
घणां, धुडला सोहे जान ॥ १ ॥ भौवन की बखिनाइ या जादव बेग  
पधार ॥ करो सताबीं जान मे फेरा होय अवार ॥ २ ॥ रास मारू ॥ ब्र  
ह्मां इंद्र देव सब सोहे उधधव चवर ठलावे । डेरां सुप्रभु हर करु चाल्य  
राज पवार आवे ॥ १ ॥ चन्द चो की बिछवाई ऊपर स्याम चढाया ।  
भौव कै वरी नै बाहर ल्या फेरा बाहरा दिराया ॥ २ ॥ ब्रह्मां जीने बेग  
बुलाया मोतियन चकि पुराया ॥ कलश गने शपुजा वेनी का विधि  
संव्यावर चाया ॥ ३ ॥ दोहा ॥ छपन कोट जादू जु डेउ ग्रसेन वसुदेव  
गारी गावें कामणीं कहि कहि न्यारी भवे ॥ १ ॥ राग सोरठ ॥ जाच  
कजु डे अपारा ॥ सब गावें मंगल चारा । टेक ब्रह्मां जी वेदेउ चारै क  
र सरबोले बृत भारो ॥ १ ॥ तांहां कलश गणेशपुजावे ॥ जहां सावेने

सूतफिरावे॥२॥ब्रह्मांजीपदपहावे॥जबादिछणांकलशासलवि॥  
॥३॥तांहांसप्तमानिकाध्यावे॥हतलेवैहातादिरानै॥४॥जबवे  
दिमंचअहुताये॥तबसखियनमंगलगाये॥५॥रागमारू॥  
पहलोफेरोलीन्हौंजादूदीन्हंअस्वअपारा॥दूजोफेरोलीन्हौं  
जादूदीन्हंकुंजसवारा॥६॥तोजोफेरीलीन्हौंजादूदीन्हार  
थभणकारा॥चोथोफेरोलीन्हौंजादूदीन्हारतनअपारा॥७॥  
बावेंअंगजबलवालागा रुकमणिनाहिंजआवै॥बावेंअंगहम  
जबहींआवे वचनस्यामकोपावै॥३॥जनमजनमकाना  
यहमारा म्हैअरधंग्याथारी॥ सोलासहसमेंजायामिलावो  
नितउठचूंगीगारी॥४॥तुमजिनजानौंऔरबराबर येसी  
बाततुमछाडौ॥ सोलासहसकेपायगावो तो सुहभागतांकी

कादौ॥५॥जोयेबातकहीसोमानी कह्योतुमारोकीन्हौं॥ सोल  
हसहससिरपटराणीं राजपाटतौयदीन्हौं॥६॥जबजीवणासंडा  
वाआया अंतरपटकरवाया ॥ बीरसेवरामांमेंरुचकरब्रह्माजि  
रवाया॥खूँटीपूजीधूपूजवायापुन्याहवाचनकीया॥सप्तपदीब्र  
ह्मांजबबोलेपदमदनहारिदीया॥८॥दोहा॥परणायाजादवपती  
ह्मांमांगेभूरत्नागतलागदीरावज्यौनिप्रादालिददूर१॥रागसोरठ  
ब्रह्मानेभूरादिरावौ॥सबजानीकौकबुलावौटेकाजहांअगणित  
भूरादिबाई॥जान्यांकीकरबाडाईजान्यामरभौरीदीन्हौं॥ब्रह्मा  
जीथालमैलीन्हौं१॥भूरतोसुरतेतीसांदीन्हौं॥तातेइधकीकीरत  
कीन्हौं॥शिवमांढोभलवरषावौजाकूजनपदमइयौगावै२॥दोहा  
सिंधू॥भौवरायंकूब्रह्माबोल्याहतलेबौरछुडावौ॥सवालास्वधेनु

जबदीन्हीहतेलेनौछुड़वायो॥१॥दोहा॥परणपधारेजहुपतीघुड  
लांघुरेनिसाण॥जाचकमंगेजौडलादौऔलगियांनैदान॥२॥  
भौवभंडारीकौकियाचलेजानमेंआयजादुपतसौर्बानवदईअ  
रजगुदराय॥३॥कैवरहयिजौजानमेंदीउयेसंगखिनाय॥कैवर  
कलेवर्भौवजीबेगाबेगबुलाय॥४॥हरिहँसिकेयेसेकहीगणपत  
कुंलेजाय॥येहकैवरहेजानमेंयाकुंभूखसताय॥५॥रागमारू॥  
शुक्रशनिश्चरलारेलिन्याभुलकतमाढिआवेभंविरायकीलोप  
हुआफुल्योअंगनभावे॥१॥करिमनुहारधरणीगणपतकीदेआ  
सन्बैठाय॥जाजमजरीगलीचांरुपरसूबरणथालधराया॥२॥  
कंचनथालभन्योपकवानगणपतजीमणलाग्या॥देखसतावि  
पुरसणवालालावेभाग्याभाग्या॥३॥सख्याकरीमनुहारनोर

की गणपतकियोनकारो ॥ म्हानैतोभोजनहिंभावेथोरानीरनि  
वारो ॥४॥ पांचूकैवरपरोसणलाग्या भरभरत्नावेचंगेरी ॥ कहग  
णपतजीसुगारुक्रमैयाटीकनलागीमेरी ॥५॥ मेरोकह्योबचन  
थेमानोमतनापेचलखावे ॥ जासामानकरयो थारैसोम्हाने  
दिखलावो ॥६॥ करकिलकारचढयोभंडारा अनपरदृष्टिउठाई  
तीनग्राससारीकाकरगयोऔरनबचीमिठाई ॥७॥ माचगयो  
सारीनगरीमेंभूखहीभूखपुकारे ॥ दोदोअंगलजमी चाटगयो  
पापडभोलेकिवाडे ॥८॥ टगटगमहलचढ्यो सुबरणकेराणीसे  
बतलायो ॥ बासीकूसी धन्योढक्योडोसोराभोजनखायो ॥८॥  
बोलेराणीसुगारेगणपतथेथारेघरजावो ॥ मातगीरजापितासदा  
शिवदोन्यानिभखजावो ॥१०॥ राणीकहैसुनोराजाजीअबके



दुरमतजासी ॥ ऐंकाबडापड्याडेरामैवेकुणनखासी ॥ ११ ॥  
राजाअरजकरीप्रभुजीसैमैतोदासतिहारो ॥ बालकबालनकरल  
बतलायाइनकोदाषनिवारो ॥ १२ ॥ आग्यादीनीविशकरमा  
नेसबभंडारभराया ॥ पद्मकहेसबसखीसहेलीगणपतिकाज  
सगाया ॥ १३ ॥ रागबरवा ॥ दोहा ॥ सखियाकासुगाकेबचन  
मिल्यो जीनमैआये ॥ तबजादुवरपूछियो अपनैपासबुलाये ॥  
॥ रागमारू ॥ माडिजीगणपतिजीचाल्या जादूजानमैआ  
या ॥ मुलाकंताजादूपातिपूछा मुखारयाकधाया ॥ १ ॥ हुंसके  
कहीकृष्णसेगनपातिनाभूखानाखाया ॥ थारिमातदूसरोहोसीभी  
बभंडारमिठाया ॥ २ ॥ इतनीबातबोलप्रभुआगे शिवकोशरणा  
लीनी ॥ इसकंगलेकेव्यावणआया नहीं कलेवोदीनो ॥ ३ ॥

आंगलटूकचलुपाणीकीशिवशंकरजीदीनी॥त्रोठाकुरथातीन  
लोककासभीमुखहरलीनी॥ ४ ॥ हलधरकहे गौरजानन्दन  
जीमतलाजानआई।पदमकहैसबजानीबूभैहैसरयाजादुराई।  
सुगगणपतजीमहराजकदेनहींतुघायौ ॥ टेक ॥ थारोपिता  
जशंकरदेवगौरज्याहदजायौ ॥ १ ॥ छोडदियोकलाशहारका  
कुंघायौ ॥ २ ॥ गयोजानमैरुसमनायरकुणल्यायौ ॥ ३ ॥ सौ  
मणखाधामंगसाठमणधीखायौ ४ अलडबलडकासागकखुर  
चणखुरचायौ ॥ नहीछोड्याचराबुर तोहीतुंनिहिंघायो ॥ ६ ॥ कि  
यौमौकलौमालसबीतातैखायो ॥ ७ ॥ फाटतेपटअपारपारकिन  
हुनपायो ॥ ८ ॥ पदमभगतबलिजायसख्यांयूजसगायो ॥ ९ ॥  
॥ दोहा ॥ रुक्मणिक्कृष्णबिहायकेहरख्योभीषमराय ॥ जानजि

मावणजादवां लीन्होबेगबुलाय ॥ १ ॥ रागसोरठ ॥ जादुजी  
मवानेआथा ॥ राजाभीषमकेसनभाया ॥ टेक ॥ ल्यावो जा  
जमजरीबिछावो ॥ वाकौआदरदेबैठावो ॥ चंदनकीचौकीभं  
गावो ॥ दुलहाकेपासमेल्हावो ॥ १ ॥ कंचनकाथालभंगावो ॥  
जादवांकीपातमिल्हावो ॥ भोंवजीनेबेगबुलावो ॥ वसुदेवजीके  
पांवधुलावो ॥ २ ॥ लबरुकमकैवरनेल्यावो ॥ दुलहाकेपासबि  
ठावो ॥ मेवापकवानमंगवावो ॥ बोहोभांतजलेवील्यावो ॥ ३ ॥  
ल्यावोघेवरफौणीखाजा ॥ जीमेंतीनभवनकोराजा ॥ ल्यावो  
मैगभातमैगावो ॥ पाणीज्युंधिरतबहावो ॥ ४ ॥ जादवरुच  
भोजनकीजिये ॥ यौभातादियोसौलीज्ये ॥ ल्यावोकेरकरलीता  
जी ॥ बनौदालकढीसुराजी ॥ ५ ॥ छत्तीसूविंजनल्यावै ॥ येतोसब

ह्रीकेमनभावे ॥ थारोदासपदमजसगावै ॥ सखियनजबभात  
बैधावै ॥ ६ ॥ रागमारू ॥ बांधांकुलबसुदेव देवकीनंदयशोदा  
माई ॥ बहनभवा अरु काकीमामी बांधांधायरुदाई ॥ १ ॥  
कानफूंक अरुनालामोड्यो जिणथानेदियान्हवाई ॥ छप्पन  
कोटजादवसबबांधां बांधांहलधरमाई ॥ २ ॥ पंथपयाणां बांहण  
बांधांजिणथेबेठाआया ॥ बांधांतालसरोवरकूवा जठेतठेथे  
न्हैया ॥ ३ ॥ रथशिवकासबसाकतबांधौबांधाधोडाहातीं ॥ जाँ  
नबाँधजनवांसौबाँधौ बाँधौसबेबराती ॥ ४ ॥ बाँधौदंतबतीसी  
कीलामंत्रफंरावौनीका ॥ शस्त्रसिंगारवस्त्रसबबाँधौरंगरीलादी  
का ॥ ५ ॥ बाँधौथालपीतकरपूरस्यो भोजनसरसमिठाई ॥ चटनी  
औरअथरां बाँधौ बाँधौमिरचाराई ॥ ६ ॥ बाँधौपाकपकोरीपूरी

अरु सब पौ इरंधी छपन भोग छती सुं व्यंजन जो पुरसी सव बांधी  
७ जल बांधी जल भारी बांधा चौकी थाल बैधाया ॥ पदम भक्तशि  
कर्ण मनोहर सखि यन संग लगाय ॥ ८ ॥ अब नारद जी भात छुड़ा  
बौछंद रेखता ॥ श्री कृष्ण का ध्यान धरौरी ॥ पातल छुटन कहूँ सुनौरी  
तुम रे भवन व्यावन कुं आये ॥ राजा भोव बहु मान बधाय ॥ ९ ॥ जो  
तुम बांधी ये हप कवाने ॥ मगत होय सुनौ देकाने ॥ १० ॥ छटा पेड़ा  
मीठी कैणी ॥ बांधसी सगै थी जो वैणी ॥ ११ ॥ छटौ सीरौ घायो गी  
कौ बांधूँ और जडा ऊटी कौ ॥ छटी साबनी ऊजरी रूप क बांधूँ करणी  
फूल जडा ऊं भुं वक ॥ १२ ॥ छटी खीर परी ज के शर ॥ बांधूँ ना करही  
ऊं बुं बसर ॥ १३ ॥ छटा बुड़ा सालणा सज्जल ॥ बांधूँ जमक नैन के क  
उजल ॥ १४ ॥ छटी बर फैंकंद र बाकी ॥ बांधूँ दंत चंप सो नाकी ॥ १५ ॥

टापवाधतमेंसाज॥बांधूजुगलबांहकेबाजू॥१०॥ छूटीजलेब्या  
घृतमेंरेलीबांधूकांकणछंदपछेली॥११॥ छूटापापडपूडिकचो  
री॥बांधूकसपरिकरकंदौरी॥१२॥ छूटेमंगसवादूदाल ॥ बांधूति  
मगयौमोतियनमाल॥१३॥ छूटौरायतोअरुआचार॥बांधूडुल  
रीतिलरीजार॥१४॥ छूटामोदकसागरुधेवर॥बांधूचरणबाजता  
नेवर॥१५॥ छूटौरायतोबहुरसछकिया ॥ बांधूअणवटचिटुडी  
बिंछिया ॥१६॥ इतकेसबछूटेपकवान ॥ बांधूसमदगसुगासु  
जान॥१७॥ कवित्ता॥बैधेघुघरू पायबैधेनाडौकसकम्मर ॥ बैधे  
सीसपरबौरऔटशीमेघाडंबर॥बैधेबाजूबंदबाह्य बैधेकांचूकस  
काठी ॥ बैधेतिमाणियोकंठसीसपरबैधेआटी ॥ सबसिंगारसो  
हैसरसतूटातारनसंधिये ॥ पातलमहाप्रसादकीभोजनकबहुन

बैधिये ॥१॥ पावडाबकरबंधपीवगहगांप्रहिराया॥ कमरबंधक  
ररुर्ढौरसमेंकील्याया॥ कांचुबंधकसीसमौरबंधसेंठालागा । ह  
तसंकलांसूहातबांधमरमतनाहिंभागानाककानदोउबांधिकेचो  
दीबांधीतानके॥ बांधीबंधाईबंधरही भोजनछूटेजानके॥२॥ कहै  
कान्हपरवानबंधोसिरपाथरपाजा ॥ कहैकान्हपरवानबंधेसांक  
लगगजराजा ॥ कहै कान्हपरवानबंधेहरिहेतेबिचारी ॥ कहैका  
न्हपरवानबंधे बचनानुगसारी ॥ जानजिमांवगजुगतसूगावो  
रंगबधावणों ॥ पातलमहाप्रसादकीबोहोरनबंधीजावगा॥३॥  
आरोगौरघुनाथसियाबरस्यामहमारा॥ आरोगौजगनाथजगत  
केरक्षणहारा॥ आरोगौइणभांतरुक्रमणीप्राणरंगीला॥ आरोगौ  
महाराजक्षत्रअमतारछबीला ॥ जानजिमावगजुगतसूसगप

गृहेनवधावणौपातलमहाप्रसादकीरुचरुचभोगलगावणां४  
छंदरेखता॥अतिमनुहारंजीमीजाना॥मौछनदईसुपारीपान१  
जानजीमिआसीसादईसमधिनेकेबहुकन्याथई२जेतेजानीव  
रातीआयोयेकयेकसबकूँद्याव्याये३येसौमंत्रफुर्याहैभरो।पद  
मभगतचरणांकौचैरो४रागसोरठकीकाफीगारीगावैकैसैलाल  
कौगारीदीज्येहरिकौचरणौदकलीजे॥टेक।जान्यौजीहरिजा  
न्यांमथुरातेगोकुलआन्यांकोईजानेजाननहाराननवरंगानेहेतु  
मारा१हरिनीकरिहरिनीका॥जिनतौरयावृजकाछीका॥हरि  
नटवररीहरिनटवरायेतौगुजरियांआंगननचवर॥२॥याकेदो  
याबापयेकमाई॥यानेसबहीसुष्टउपाई।हरिआदुरीहरिआदू॥  
याकेमनभावेसबजादू॥३॥याकेकुलकौकारणनाहीं।भिलणी



केबोरेखवांही ॥ आकेजातपातनाहिंन्यारी ॥ आकेभगतिकरेसो  
हियारी ॥ ४ ॥ कान्हंकुंतांमुवातिहारी ॥ जिनजायोकरणाकैवा  
री ॥ कान्हंबहनसहोदराथारी ॥ सोतोअरजुनसंगासिधारी ॥ ५ ॥  
गारीदेतछुष्याकीसारी ॥ वोतोभरजौवनमतवारी ॥ गारीदेतछुष्या  
कीसासू ॥ जाकेपडेभेमकाआंसू ॥ ६ ॥ गारीगावैसातसहेली ॥ वे  
तोभरजौवनअलबेली ॥ थारोयशपदमइयौगावै ॥ कुलैरसहधा  
ईपावै ॥ ७ ॥ पाछीगारीनारदगावै ॥ रागवरवौतालठुमरी ॥ स्वांन  
रियौमोयोहेरंगीलीनथवारी ॥ टेकाधूमधुमालौलहैगौअतलसी  
जरकसरेशमीसारी ॥ कुचकठोरपैअंगियासोहैउरपरहारहजा  
री ॥ १ ॥ मोतियनमालगलेबिचसोहैदुलडीअजबसैवारी ॥ रत  
नजाटितभजबाजुसोहैकांकणसबबिधकारी ॥ २ ॥ भैवरकबाँण

तणीं भुवबंककी नैन नोखि अणिं गियारी ॥ निरखत लगै वां उरबधसु  
दरकां मणगारी ॥ ३ ॥ स्याम सुंदर कूहित करजो बौ भरलौ चनयेक  
वारी ॥ पदम भणे भ्रणमें पाये लागूं उबन्यौ शरणा तिहारी ॥ ४ ॥ पाछी  
गारी संख्या गावै ॥ राग सोरठ ॥ जाग्या जाग्या कृष्ण जी जाग्या  
थां नै जाग्यां हौ नवरंग बनानां ॥ तेक ॥ थारी माई जसौ दाजारी  
थां नै ऊखल बांधरतारी ॥ थां नै कंसत गाँडरलागा ॥ थेतो रात अंधे  
री भागा ॥ ५ ॥ थांरी सुवा भरमगमायो ॥ वातो करण कै वारी जायो  
थांरी बहन सहोदरा जानौ बोतो अरजुन रूप लुभानी ॥ २ ॥ थेतो वि  
न्याय कने ल्याया ॥ महाराटा बरस बडरपाया ॥ तू तो तौ नंद महरका  
धोटौ ॥ तें तो ठिण करमां गयो रोटौ ॥ ३ ॥ थेकारा कृष्ण जी कारा  
थेतो दोयबापन काप्यारा ॥ थेतो वनमें छाक भंगाई ॥ थेतो कुलकी

लाजगमाई४थेतोजीमोकृष्णजिलपसी।थारेसाथामहादेवत  
पसीथेतोजीमोकृष्णजिखाजा॥थारेजानीउग्रसेनराजा५थे  
तोजीमोकृष्णजिलाडू॥थारेजानीपांचूपांडूजिमौजीमोकृष्ण  
जीसांरौ॥थारेजानीहलधरवीरौ६जीमौजीमोकृष्णजिचावल  
थारेजानीनासदरावल॥थेतोनारदनैकअलयाया॥ म्हारादावरि  
याभरमाया॥७॥ गारीगावैकृष्णजिकीसारी॥ वेतोसदाकैवर  
मतवारि॥गारीगावैकुंदनपुरनारी॥ यांनैदीज्यौपानसुपारी॥८॥  
गारीसवहीकेमनभावैदुलहाकोमनहरखावै। ऐसेपदमभक्तप  
दगावै॥कुछरेसवधाईपावै॥९॥ रागकल्याणकाठुमरी॥ सुगटघ  
रमहरकाहौ॥कान्हौदोयबापनकौजौम॥टेक॥ येकबापमथुराव  
सेजी थारेंदूजागैकुलगाम॥ १॥ नंदकोक बसुदेवकौजीबा

लाकांइकांइकहृतबतलावाँ १॥ हिलाहिलफूँदीदगयौजीकान्हा  
बरसाणैकैमाँय ॥ ३॥ गौराईबसुदेवजीहोकांन्हा, गोराहीनंदरा  
य ॥ ४॥ स्यामवरणकेसूँभयौजीबाला, जाकोठाकनाठाय ॥ ५॥  
देवकीकीकूँखमँजानमियांजाँकान्हाँ, जशोदागोदखिलाय ६  
भवाथारीकूँतीकाहो, वातोजायौकरणाकवाँरि ॥ ७॥ बेनडथारी  
सहोदराहो, अरजुनलेगयोरथबैठार ॥ ८॥ पदमइयोस्वामींभणो  
जी, गाँवैकुंदनपुरनार ॥ ९ ॥ पाछीगारीनारदगावै ॥ राग  
आसावरी ॥ मोरिव्यावणतूसमदणमतवारीटेकपहलीतोडुल  
हाकूँमोह्योपीछेजानजुसारी ॥ १०॥ वेदउचारतब्रह्मामोहेशंकर  
नेजाधारी ॥ सिंगीरिखसैबनमँमोहे, मोहैपौचहजारी ॥ ११॥ अ  
रजुनसेरथवारीमोहे, नारदसेब्रह्मचारी ॥ सबहीदेवद्वारपैमोहे, रु

कमकँवरकीनारी ॥३॥ आयोजितनेसबहीमोहे, करडीनिजपर  
सारी ॥ धिनथारिकमरचकीछाति, काहुसेनहिहारी ॥४॥ छे  
लछबीली ॥ अरजबरंगीली, काजररेखसँवारी ॥ पदमइयोस्वामी  
जगतबखारणै, अखियांकामनगारी ॥५॥ समदणकीसख्यांउ  
वाच ॥ रागबरवौ तालठूमरी ॥ काहाबाजतकरतगुमानमुरलि  
यारंगभरी ॥ टेकाटूनासौकरगोपियनमोही । कितगइवौबंसरी  
॥१॥ मोहेदेवनारनरसारे, येसैकृष्णहरी ॥२॥ वृजमंडलनचवा  
गौउसनेतनकसिन्यालकरी ॥३॥ पदमभगवतबलिजायवनांप  
र, श्रीमुखआपधरी ॥४॥ दोहा ॥ रैनविताईरंगभैजादवजीम्या  
मात ॥ हरकतंडेरंआविद्या, पोहोपीरीपरमात ॥ १ ॥ मख्या  
मेलीसबऔरकीनिरखणजादवरायाकँवरकलेवाकारगौलगेई

स्यामबुलाया॥२॥रागखट॥बैठेस्यामसिंहासनऊपरकैवरकेलेवे  
आयेजी॥टेकाकंचनथालबहुभोजनलेकरसखियनमंगलगाये  
जी॥१॥लडूजलेबीघेवरखाजाभोजनबेगकरायेजी॥२॥जबश्री  
कृष्णजीहाथनघाले रुकमकैवरबुलायेजी॥३॥रुकमकैवरज  
बआयबैठाया जीमेनिभुवनराईजी॥४॥पूरणब्रह्मपदमकेस्वा  
मी सखियनगारीगायेजी॥५॥रागकल्याणठुमरी॥सखियांगा  
रीगावै।चतरभुजचौराठाजीआथाकुंदनापुरकिंणकाम॥टेक॥  
चीरचोरतवचढ्यार्जाबालाजलमेंनार्गीवाम।बंशीमेंचितचो  
रीयौजी बाला गोप्यांपूरणयाम॥१॥छीकेमाखनचोरियो  
होबालाकुखलबांध्यौपाम॥नलकूबरउरभाविआजीलालतुरत  
गयासुरधाम॥२॥चोरनखातिरजनमियांहोबालाकालाकपटी

स्याम॥ चोरी कर रुक भगहरी जी बाला भलौ लजा यो नाम ॥ ३ ॥  
कुंदन पुरकी काम गणों होवा लाजा गै भेद तमाम ॥ पदम स्याम शिव  
कर्ण कहै जी बाला कियो पवीतर गाम ॥ ४ ॥ पाछी गारी नारद गावौ  
राग परज को कह रवौ ॥ मोहन मुल कर ह्यो गारी गौ वै छु बीली नार ॥  
नटवर निरखि रह्यौ गारी गावै ॥ टेर ॥ बिंदली भल के चूपा चिल के  
भीं गों का जल सार १ जो बन भल के न थडी हल के बागां पकी अनार  
३ मनै शिव करण पदम छवि निरखत नारद वचन उचार मोहन  
१ भीं गों भीं गों स्वाद सुधर मुख सो है को किल मथना साश मोहन  
मुल कर ह्यौ ४ राग परज ॥ ये जी कुंदना पुरकी नार मोहन मोहलियो  
॥ टिका ॥ मीठे मीठे बैन मुसिक मुख मारै न चलावत धार ॥ १ ॥ जर  
कस भौला सबतन भल के तीखे नैन कटार ॥ २ ॥ रुमक रुमक सब

भूषणसोहै गजमोतियनदोहार॥३॥ चपलाचतुरचौकोरचारु  
मुख दईजीमोहनीडार॥ ४ ॥ पदमस्यामिशिबकर्णसरोवै ॥  
महिमाविदितअपारा॥मोहन०॥ ५ ॥ पाछीगरीसखियांगवै ॥  
रागठुमरी॥आयौआयौबिरजकोकान्हमाखनचोरलियो०आ  
यौ०टुका॥मोरसुकटियाहाथलकटिया॥गावैअनोखीतान॥१॥  
बुंदाबनमेंगऊचरावैमाग्यौमहीकोदान॥२॥ संगगवाल्याकुबडा  
काल्या मांगबणाईजाना॥३॥ रुकमणचोरभग्यौयेकछिनमेंपरी  
जनमकीबाना॥४॥ पदमभरणेप्रभुस्यामसलोनानापलपलवारुंप्रा  
ना॥५॥ रागकाफी॥खेलैहैंप्रियाप्यारीजुवामिलाटुका॥इतबसुदे  
वभूपकेनंदूतनूपर्मीवकुंवारी १ सुघरसखीमुंदरीकरलेकरुक  
मणि॥केढिगहारी॥२॥ कपटलईजबरुकमणिभुद्रीसखियांहैसीदे



तारी ३ बसुदेवनंदनहारिगयेहैं जीतो भीवकैवारी ४ पदमभक्तनै  
नारसलूटे कंदनपुरकीनारी ॥ ५ ॥ रागसोरठ देस ॥ कंगनाखोलै  
यादवराजखुलवैकामणीब्रह्मादीनीगांठधुलायखुलेनाहिंदोर  
डौ ॥ १ ॥ चाहेकुंताभवाबुलाय ॥ चाहेबहनसहोदराबुलाय चाहै  
नंदयशोदाबुलाय ॥ चाहेगणपतकूरबुलाय ॥ वोतोमोदकमिस  
रीसाय ॥ वोतोदुडबुडुडुबजाय ॥ ४ ॥ चाहेबाबावसुदेवबुला  
या ॥ चाहेमायदेवकीबुलाय ॥ जाहिहलहधरंबंधुबुलाय ॥ ४ ॥ चाहै  
पांचोपांडुबुलाय ॥ चाहेवृजकीसखीबुलाय ॥ ऐसेपदमभगत  
बलिजाय ॥ ५ ॥ दोहा ॥ जाकरपरगिरवरधर्यो, राखलयेवृज  
साय ॥ वौभुजकोबलकहंगयो, अबकहाकैपावौहाथ ॥ १ ॥ क  
छुमाखनकोबलभयो, कछुगोपिनकीसाय ॥ कछुसायबलबीर

की परबतलियो उठायार ॥ बृजवासीको नाम सुन छातीरो म भर  
आया अनंतकोटि ब्रह्ममंडमें त्रिविधतापनसाय ३ रागमाख ॥  
सुवरणकलसफटिकमणि कै गना मुलकतमौर बुलायौ ॥ ब्याव  
प्रमसुख विसरगया जब नैन नीर भर आयौ ॥ १ ॥ काँपै हाथ डोर  
नहिं खूले ऊधोजी बतलावै ॥ नख से धनुषतिन कज्यो तो ज्यो अव  
क्यो लो गहँसावै ॥ २ ॥ यह सुन कृष्ण है से मन माहीं कंकन तुरत  
खुलावै ॥ पदम भगै प्रणमै पाथलागुं ब्याह भलोर स आवै ॥ २ ॥  
रागधना श्री ॥ आवो चंद से न राजपूत भोंवकरो पहरावणी ॥  
॥ टेक ॥ पहरावणी सजन मिल आवणा थारा हो गया मनचीत्या  
बैन भोंवकरो पहरावणी ॥ १ ॥ पहरावणी कृष्णारि भावणी राजा  
॥ २ ॥ आवै नै भोंव से नजरि अपूत रुकमकरो पहरावणी ॥ कह पद

मभक्तकरजोरकेषभुदासजानेकेकीजोमेहराद्योभक्तिअनपाव  
नी ॥ ३ ॥ रागमारु ॥ राजाभविभंडारीकोक्या भविभंडारखु  
लाया ॥ इचरजकियास्यामअवतारी यादवकौकबुलाया ॥ १ ॥  
करअस्तुतिआदिकीपूजा चौकीबेगमैगावौ ॥ गणपतजीनेपह  
लबुलावौकनकमालपहिरावौ ३ बसुदेवजीनेसुखपालमैगावौ ॥  
चोखीचादरआढावौ ॥ अच्छीचादरजडेजडाऊनदकेहाथदिवा  
वौ ॥ ३ ॥ हलधरनेहलमूसलदीज्यौ बडीडोरकाह ॥ थी ॥ नेमनाथ  
नेअसगजदीज्यौअहिरावतकेसाथी ॥ ४ ॥ चंचलजातकीमल्हन  
गरजा तिवरणजलकेहोडा राजाभीवदियापंडवाने आपचढ  
नकाघोडा ॥ ५ ॥ दसदससहससिरोपात्रसाजिया साजसोहनी  
कीन्हीं ॥ रुकमकैवरराजाभीषभके छप्पनकोटिनेदीन्हीं ॥ ६ ॥

बहुतकवाहनचैराचेशी संगसखाउरधारी ॥ सनालसहितसावटू  
वागा ॥ पाटपटंबरधारी ॥ ७ ॥ कबलगरचंपारनहिंपाऊंदीन्ह  
बहुतप्रकारि ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामी याविधजानसँवारी ॥ ८ ॥  
दोहा ॥ हरिहलधरकोटरिया, भाईत्यागचुकाय ॥ देसदेसकी  
बंदिजन, दालिद्रदेवबहाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बागाजरीजरी  
काफेटा चीराचीरसँगाया ॥ सालदुसालासरसपागडी याचक  
जनपाहिराया ॥ १ ॥ हलधरनेमिलत्यागचुकाया ॥ नेमनाथ  
मनभाया ॥ केशौतणीबधाई ऊपर डेराइंद्रलुटाया ॥ २ ॥ जो  
माग्यासोतबदोन्हां दालिद्रदूरभगाया ॥ पदमस्यासमुखदा  
यकनाथक याविधत्यागचुकाया ॥ ३ ॥ हरीपधारेहेसखीगह  
राघुरेनिसान ॥ सेनाचढियादबचले आवीकरांबखान ॥ १ ॥

येकवारहेमावडी मैलोदेरी आय ॥ नदीबिहूंगाबाहलाकनअबड  
सरमिलजाय ॥ २ ॥ रागकालिंगडो ॥ म्हारोमिभक्त्योरुणाकु  
रायौ भुरभुरपिंजरहोयारुक्कमणचालीबाइसासरेमिलणोकेब  
धौहोय ॥ मायामिलैनाबलमिलू मिलमागौसूसाल भुवाम  
तीज्यांरिलमिलूं मासीबालगुपाल॥ह्यारोये ॥ २॥ काकानका  
क्यांमावडीभावजअरुबडबीर मिलमिलकेसबसेमिलूंआंसूं  
भीज्योजीचीरा॥ह्यारोये ॥ ३ ॥ दौडमिलूंपरवारसे मिलतासु  
लेहनबाथ ॥ छोटाभाईभावजंमिल साथगियांरोसाथ ॥ ४ ॥  
पदमभंगेशिवकरणायौ बीररुक्कमकैवार ॥ बेगीसीमुकलावजो  
कीज्यौमतीअवार ॥ ह्यारोये ॥ दोहा ॥ हुलरहुलरहुसक्याभरे  
बिलखीराजकैवार ॥ नारदकहरथपरचढौ सगनाहोतअवार

रागकालिंगडोकहरवामें॥म्हारोयेमिजन्यौरुणभुरयोसैवैराज  
द्वारा॥रुकमणुचालीसासरे भलभलसुगनभनाय ॥टेक॥ हात  
लियांहलकौरहै धरियांभारजलाख॥आल्यौहेम्हारीदुलहडी  
ज्यांनेकीराख॥ १ ॥ आवौसखीसहेलियांमिलौभुजापसार॥  
अबकाबिछुड्याकबमिलां दूरबसंगेजाया॥२॥मनजागेंमायड  
मिलां गलदेभुजापसार ॥ तनजागेंहरिश्चढां देपिंजणपर  
पाय ॥ ३ ॥ मनजागेंबाबलमिलूंबांहडल्यांगललाय ॥ अबके  
बिछुडेकवमिलें दूरद्वारकाजाया॥४॥ पदमकहैरुकमणुभरणेबि  
नतीयेकमाय ॥ बैगलामेंम्हारीदुलियां थेतोसम्हालौनीजाय  
॥५॥ रागपदमाड ॥ अमाम्हारीदुलियाकोसिंगार ॥२॥ टेक ॥  
भिरमिटियाडावामाहींमाबाहिरनहींछैलगाशरतनजटितनख

सिखतणौमा राखौजीवअधार॥अमा॥म्हारी॥१॥साथगियां  
गखेलतीमा॥बाबलकेदरवार॥अजहूँखेलनआवसूँमाजीकी  
ज्योसारसंभारा॥अमा॥म्हा॥२॥आवजनमतभेदद्वोसाकीज्यो  
जतनअपारा॥खेलगरीमनमेंरहीमाकहूँछुहुलारहुलार॥अमा  
म्हारी॥३॥दुरतोदेसांदिवीमाजीसमद्वरियाकेपार॥पाछीतो  
कबमुकलावस्यौमाजी कबमिलसीपरवार॥अमा॥म्हारी॥४॥सास  
नणददिवरागियांमाजीसोकडल्यांरोजीसाल॥कहाजागूँकि  
सबिधराखसीमाजीबेगीकीज्योसार॥अमा॥५॥ज्योकहूसीज्यु  
इचालस्यंमाजीहुलखानहींजालगाराबासीकूसीजोमिलेमा  
म्हारेतोअमृतसार॥अमा॥६॥पदमभरणेंशिवकर्णयुंजी हुलारे  
राजकैवार॥पाछीफिरबीनबेमाजी बेगीकीज्योसार॥अमा॥

महारीदुलियांकोसिंगगारागकहरवौ॥ बंधवनोमायामोहको  
मायडगरांसिधायतुमबिनाबाईम्हारीरुक्मणीकाईकरां घरमा  
यै१ जिणअँगनामेंखलतीसोअँगनानाहिंसुहाय अनपानीकी  
रुक्मिटीनैननींदनआय२ रुक्मणचालीसासेरनवनिधिलीनी  
लाराखाजाफीणींकोडसेलाडकूँडहजार३। गाडाभरियाखो  
परांसोलाक्रोडसुहाया। मिसरीमेवासूखडीदीज्योनग्रबँटाय४। म  
डमुडदेछेबाइआसीसाचिरंजीवेपरवार। काकाबाबासुबसबसौ  
भाईजीवेक्रोडहजार५। आडाडूंगरकिणकियाकिणरोपीवगारा  
या। आडाडूंगरहरिकिया। बिधरोपीवगाराय ६। आजरहेगीबाइरु  
क्मणींकाहूबनमेंजाय। प्रातद्वारिकाजायगीपदमइथौजसगा  
या। बंधवनोमाया० ७। दोहा॥ राजाभीवकीबिनतीसाम्हलियो



भगवान्॥ गुणमानौ अवगुणतजौ । रुकमइयौ अनजान १॥ सेना  
लेयादवचढासाथ चले सब भूपादासी दीन दयालकी रुकम गिरा  
प अनूप २॥ मांटे महारेज सरह्यौ सुज सरह्यौ मह राया । फूल्यौ मरवौ  
केवडो ॥ और सुगंध सुहाय ३॥ पुरजन सबहरा खित भये घरदार मंगल  
चार ॥ पाटंबर सब पहिर के करत बधाना नार ४॥ परणा चले प्रभु रुकम  
णी ॥ पंथ द्वारिका लीना ॥ पदम भक्त शिव कर्ण कह दौर बधाई दीन प्र  
॥ टेक ॥ राग घना श्री ॥ सखि सब गावै मंगल चार । याद बवंश की नार  
उड़त गिरद लाल भयो अंबर आयै कृष्ण मुरार । ऊँठन दरजु जरवा  
छूटे दौड़े चलत कहार १॥ ये देखौ अब दीखन लागे माला फेर अस  
वार ॥ रथ भनकार पडी श्रवना मै जा भगारा भगणकार ॥ २॥ बडे बडे  
राजा याद वहै हाथिन लगी कतार ॥ रथन की कछ गिनती नाही

घोडा अनंत अपार भालरदार पालकी सो है भल के मुकट अपारा  
सुरनर मुनि जनक्रोड देवता रंग की पडत फुहार ॥ ४ ॥ हर ख्यौ लै रब  
घाई नाई खबर करौ दरबारा पदम के स्वामी परगण धारे रुक्मा शि के  
भरतारथ छंद ॥ तब नग नरसाजि आरती धनघोर नाद बजावहीं  
सब पौरी तोरण कलसक चनमोति यन थाल सजावहीं ॥ १ ॥ येक  
येक के आगे चले नर दौरे के सन्मुख गये ॥ हिल मिलि हिं जाय बरात  
भेद परस परस तभये ॥ २ ॥ कुशलात सब विरतांत पृच्छत सुनत  
सब राजी भये ॥ कर आरती कर पुर बराती शंख जल स्वातिक लये ३  
औ छार स कलबजार करत जुहार नौ छावर घनी ॥ छिर काय अत्र प्र  
हार पुष्प सुदुंदभी देवन हनी ॥ ४ ॥ परदा उधार बिराज रथ पै कृष्ण बर  
अरु रुकमनी ॥ पदम धना शिव कर्णा निरखत सकल जन नव लीबनी

॥५॥ दोहा ॥ सा भूहलो श्री कृष्णको रुक्मणि लयाया पण ॥ यादव  
हर्षबधा विद्या पद्मभक्त शिवकर्ण ॥१॥ राग मारू ॥ पदमभक्त  
शिवकर्ण बधावै यादव जान पधारी ॥ नवलानेह निखन नरीकू  
मंगल गावै नारी ॥१॥ केतिक नारभरोखन भौंकत कोउ चढ भौंक  
अटारी ॥ कोइ परदेचिक ओट निहारी ॥ केतिक भौंकत जारी ॥२॥ न  
वलबनी केले तवारणां पल पल प्राणा जुवारी ॥ पदमभक्त शिवकर्ण  
निरखि छवि चरणा कमल बलिहारी ॥ राग मारू दैत्य विडोरे दवड  
बारे आये हरि अस्थाना ॥ वहन डरोक्यो वारणां जी धर आई सवजा  
ना ॥३॥ वहडवो ली कृष्ण से भाई मोहन वार छडाई ॥ कान्हू के वर  
जव दई छावडी रतन दिये बहुताई ॥५॥ छंद ॥ पै सारो सवसाज मुहु  
रत भीतर भवन पधारिया ॥ सुभद्रा मिलि द्वारो क्यौ पौरी कृष्ण

पलाविया १ आवोमातदेवकीजी रुकमणिमुखदिखलाविया  
देवकीजीगोदलेकेधीगुड़हाथघलाविया २ राणी रुकमणिपाय  
लागीसुरनरपुष्पबर्षाह्या ॥ द्वारापुरीआनंदभयौदासपदमजस  
गाविया ३ रागजंगलोमिलसखियनमंगलगवौदेवकीजीलाड  
लाडलडावै १ देवकीजीनेउरावलावौ ॥ धीगुडमेंहाथघलावौ ॥ २ ॥  
देवकीजीलाडलडावै ॥ धीगुडमेंहाथघलावै ॥ ३ ॥ वसुदेवजीआ  
गेआवै ॥ रुपियारीथेलीलयावौ ॥ ४ ॥ जबडुलहनमुखदिख  
लावै शिवकर्णपदमजसगावै ॥ ५ ॥ रागमारू ॥ सातसुहागनसात  
सखीमिल स्वागथालपरुसावै ॥ नृपसुतासातोजुडबैठाप्रथम  
आसकुणपावै ॥ १ ॥ आंटपडीकोइहाथनघालेहरिजीबोलयावा  
णी ॥ सातांसिरसहससोलापरभीवसुतपटराणी ॥ २ ॥ नभस्वर

पुष्पहुं दुभीवाजी तीनलोकजयकारा॥ मेरा भगवत भी वरि कै वरी  
रुक्मणि प्राण आधार ॥ ३ ॥ हरिकर हेतवडा पयादीन्हौ रुक्मणि  
पाटविठावै॥ मना शिव कर्यो भगतरी महिमा जनपद भइ यौ गावै ॥  
॥ ४ ॥ राग काफी होरी ॥ वांटत स्वागवनी ॥ आंगनियां भवजत  
वधाई॥ वांटत ० ॥ टेक ॥ छोटै छोटै हाथ रुक्मर सकल इयां॥ भरघो  
वारुधनी ॥ सुन सवदौरीं नवल नगरी जुड गइ भीर धनी॥ आं ०  
॥ १ ॥ मिलि मिलि अमल निथि सवदौरीं निरखत भी वजनी ॥ वरघे  
पुष्पहर खतिहुं पुरमें दुंदुभि देवहनी ॥ आंगनि ० ॥ यह छवि हरष  
प्रानि पाति निरखत परखततिरछी अनी ॥ ब्रह्मावेद विरदवंदी जन  
महिमा रटत फनी ॥ आंगनियां में ॥ ३ ॥ लघुकर अतुर अतुर  
प्रिय वांटत वरखत धानि घनी ॥ पदम स्यामा शिख कर्ण समेटत ह

मेरे तो खूब बनी आंगनियामें ॥४॥ रागमारू ॥ पुरी नहीं द्वारा  
वती सम नदी गोंमती सारी ॥ कृष्ण समान देवनहि दूजा अगूल  
ता उर धारी ॥१॥ सोला सहस्येक सौ अबला भौमा सुरग हिल्या  
गौ ॥ सगली येक मुहुरत परणी पार बह्वर पायौ ॥ २ ॥ रुकम  
णिं जामवती सत भामा सुभद्रा भद्रा राणी ॥ कालेंद्रा श्री लक्ष्मी  
बृदाये आठ पटराणी ॥ ३ ॥ दस पसतु त्रयेक येक कन्या ग्रहतरुणी  
बर दीनां ॥ निराकार निरलेप निरंतर यों रंगमाया भीना ॥४॥ अ  
पनी अपनी पौलि अमूषन भजन करत सब नारी ॥ पदम स्याम सु  
खदायक नायक दरसन की बलिहारी ॥५॥ रागा चरण रज बंधू जी  
मैं रहूं चरण लवलाय चरण रज बंधू जी के सौ कहां बधाय १ जिन  
भगत न अवगां सु रायों जानें बिघन न्या पै कोय ॥ २ ॥ पदम इयौ

स्वामीमणोभगतदानद्यौमोय॥चरणरज॥३॥ रागसोरठ॥ जो  
यामंगलकोगावौ॥ज्यांकापापप्रलेहोयजावौ॥१॥जोयामंगलको  
सुनिहै॥जाकेकोटजनमकेपुनहै॥२॥ दोहा॥द्वारावतिआनंदभ  
योसुरनरदेतअसीस॥ कहपदमइयौवैरथयूदौसिहासन्नजागदी  
स॥१॥रचयावैरथपदमालयहरुकमणिमंगलसार॥ सुद्धकियोशि  
वकर्णजनतुकसबदईसुधार॥२॥विजयव्यावश्रीकृष्णकोरुकम  
गिल्यायपर्ण॥ रामरतननिजाकरलिख्यौशुद्धाकियोशिवकर्ण  
॥३॥कछुपदंनयेबनायकेटूटकसंधिमिलाया॥ कियोसंकलाबंद  
सबअरथांअंकारिल्याया॥४॥मूलचंदसुतशिवकरणादरकमंडेववा  
सामुरधरडीडुमहेस्वरीईद्रपुरीसुखबास॥ परतग्याराथेखंटीकर  
सबकाढ्योसारा॥तुकटूटीमेटीअमिलआरथौलियोसुधार॥६॥

॥ अथ बारामासीयोरुक्मनीको ॥ गोबरधनधारी राखोपरतं  
ग्या दासी आपकी ॥ टेर ॥ लग्यो महीनो चैन चावसे गौरीनं  
दमनाऊं ॥ दुर्गामाइ करीसहाइ हितचितसंतीध्याऊं ॥ दी  
ज्योबुद्धिबरदानआनमोये तुमसेअरजलगाऊं ॥ विद्रभदे  
शसुहावणोभीषमघरअवतारपांचपुत्रप्रगट्याराजाकेछठ्ठी  
राजकैवार ॥ लक्ष्मीरूपधारी ॥ १ ॥ मासबैशाखद्वारपरमार  
नारद मुनीपधारा ॥ आदर भावकियोबहुतेरोदेआसनबैठारा ॥  
चरणधोयचरणामृतलीन्यो तबरिषिवचनउचारा ॥ रुक्मनि  
कोबरसाँवरो यदुपतिदीनदयाल ॥ दुष्टसंहारणभक्तउबारण  
करुणासिन्धुगोपाल ॥ रचीसृष्टिसारी ॥ २ ॥ जेष्टमायबंध  
रुक्मैयोमातासेबतलायो ॥ कागदालिखकरदियो माटनैचद



रीपहुँचायो ॥ पन्नीवाँचचढ्यो शिशुपालौकुंदनापुंरमैआयो ॥  
संगराजानिजानै शोभाअनंतअपार ॥ देखीजानगोरवेआई  
हरख्यो रुक्मकुंवार ॥ जानभल्लीभांतिउतारी ॥ ३ ॥ साढ  
मासमाताभेरुंअपनेपासबुलाई ॥ सजबरातशिशुपालोआ  
योनिरखोरुक्ममनिबाई ॥ जरासिंधेसकाकाजिनके दैलाधरसे  
भाई ॥ चवदाभवनकेबीचमें ऐसोराजानाय ॥ काल्योनाल्यो  
गऊचरावै डोलैबनकेभाय ॥ उसीमेंकेगुणभारी ॥ सावगा  
सोचकैरभीजामजीअबभभुजीकबआवै ॥ आडीभोगद्वारिका  
कुणभूरोसंदरोपहुँचावै ॥ डाहलपंचगायोकुंदनापुरग्रहकोई  
जायसुनावै ॥ बिरदउधारणआपहोकीजैबेगसहाय ॥ जोशि  
शपालरुक्मनीपरगौमरुंकटारीखायाथेहीनिश्चयमनबारी

॥ ५ ॥ मादु भगत बेग पधारी अबमत देर लगारो ॥ ॥ सेनाले आ  
या अभिमानी तिसको गरम हटावो ॥ राम रूप होय पहली परणी  
अबक्यं लो गहँ सावो ॥ पुरी अयोध्या जनि मया दशरथ घर अवता  
र ॥ तो डो धनुष किया दो टुकडा अबक्यं दई बिसार ॥ कहो क्या  
चूकह मारी ॥ ६ ॥ आश्विन अरज करूँ कर जोडा लग रही चिंता  
मारी ॥ सरवर न्हाता कोल किया थाक्यं भूल्या गिर धारी ॥ डूबत  
डी नै बाहेर काढी अब किण दोष बिचारी ॥ डाहल दी पै काल सों ज  
म सी लगै बरात ॥ मेरी टेर सुनी नहीं काना कूनरी तकी बात ॥ बिनती  
कर कर हारी ॥ ७ ॥ कार्तिक मायचाय भगवत की जोशी पास बुला  
यो ॥ हाथ जोड परकर मादीनी आसन दै बैठा यो पतिया लिख दीनी  
कर सेती बहुत मांत सम भायो ॥ तुम द्विज जावो द्वारिका श्री कृष्ण

केपासाहमरीमातआतकेआगेमतनादीज्योजास । आसैहबडी  
तिहारीदअगहनमासचल्यौ जोसीजीपुरीद्वारिकाध्यायौ ॥ प  
नीजायकृष्णकोदीनी सारोपतोबतायौ ॥ विद्वभदेशकंदनापुर  
नगरीरुक्मनिमोथ खिनायौ ॥ ब्राह्मणवांचैपत्रिकासुनियो  
जादूराय ॥ ॥ औरसंगहरगिजनहिजानुसंशयमेदौ आयाकरो  
वेगाअसवारीद्वापौषमासमेरपितापासआजोसीबैनसुनाया ॥  
पांचूपांडुअरुबलभदर श्रीकृष्णचढआया ॥ सुनसुनबातनाथ  
कीहमरेहोयथाहरबासवाया ॥ जानु अंबापूजिवाभरमोतियन  
कोथाल ॥ नारदजीमोयेवचनदियाथामिलसी नंदकोलाल  
कारीजलबाकीन्यारी ॥ १० ॥ माघमासदुर्गाबरदीनीमिलगये

सनमुखऔयैमिलैहलधरजी जुद्ध भया औतिभारी ॥ राजा  
 साराखपगया हस्तिनकोनहिंपार ॥ चंदेरीकोराजाभाग्योज  
 रासिंधैहलार ॥ खपादईसेनासारी ॥ ११ ॥ फागण चावरावभी  
 धमके सुवर्णस्तंभरूपाया ॥ ब्रह्मादिकनारदमुनिआयेमोतिय  
 न चौकपुराया ॥ भलीभांत दीनी ॥ मिजमानी जादूविद्या  
 कराया ॥ परणपधारेचावसेरूकमनिअरुघनस्याम ॥ जोजन  
 गावैबाराभासो पूरणहोसबकाम ॥ कहैरूलीरामपुजारी ॥ १२ ॥

॥ इति बारामासियो रुकमनीजीको रूलीराम कृत समाप्तम् ॥

इति रुकमनीमंगल बड़ा विवाहोत्सव पदमशक्त कृत महामंगल रूलीराम ब्राह्मण राजगढवाले द्वारा  
 संशोधित समाप्तम् । नातोक्छु विद्वानमें, कविताको न विचार । जैसीमेरीबुद्धिथी तैसीदियो सुधार ॥  
 इस पृथ्वीपर हैं घने, बड़े-विद्वान् । भूलभई सो बकसियो, मुझको मुरखजाना ॥ २॥ दिल्लीसोंपश्चिम  
 तरफ़ राजगढहै गाम । जाती ब्राह्मण गौड है, रूलीराम है नाम ॥ ३॥ शुभंभवतु संवत् १६८४

पुस्तक मिलने का प्रता--

लाला श्यामलाल हरिलाल,

श्यामकाशी प्रेस, मथुरा।

---

मुद्रक--महेश प्रसाद सत्यनाम प्रेस, मैदागिन, बनारस सिटी।

